मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने 100 अत्याधुनिक... 02

राष्ट्रीय शिखर

खबरों की स्वतंत्रता

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र गाजियाबाद, गौतमबुद्धनगर, नई दिल्ली, देहरादून और लखनऊ से एक साथ प्रसारित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

वाराणसी के अलावा इस भारतीय फिल्म... 11

वर्ष - 01, अंक - 310 | गाजियाबाद / बुधवार 11 फरवरी 2026 | PRGI No. - UPHIN/25/A0086 | पृष्ठ -12, मूल्य - 04 रूपए

बाबरी ढांचे का सपना देखने वालों को सीएम योगी की दो टूक, बोले

'कयामत का दिन कभी नहीं आएगा'

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बाबरी ढांचे का सपना देखने वालों को कड़े शब्दों में चेतावनी देते हुए कहा है कि कयामत का दिन कभी नहीं आने वाला। जो लोग ऐसे सपने देख रहे हैं, वे सड़-गल जाएंगे। हिंदुस्तान में कायदे से रहोगे तो फायदे में रहोगे। कानून तोड़ने वालों का रास्ता जन्नत की ओर नहीं, बल्कि सीधे जहन्नुम की तरफ जाता है।

मुख्यमंत्री मंगलवार को हिंद केसरी ब्रह्मलीन महंत बाबा हरिशंकर दास की पुण्य स्मृति में बाराबंकी के श्रीराम जानकी मंदिर, दुल्हदेपुर कुटी में आयोजित दशम श्री हनुमान विराट महायज्ञ एवं श्री रामार्चा पूजन में सम्मिलित हुए। इस दौरान उन्होंने केंद्र और प्रदेश सरकार की उपलब्धियां गिनाते हुए बाराबंकी को जल्द विकास प्राधिकरण दिए जाने और लोधेश्वर महादेव मंदिर में भव्य कॉरिडोर निर्माण की घोषणा की।सीएम योगी ने कहा कि डबल इंजन सरकार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में जो कहती है, वह करके दिखाती है। ‟हमने कहा था कि रामलला आएंगे और आज भव्य राम मंदिर बन चुका है। हम विरासत को सम्मान देते हुए भारत और सनातन धर्म की गौरवशाली परंपरा को अक्षुण्ण रखेंगे।” उन्होंने अयोध्या में श्रीराम मंदिर पर फहराए गए भव्य केसरिया ध्वज का उल्लेख करते हुए कहा कि यह ध्वज सदा भारत और सनातन के गौरव को आगे बढ़ाएगा।

बाराबंकी को विकास की नई रफ्तार

मुख्यमंत्री ने कहा कि बाराबंकी 84 कोसी परिक्रमा मार्ग का हिस्सा बन रहा है, जिससे विकास और रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे। यह जनपद स्टेट कैपिटल रीजन (एससीआर) में भी शामिल है। रामसनेही घाट के पास बड़े औद्योगिक क्षेत्र का निर्माण प्रस्तावित है, जिससे स्थानीय युवाओं को रोजगार मिलेगा। उन्होंने लोधेश्वर महादेव मंदिर में भव्य कॉरिडोर, हॉकी के महान खिलाड़ी केडी सिंह बाबू की हवेली को संरक्षित कर स्मारक और खेल अकादमी बनाने की भी घोषणा की। कार्यक्रम में खाद्य एवं रसद मंत्री सतीश चंद शर्मा, प्रभारी मंत्री सुरेश राही, सांसद जगदंबिका पाल, विधायक दिनेश रावत, विधान परिषद सदस्य अवनीश कुमार सिंह सहित अनेक जनप्रतिनिधि, संत और बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

यूपी में अब सुरक्षा और विकास का नया दौर

मुख्यमंत्री ने कहा कि देश कभी कमजोर नहीं था, लेकिन 2017 से पहले उत्तर प्रदेश में असुरक्षा का माहौल था। आए दिन दंगे और कर्फ्यू लगते थे, लोग सूर्यास्त के बाद घर से निकलने में डरते थे। गरीबों की जमीनों पर कब्जे होते थे। उन्होंने बाबा हरिशंकर दास का उल्लेख करते हुए कहा कि श्रीराम जानकी मंदिर की जमीन पर कब्जे का प्रयास हुआ और बाबा जी को गोली मारी गई, लेकिन सरकार बदलते ही प्रदेश से अराजकता समाप्त हो गई। उन्होंने कहा कि पहले जहां कुंभ और धार्मिक आयोजनों में सीमित संख्या में श्रद्धालु आते थे, वहीं अब करोड़ों की संख्या में लोग अयोध्या, वाराणसी और प्रयागराज पहुंच रहे हैं। वर्ष 2024-25 में 122 करोड़ श्रद्धालुओं ने यूपी के धार्मिक स्थलों पर दर्शन किए, जबकि महाकुंभ में 66 करोड़ श्रद्धालु पहुंचे। यह आंकड़े प्रदेश में सुरक्षा और बेहतर व्यवस्थाओं का प्रमाण हैं।

संभल हिंसा : अनुज चौधरी को राहत

प्रयागराज (एजेंसी)। संभल हिंसा मामले में अपर पुलिस अधीक्षक (एएसपी) अनुज चौधरी को इलाहाबाद उच्च न्यायालय से बड़ी राहत मिली है। उच्च न्यायालय ने अनुज चौधरी समेत कई अन्य पुलिस कर्मियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने संबंधी मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (सीजेएम) के आदेश पर मंगलवार को रोक लगा दी। उत्तर प्रदेश सरकार और अनुज चौधरी की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए न्यायमूर्ति समित गोपाल ने यह आदेश पारित किया। याचिका में संभल सीजेएम कोर्ट के आदेश को चुनौती दी गई थी।

यह आदेश नवंबर 2024 की संभल हिंसा से संबंधित है। एफआईआर का आदेश तत्कालीन सीजेएम विभांशु सुधीर द्वारा यामीन नामक व्यक्ति की अर्जी पर पारित किया गया था। यामीन ने आरोप लगाया था कि पुलिस अधिकारियों ने उसके बेटे को जान से मारने की नीयत से गोली चलाई थी।

उच्च न्यायालय में राज्य सरकार और पुलिस अधिकारी की ओर से एडिशनल एडवोकेट जनरल मनीष गोयल ने दलीलें रखते हुए कहा कि मजिस्ट्रेट ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की सीमाओं का उल्लंघन किया है और कानून में निहित अनिवार्य सुरक्षा प्रावधानों की अनदेखी की है। सीजेएम ने बीएनएसएस की धारा 175 के तहत प्राथमिकी दर्ज करने का आदेश तो पारित किया, लेकिन धारा 175(4) में निर्धारित कठोर और अनिवार्य प्रक्रिया का पालन नहीं किया जो अपने आधिकारिक कर्तव्यों के निर्वहन के दौरान कार्य करने वाले लोक सेवकों को निरर्थक और दुर्भावनापूर्ण आपराधिक कार्यवाहियों से संरक्षण प्रदान करती है।

उन्होंने स्पष्ट किया कि बीएनएसएस की धारा 175(4) के तहत किसी लोक सेवक के विरुद्ध जांच का आदेश देने से पहले मजिस्ट्रेट को दो चरणों की प्रक्रिया अपनानी होती है- (क) किसी उच्च अधिकारी से रिपोर्ट प्राप्त करना। (ख) उस घटना के संबंध में लोक सेवक द्वारा दिए गए स्पष्टीकरण और परिस्थितियों पर विचार करना। इस मामले में उप-धारा (4) के खंड (क) का तो पालन किया गया, लेकिन खंड (ख) को पूरी तरह नजरअंदाज कर दिया गया। पुलिस अधिकारियों द्वारा दिए गए स्पष्टीकरणों पर कोई विचार नहीं किया गया। खंड (ख) वैकल्पिक नहीं, बल्कि अनिवार्य है।

राजस्थान का बजट आज

जयपुर (एजेंसी)। राजस्थान की उपमुख्यमंत्री एवं वित्त मंत्री दिया कुमारी आज बुधवार को विधानसभा में वित्त वर्ष 2026-27 का बजट प्रस्तुत करेंगी। दिया कुमारी 16वीं विधानसभा के पंचम एवं बजट सत्र में बुधवार को पूर्वाह्न ग्यारह बजे सदन में लगातार अपना तीसरा बजट भाषण देंगी। उन्होंने मंगलवार को उपमुख्यमंत्री कार्यालय में वित्त वर्ष 2026-27 के बजट को अंतिम रूप दिया।

सुनेत्रा ने संभाला महाराष्ट्र की डिप्टी सीएम का पदभार

मुंबई (एजेंसी)। सुनेत्रा पवार ने मंगलवार को मुंबई स्थित मंत्रालय में महाराष्ट्र की उपमुख्यमंत्री के रूप में आधिकारिक तौर पर पदभार ग्रहण किया। वह राज्य की पहली महिला उपमुख्यमंत्री बनी हैं। 28 जनवरी को विमान दुर्घटना में उनके पति एवं उपमुख्यमंत्री अजीत पवार के निधन के बाद 31 जनवरी को उन्हें पद की शपथ दिलाई गई थी।

अभी प्रकाशित नहीं हुई नरवणे की किताब : पेंग्विन रैंडम हाउस

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा में चल रहे जनरल मनोज नरवणे की किताब 'फोर स्टार्स ऑफ डेस्टिनी' से जुड़े विवाद के बीच पुस्तक के प्रकाशक पेंग्विन रैंडम हाउस इंडिया (पीआरएचआई) ने मंगलवार को कहा कि उसके पास इस किताब के प्रकाशन अधिकार हैं और उसने अब तक इसे किसी भी रूप में प्रकाशित नहीं किया है। प्रकाशक ने अपने आधिकारिक 'एक्स' अकाउंट पर एक पोस्ट में कहा कि जनरल नरवणे का संस्मरण डिजिटल रूप या प्रिंट रूप में न तो जनता के सामने रिलीज़ किया गया है, न बेचा गया है और न ही वितरित किया गया है।

पीआरएचआई ने चेतावनी दी कि किताब का प्रिंट या पीडीएफ स्वरूप साझा करना उसके कॉपीराइट का उल्लंघन होगा। प्रकाशक ने कहा कि वह बिना इजाज़त के इस पुस्तक का वितरण करने वालों के खिलाफ उचित कानूनी कार्रवाई करेगा। यह विवाद पिछले हफ्ते तब शुरू हुआ, जब कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने लोकसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर बहस में हिस्सा लेते हुए अपने भाषण के दौरान संस्मरण के कुछ हिस्सों का जिक्र किया, जिसे उन्होंने 'प्रिंट से पहले का' स्वरूप बताया। उनकी बातों का सत्ता पक्ष के सदस्यों ने कड़ा विरोध किया, जिससे सदन में बार-बार रुकावट आयी। इस बीच, दिल्ली पुलिस ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म और न्यूज फोरम पर 'फोर स्टार्स ऑफ डेस्टिनी' की कथित प्रिंट-पूर्व संस्करण की मौजूदगी के बारे में चल रहे दावों पर ध्यान दिया है।

टी-20 विश्व कप में 15 को भारत के खिलाफ खेलेगा पाकिस्तान

बहिष्कार का फैसला लिया वापस

लाहौर (एजेंसी)। पाकिस्तान सरकार ने 15 फरवरी को कोलंबो में भारत के खिलाफ होने वाले टी-20 विश्व कप ग्रुप मैच में उनकी टीम के बहिष्कार के फैसले को वापस ले लिया। पाकिस्तान सरकार ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर जारी एक पोस्ट में कहा कि मित्र देशों के अनुरोध को देखते हुए, उन्होंने

पाकिस्तान टीम को भारत के खिलाफ मैच खेलने की अनुमति दे दी है। पिछले कुछ दिनों में पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी), बंगलादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के बीच बैठकों का सिलसिला जारी था। आर्थिक नजरिये से यह इस विश्व कप का सबसे अधिक आर्थिक रूप से लाभकारी मैच है। इससे पहले आईसीसी ने एक बयान जारी किया, जिसमें उसने बंगलादेश के प्रति अपना रुख नरम अख्तियार करते हुए कहा कि बंगलादेश टीम पर टी-20 विश्वकप के लिए भारत की यात्रा से इनकार करने पर कोई दंड नहीं लगाया जाएगा।

मणिपुर: उखरूल में हिंसा, 5 दिन बंद रहेंगी इंटरनेट सेवाएं

इंफाल (एजेंसी)। मणिपुर के उखरूल में हिंसा भड़क गई। बताया जा रहा है कि कुछ सशस्त्र बदमाशों ने लिटन सारेइखोंग गांव में कई घरों को आग लगा दी। इस घटना के बाद प्रशासन ने पूरे जिले में कर्फ्यू लगा दिया और इंटरनेट सेवाओं को पांच दिनों के लिए निलंबित कर दिया।

अधिकारियों ने बताया कि सशस्त्र समूहों ने पहाड़ी गांव के पास हवा में कई राउंड फायरिंग की, जिससे इलाके में दहशत फैल गई। कई ग्रामीण आवश्यक सामान लेकर पड़ोसी कांगपोकपी जिले के सुरक्षित क्षेत्रों की ओर भाग गए, जबकि तांगखुल गांव के कई ग्रामीणों के भी इलाका छोड़ने की जानकारी मिली।

बिगड़ती कानून-व्यवस्था की स्थिति को देखते हुए मणिपुर सरकार के गृह आयुक्त ने सार्वजनिक सुरक्षा और शांति को खतरा होने के कारण उखरूल जिले में तत्काल प्रभाव से इंटरनेट सेवाओं को पांच दिनों के लिए निलंबित करने का आदेश जारी कर दिया।

आदेश में कहा गया कि अफवाहों को रोकने के लिए इंटरनेट सेवाएं अस्थायी रूप से बंद की जा रही हैं।

हिमाचल: वाहनों पर अवैध नंबर प्लेट और मॉडिफाई टायर लगाना पड़ेगा महंगा

शिमला (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश पुलिस ने अवैध रूप से बदली गई नंबर प्लेट और गैर-मानक टायर वाले वाहनों के खिलाफ सख्त कार्रवाई शुरू की है। मोटर वाहन अधिनियम के प्रावधानों के तहत 5,000 से 10,000 रुपये के बीच जुर्माना लगाने की घोषणा की। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि फैंसी नंबर प्लेट, गैर-मानक फॉन्ट, स्टाइलिश अक्षर, बदले गए स्टिकर या छेड़छाड़ किए गए पंजीकरण विवरण का उपयोग सख्त वर्जित है। ऐसे उल्लंघनों के खिलाफ मोटर वाहन अधिनियम 1988 की धारा 177 और केंद्रीय मोटर वाहन नियम 1989 के प्रासंगिक प्रावधानों के तहत कार्रवाई की जाती है। नंबर प्लेट उल्लंघनों के अलावा पुलिस उन वाहनों के खिलाफ भी कार्रवाई करेगी, जिनमें मानक आकार से बड़े या अत्यधिक चौड़े टायर, पहिया मेहराब से बाहर निकले टायर, गैर-स्वीकृत रिम या

- 5 से 10 हजार रुपए तक जुर्माना लगाएगी पुलिस

वैसे टायर, जो स्वीकृत विनिर्देशों के अनुरूप नहीं हैं। इन परिवर्तनों को गंभीर सुरक्षा खतरा माना जाता है। पुलिस महानिदेशक अशोक तिवारी ने कहा कि नंबर प्लेट से छेड़छाड़ कानूनी अपराध है और इससे वाहन की पहचान खतरे में पड़ती है।

हिमंत सरमा की कथित हेट स्पीच मामला: राजनीतिक लड़ाइयां अक्सर कोर्ट में लड़ी जाती हैं : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा के कथित हेट स्पीच मामले में याचिकाओं के 'उल्लेख' पर गौर करने के दौरान टिप्पणी की कि राजनीतिक लड़ाई विशेष रूप से चुनाव की अवधि के दौरान अक्सर अदालतों में लड़ी जाती है। मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति एनवी अंजारिया की पीठ ने यह टिप्पणी उस समय की जब असम के मुख्यमंत्री से जुड़े कथित हेट स्पीच और संबंधित सामग्री पर कार्रवाई की मांग करने वाली दो याचिकाओं का उल्लेख किया गया।

यह मामला एक राजनीतिक पदाधिकारी द्वारा दिए गए कथित घृणा भाषण से संबंधित है। उन्होंने एक वीडियो का हवाला दिया, जिसमें मुख्यमंत्री कथित तौर पर अल्पसंख्यकों को निशाना बनाते हुए टिप्पणी कर रहे हैं। न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने कहा, ''समस्या यह है कि जब चुनाव आते हैं, तो ऐसे मामले अक्सर यहाँ उच्चतम न्यायालय में ही लड़े जाते हैं। हम देखेंगे।'' मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) के नेता एनी राजा की ओर से दायर ये याचिकाएं मुख्यमंत्री द्वारा 27 जनवरी को दिए गए एक सार्वजनिक भाषण और भारतीय जनता पार्टी की असम इकाई के 'एक्स' हैंडल पर साझा किए गए एक वीडियो को चुनौती देती हैं।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने एकल महिला स्वरोजगार योजना का किया शुभारंभ

484 लाभार्थियों को 3.45 करोड़ रुपए जारी

देहरादून (एजेंसी)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मंगलवार को मुख्यमंत्री आवास स्थित मुख्य सेवक सदन में महिला सशक्तिकरण एवं बाल विकास विभाग के अंतर्गत मुख्यमंत्री एकल महिला स्वरोजगार योजना का शुभारंभ किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने डीबीटी (डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर) के माध्यम से प्रथम चरण में छह जनपदों की 484 एकल महिलाओं के खातों में 3 करोड़ 45 लाख 34 हजार 500 रुपये की धनराशि हस्तांतरित की।

मुख्यमंत्री ने बताया कि योजना के तहत बागेश्वर, देहरादून, नैनीताल, पौड़ी, टिहरी और ऊधमसिंहनगर जनपदों की महिलाओं को लाभान्वित किया गया है, जबकि शेष सात जनपदों की 540 महिलाओं को लगभग चार करोड़ रुपये की सहायता माह के अंत तक प्रदान की जाएगी। उन्होंने कहा कि यह योजना विधवा, परित्यक्ता, तलाकशुदा, एसिड अटैक पीड़ित, आपराधिक घटनाओं की पीड़िता और ट्रांसजेंडर महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि महिला सशक्तिकरण से ही समाज और राष्ट्र सशक्त होता है। उन्होंने केंद्र और राज्य सरकार द्वारा महिलाओं के कल्याण के लिए संचालित विभिन्न योजनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि राज्य में पांच लाख से अधिक महिलाएं स्वयं सहायता समूहों से जुड़कर आजीविका अर्जित कर रही हैं।

इस मौके पर कैबिनेट मंत्री रेखा आर्य ने कहा कि यह योजना एकल महिलाओं के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाएगी। सचिव चंद्रेश यादव ने बताया कि योजना के तहत अधिकतम दो लाख रुपये तक की परियोजनाओं पर 75 प्रतिशत तक सब्सिडी प्रदान की जाएगी। इस अवसर पर डायरेक्टर बी एल राणा, विक्रम, श्रीमती आरती, मोहित चौधरी एवं अन्य लोग मौजूद रहे।

'ऑनलाइन गेम के खिलाफ चले जनांदोलन'

नई दिल्ली (एजेंसी)। युवाओं में मोबाइल और ऑनलाइन गेमों की आदत से होने वाले दुष्परिणामों पर रोक लगाने के लिए जनांदोलन शुरू किए जाने की राज्यसभा में मंगलवार को मांग की गई। भारतीय जनता पार्टी की सुमित्रा बाल्मीक ने शून्यकाल के दौरान बच्चों और युवाओं में मोबाइल पर आनलाइन गेम की बढ़ती आदत के कारण होने वाले अवसाद की समस्या को उठाया। उन्होंने कहा कि विकसित भारत के सपने को पूरा करना है तो इस चुनौती से निपटना होगा। सदस्य ने डिजिटल गेमों के दुष्परिणामों के खिलाफ जनांदोलन शुरू करने की जरूरत पर बल दिया। उन्होंने कहा कि कालेजों और स्कूलों में हर सप्ताह एक बार इस बारे में संकल्प लिया जाना चाहिए।

कांग्रेस के मुख्य सचेतक के. सुरेश ने लोकसभा महासचिव उत्पल कुमार सिंह को सौंपा

लोकसभा अध्यक्ष के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव नोटिस पेश

- 118 विपक्षी सांसदों ने किए हस्ताक्षर
- नोटिस पर फैसले तक लोकसभा की चेयर पर नहीं बैठेंगे ओम बिरला

नई दिल्ली (एजेंसी)।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को पद से हटाने के लिए उनके खिलाफ कांग्रेस तथा अन्य विपक्षी दलों ने मंगलवार को अविश्वास प्रस्ताव का नोटिस लोकसभा सचिवालय को सौंपा है। इस बीच अविश्वास प्रस्ताव पर ओम बिरला ने फैसला किया है कि जब तक उनके खिलाफ लाए गए अविश्वास प्रस्ताव पर फैसला नहीं हो जाता है, तब तक वह लोकसभा की चेयर पर नहीं बैठेंगे।

कांग्रेस सूत्रों के अनुसार नोटिस लोकसभा में कांग्रेस के मुख्य सचेतक के. सुरेश ने लोकसभा महासचिव उत्पल कुमार सिंह को उनके कार्यालय में जाकर दिया है। नोटिस के प्रस्ताव पर कुल 118 सदस्यों के हस्ताक्षर हैं। लोकसभा में कांग्रेस के सांसदों की संख्या 99 है। विपक्ष के लोकसभा अध्यक्ष के विरुद्ध दायर इस अविश्वास प्रस्ताव के नोटिस में लगाए गए आरोपों की जांच होगी। नियमों के अनुसार जांच प्रक्रिया के बाद इस नोटिस पर आगे की कार्यवाही को लेकर सचिवालय विचार करेगा। सूत्रों के अनुसार अविश्वास प्रस्ताव का यह नोटिस बिरला को पद से हटाने के लिए अनुच्छेद 94(सी) के तहत दिया गया है। उन पर आरोप लगाया गया कि वह सदन की कार्यवाही पक्षपातपूर्ण तरीके से संचालित कर रहे हैं।

नोटिस में कहा गया कि वह सत्ता पक्ष के सदस्यों को पर्याप्त समय सदन में बोलने का देते हैं जबकि विपक्षी दलों के नेताओं को बोलने का मौका तक नहीं दिया जाता है और बार-बार और अनावश्यक रूप से उन्हें रोका तथा टोका जाता है। इसमें दो फरवरी और तीन फरवरी का विवरण दिया गया है जिसमें कहा गया है कि लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी को राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चल रही चर्चा में बोलने की अनुमति नहीं दी गई। विपक्ष के नोटिस में बिरला के उस बयान को भी दिया गया है जिसमें उन्होंने लोकसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर जवाब देने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नहीं आने का कारण बताया है। तीन पेज के इस नोटिस में पहला हस्ताक्षर कांग्रेस नेता के.सी. वेणुगोपाल का है जबकि दूसरे स्थान पर द्रमुक के टी.आर. बालू का और फिर समाजवादी पार्टी के धर्मेंद्र यादव का है।

> "यह सिलसिला आज का नहीं है, बल्कि जब से भाजपा-राजग की सरकार बनी है, तब से राहुल गांधी, कांग्रेस और उसके सहयोगी दल जॉर्ज सोरोस के इशारों पर सुप्रीम कोर्ट, चुनाव आयोग, लोकसभा अध्यक्ष और प्रधानमंत्री जैसे संवैधानिक संस्थानों पर लगातार हमले कर रहे हैं।
>
> संबित पात्रा, भाजपा प्रवक्ता

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने 100 अत्याधुनिक कंप्यूटर लैब्स और नव निर्मित इमारतों का किया उद्घाटन

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने मंगलवार को नए स्कूल भवन ब्लॉक, 100 आईसीटी प्रयोगशालाओं और जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डीईआईटी) का उद्घाटन किया। साथ ही सर्वोदय विद्यालय, मानसरोवर गार्डन और डीईआईटी दिलशाद गार्डन में नव निर्मित इमारतों का भी उद्घाटन हुआ। इस अवसर पर दिल्ली सरकार में शिक्षा मंत्री आशीष सूद, विधायक हरीश खुराना सहित अन्य विधायक और नागरिक उपस्थित रहे।

उद्घाटन के अवसर पर मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि दिल्ली में शिक्षा का स्तर देश में सबसे बेहतर हो, स्कूलों का इंफ्रास्ट्रक्चर आधुनिक हो और हर बच्चे को डिजिटल सुविधाओं का समान अवसर मिले, इसी संकल्प के साथ आज सरकारी स्कूलों के लिए 100 अत्याधुनिक कंप्यूटर लैब्स का उद्घाटन किया गया है। उन्होंने कहा कि ये भवन शिक्षा के केंद्र हैं, जहां से दिल्ली का भविष्य गढ़ा जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले एक वर्ष में दिल्ली सरकार ने शिक्षा व्यवस्था को नई दिशा दी है। निजी स्कूलों की फीस में मनमानी पर रोक, नए और आधुनिक पाठ्यक्रम और सरकारी स्कूलों में मजबूत डिजिटल शिक्षा व्यवस्था इसके स्पष्ट उदाहरण हैं। रेखा गुप्ता ने कहा कि सरकार का लक्ष्य साफ है कि सरकारी स्कूलों के छात्र भी वही आत्मविश्वास, वही अवसर और वही विजन लेकर आगे बढ़ें, जो किसी भी उत्कृष्ट संस्थान के छात्रों को मिलते हैं।

शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने कहा कि बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की ओर एक और सार्थक कदम बढ़ाया गया। लाडली फाउंडेशन एवं एआईएफ के सहयोग से हर लैब में 20 कंप्यूटर लगाए गए हैं, जिससे छात्रों को डिजिटल शिक्षा का सीधा लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि इस स्कूल के उद्घाटन का उद्देश्य दिल्ली में शिक्षा को मजबूत करना।

एमसीडी ने 91 शिक्षकों को वर्ष 2025 के निगम शिक्षक पुरस्कार से किया सम्मानित

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के महापौर राजा इकबाल सिंह ने मंगलवार को केदारनाथ साहनी ऑडिटोरियम में आयोजित कार्यक्रम में निगम विद्यालयों के 91 उत्कृष्ट शिक्षकों को वर्ष 2025 के निगम शिक्षक सम्मान से सम्मानित किया। इस अवसर पर उन्नयन पत्रिका का विमोचन भी किया गया। साथ ही दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) के विद्यालयों से पढ़े 22 पूर्व छात्रों को भी सम्मानित किया गया। इस अवसर पर उप महापौर जय भगवान यादव ने निगम से कई कार्यो के लिए अपील की। इस अवसर पर कार्यक्रम को संबोधित करते हुए दिल्ली के महापौर राजा इकबाल सिंह ने कहा कि शिक्षक सभी के जीवन को दिशा देने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि अपने शिक्षकों के सिखाए मार्ग पर चलकर ही आज दिल्ली के महापौर के रूप में आप को संबोधित कर रहा हूं। महापौर ने कहा कि शिक्षक सही मायने में राष्ट्र निर्माता है और उसके हाथों में युगों को परिवर्तित करने की क्षमता है। उन्होंने कहा कि यह मेरे लिए गर्व का क्षण है कि मुझे इस कार्यक्रम में सम्मिलित होने का अवसर मिला जिसमें शिक्षकों का सम्मान किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि निगम विद्यालयों में समाज के सबसे गरीब वर्ग के बच्चे आते हैं और इनको अच्छी शिक्षा देकर इन्हें अच्छा नागरिक बनाना सच्ची देशसेवा है और इसके लिए निगम सभी शिक्षकों का अभिवादन करता है। महापौर ने कहा कि दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व में निगम विद्यालयों को उत्कृष्ट बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं और निगम इसमें कोई भी कसर नहीं छोड़ेंगे। उन्होंने कहा कि निगम विद्यालयों से पढ़े छात्र आईएएस, आईपीएस, डॉक्टर और इंजीनियर जैसे उत्कृष्ट पदों पर आसीन हैं जोकि निगम के लिए गर्व की बात है। इस अवसर पर उप महापौर जय भगवान यादव ने कहा कि आज सम्मानित शिक्षकों को प्रशस्ति पत्र दिए जा रहे हैं और इन्हें सम्मान राशि भी जल्द ही मिलेगी। उपमहापौर ने कहा कि निगम विद्यालयों में गरीब बच्चे पढ़ने के लिए आते हैं जिनके पास आवश्यक दस्तावेज नहीं होते। उन्होंने निगम से अपील की है कि दस्तावेजों के अभाव में किसी भी छात्र को शिक्षा से वंचित न रखा जाए। उप महापौर जय भगवान यादव ने कहा कि कुछ विद्यालयों को छोड़कर अधिकतर विद्यालयों में गणतंत्र दिवस और स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर ध्वजारोहण के लिए भी कोई स्थायी व्यवस्था नहीं है। उन्होंने निगम से अपील की कि इसके लिए स्थायी व्यवस्था की जाए ताकि राष्ट्रीय ध्वज का सही तरीके से मान सम्मान हो सके। उन्होंने कहा कि निगम समावेशी शिक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। इस अवसर पर नेता सदन प्रवेश वाही, निगम की शिक्षा समिति के अध्यक्ष योगेश वर्मा, निगम की महिला एवं बाल कल्याण समिति की अध्यक्षा रेखा रानी, शिक्षा समिति के उपाध्यक्ष अमित खरखड़ी, अतिरिक्त आयुक्त एंजल भाटी, शिक्षा निदेशक निखिल तिवारी सहित शिक्षा विभाग के अधिकारी एवं शिक्षक भी उपस्थित रहे।

दिल्ली में बेटियों के लिए नई पहल, 'लखपति बिटिया योजना' 1 अप्रैल से

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली सरकार ने बेटियों से जुड़ी अपनी महत्वाकांक्षी योजना में बड़ा बदलाव करते हुए 'लाडली योजना' को 31 मार्च तक बंद करने का फैसला किया है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने प्रेस वार्ता में घोषणा की कि 1 अप्रैल से 'दिल्ली लखपति बिटिया योजना' की शुरुआत की जाएगी, जिसके तहत बेटियों को पहले से अधिक आर्थिक सहायता दी जाएगी। मुख्यमंत्री ने बताया कि वर्ष 2008 में शुरू की गई लाडली योजना के अंतर्गत अलग-अलग चरणों में कुल 36 हजार रुपये बैंक में जमा किए जाते थे, लेकिन समय के साथ एक लाख से अधिक खाते अनक्लेम्ड रह गए। भाजपा सरकार बनने के बाद 31 हजार बच्चियों की पहचान कर 90 करोड़ रुपये जारी किए गए, जबकि 41 हजार अन्य लाभार्थियों को सरकार के एक वर्ष पूरे होने पर 100 करोड़ रुपये दिए जा रहे हैं। नई योजना के तहत एक परिवार की अधिकतम दो बेटियां पात्र होंगी, वार्षिक आय सीमा 1 लाख से बढ़ाकर 1.20 लाख रुपये कर दी गई है और पहले की तुलना में 20 हजार रुपये अतिरिक्त सहायता दी जाएगी, जो स्नातक शिक्षा पूरी करने पर मिलेगी। योजना का लाभ लेने के लिए बेटी का जन्म दिल्ली में होना, पूरा टीकाकरण, मान्यता प्राप्त स्कूल से पढ़ाई और 18 वर्ष से पहले विवाह न होना अनिवार्य शर्तें होंगी। सरकार ने इस योजना के लिए 160 करोड़ रुपये का बजट तय किया है और जरूरत पड़ने पर फंड बढ़ाने का भी भरोसा दिलाया है।

खुले गड्ढे में गिरकर बुजुर्ग महिला घायल, जल बोर्ड की लापरवाही से फिर उठा सवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजधानी में बार-बार सामने आ रहे हादसों के बावजूद दिल्ली जल बोर्ड की कार्यप्रणाली में सुधार के संकेत नहीं दिख रहे हैं। ताजा मामला पूर्वी दिल्ली के वेस्ट विनोद नगर का है, जहां पानी की पाइपलाइन मरम्मत के लिए खोदे गए खुले गड्ढे में गिरकर 70 वर्षीय महिला गंभीर रूप से घायल हो गईं। हादसे के बाद इलाके में लोगों का गुस्सा फूट पड़ा है। घायल महिला बबली राजा गार्डन, उत्तम नगर की निवासी हैं। वह

इलाज के लिए वेस्ट विनोद नगर स्थित सिल्वर लाइन अस्पताल जा रही थीं। इसी दौरान सड़क पर बिना किसी सुरक्षा इंतजाम के छोड़े गए गड्ढे में उनका पैर फिसल गया और वह सिर के बल गिर पड़ीं। हादसे में उनके सिर में गंभीर चोट आई, जिसके चलते तीन टांके लगाने पड़े। घटना के तुरंत बाद आसपास मौजूद लोगों ने बबली को नजदीकी अस्पताल पहुंचाया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें छुट्टी दे दी गई। पीड़िता ने भावुक होते हुए कहा कि किस्मत अच्छी रही, वरना जान भी जा सकती थी। उनका कहना था कि सड़क पर कोई चेतावनी संकेत या घेराबंदी नहीं होने के कारण यह हादसा हुआ। स्थानीय लोगों का आरोप है कि जल बोर्ड द्वारा मरम्मत कार्य के दौरान सुरक्षा मानकों की खुलेआम अनदेखी की जा रही है। गड्ढों को न तो ढका जाता है और न ही आसपास कोई संकेतक या घेराबंदी लगाई जाती है, जिससे राहगीरों और खासकर बुजुर्गों की जान जोखिम में पड़ रही है। मामले को लेकर आम आदमी पार्टी के नेता कुलदीप भंडारी ने स्थानीय निवासियों के साथ विरोध दर्ज कराया। इस दौरान पूर्व पार्षद प्रत्याशी कुलदीप भंडारी और स्थानीय विधायक श्री रवि नेगी के बीच हुई बहस का एक दृश्य व्यापक रूप से प्रसारित हो गया। आरोप लगाया गया कि सवाल पूछे जाने पर विधायक ने कथित तौर पर अभद्र व्यवहार किया, जबकि विधायक श्री रवि नेगी ने इन आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि कुलदीप भंडारी बेवजह राजनीतिक मुद्दा बना रहे हैं। उल्लेखनीय है कि दिल्ली में हाल के महीनों में खुले गड्ढों और अधूरे मरम्मत कार्यों के कारण कई हादसे हो चुके हैं। इसके बावजूद संबंधित विभाग की ओर से ठोस कदम न उठाए जाने से जनता में रोष बढ़ता जा रहा है। लगातार हो रही ऐसी घटनाएं जल बोर्ड की कार्यशैली और जवाबदेही पर गंभीर प्रश्नचिह्न खड़े कर रही हैं।

राजधानी में जल निकासी व्यवस्था को सुधारने की तैयारी शुरू

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में मानसून के दौरान जलभराव की समस्या से निपटने के लिए लोक निर्माण विभाग ने अभी से तैयारी शुरू कर दी है। मध्य, उत्तर पश्चिमी और उत्तरी दिल्ली के अलग-अलग इलाकों में 15 से अधिक नालों के निर्माण और पुनर्निर्माण का काम जल्द शुरू होने जा रहा है। करीब 56 करोड़ रुपये की लागत से नालों को बेहतर का इन क्षेत्रों की जल निकासी व्यवस्था को सुदृढ़ किया जाएगा। अगले मानसून से पहले यह कार्य पूरा कर लिया जाएगा। पीडब्ल्यूडी के अधिकारियों ने बताया कि मध्य दिल्ली के क्षेत्रों में शहीद पार्क मार्ग पर कोडिया पुल से छत्ता रेल पुल, नेशनल क्लब और नागपाल डेयरी से लाल बत्ती तक, अजमेरी गेट से सीता रोड, आसफ अली रोड, जवाहरलाल नेहरू मार्ग पर कमला मार्केट चौराहे से आसफ अली रोड तक, जोरावर सिंह मार्ग पर मिठाई पुल से गोखले रोड और रणजीत सिंह मार्ग पर जल निकासी प्रणाली को नया रूप दिया जाएगा। इसके अलावा बुलेवार्ड रोड पर संत स्टीफंस अस्पताल से भगवान दास चौक तक दोनों ओर और कश्मीरी गेट मेट्रो स्टेशन के द्वार संख्या तीन से रिंग रोड व द्वार संख्या पांच तक भी नालों का निर्माण होगा। उत्तर-पश्चिमी दिल्ली में शालीमार बाग के हैदरपुर मुख्य मार्ग पर बस अड्डे से डीए ब्लॉक तक और सड़क संख्या 319, शालीमार बाग रेलवे अंडरपास, चौधरी मेहर चंद मार्ग, सड़क संख्या 320 तथा स्वामी शरधानंद सरस्वती मार्ग पर प्री-कास्ट सामग्री से नालों से जल निकासी सुधारी जाएगी। इसके साथ ही उत्तरी दिल्ली के औचंदी गांव में कन्या विद्यालय से औचंदी सीमा तक प्री-कास्ट एवं ढलाई वाली सामग्री से नाले का निर्माण किया जाएगा। इनसे चांदनी चौक, पहाड़गंज, करोल बाग, शालीमार बाग, कश्मीरी गेट, औचंदी और आसपास के इलाकों में वर्षा के दिनों में जलभराव की समस्या से लाखों नागरिकों को राहत मिलने की उम्मीद है। दो स्थानों पर पंप हाउस बनेंगे पीडब्ल्यूडी बरसात में जलभराव वाले दो स्थानों पर पंप हाउस बनाएगा। तिमारपुर विधानसभा क्षेत्र में अवतार सिंह मार्ग पर जलभराव होने से रोकने के लिए पंप हाउस का निर्माण किया जाएगा। इस पर करीब 1.87 करोड़ रुपये की लागत आएगी। वहीं हकीकत नगर क्षेत्र में पंप हाउस और संप वेल बनाया जाएगा, जिस पर लगभग 2.38 लाख रुपये खर्च किए जाएंगे। पीडब्ल्यूडी के एक अधिकारी ने बताया कि इन पंप हाउसों के बन जाने से बरसात में सड़कों और गलियों में भरने वाला पानी तेजी से निकाला जा सकेगा।

सहकारिता मंत्री की अध्यक्षता में क्रेडिट व थ्रिफ्ट सहकारी संस्थाओं की बैठक का आयोजन

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली सरकार के सहकारिता मंत्री रविन्द्र इन्द्राज सिंह की अध्यक्षता में मंगलवार को दिल्ली सचिवालय में राजधानी की क्रेडिट एवं थ्रिफ्ट सहकारी संस्थाओं के पदाधिकारियों और सदस्यों की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में सहकारी संस्थाओं की वर्तमान चुनौतियों, ऋण वसूली, डिफाल्टर प्रबंधन, दोहरी सदस्यता, प्रशासनिक प्रक्रियाओं तथा सहकारिता को जन-जन तक प्रभावी रूप से पहुंचाने जैसे विषयों पर विस्तृत चर्चा हुई।

बैठक में रविन्द्र इन्द्राे ज सिंह ने कहा कि सहकारिता केवल आर्थिक गतिविधि नहीं बल्कि सामाजिक विश्वास और सहभागिता का माध्यम है। समाज में सहकारिता के भाव को बनाए रखने और उसे मजबूत करने के लिए सभी संस्थाओं की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है। उन्होंने कहा कि नियमित संवाद, पारदर्शिता और सामूहिक निर्णय से ही सहकारी संस्थाएं जनता के लिए उपयोगी और विश्वसनीय बन सकती हैं।

मंत्री ने कहा कि डिफाल्टर मामलों, अनियमित ब्याज दरों और दोहरी सदस्यता जैसी समस्याओं पर सख्ती से कार्रवाई की जाएगी तथा सभी संस्थाओं के लिए समान और स्पष्ट नियम लागू किए जाएंगे। उन्होंने यह भी कहा कि सहकारिता में 'जेंटलमैन कमिटमेंट' और ईमानदारी का भाव दिखाई देना चाहिए तभी जनता का विश्वास बढ़ेगा।

बैठक में सदस्यों ने दिया कि सहकारी संस्थाओं को समाज कल्याण के कार्यों में अधिक सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए और सरकार तथा सहकारिता के बीच बेहतर समन्वय स्थापित होना चाहिए। मंत्री ने इस पर सहमति जताते हुए कहा कि सहकारिता विभाग को और अधिक सहभागी एवं उत्तरदायी बनाया जाएगा।

रविन्द्र इन्द्राज सिंह ने संस्थाओं की समस्याओं को सुनते हुए कई महत्वपूर्ण बिंदुओं पर कार्रवाई का आश्वासन दिया, जिनमें प्रमुख रूप से दोहरी सदस्यता की पहचान और डिफाल्टर सदस्यों पर सख्त कार्रवाई, दिल्ली राज्य सहकारिता अधिनियम की धारा 52 व 71 के आदेशों का प्रभावी क्रियान्वयन, लंबित ऋण वसूली मामलों में कार्रवाई तेज करना, पात्र संस्थाओं को दिल्ली राज्य सहकारी बैंक की सदस्यता समयबद्ध तरीके से देना और विभाग में वसूली प्रक्रिया को मजबूत करना।

मंत्री ने कहा कि विभाग और संस्थाओं के सलाहकार बोर्ड के बीच हर 15 दिन में नियमित बैठकें आयोजित करने की व्यवस्था की जाएगी, जिससे समस्याओं का त्वरित समाधान संभव हो सके। उन्होंने कहा कि दिल्ली में नई सहकारी पहलें, स्टोर और रोजगार आधारित मॉडल विकसित किए जा रहे हैं, जिनमें सहकारी संस्थाओं की महत्वपूर्ण भागीदारी होगी। इससे न केवल संस्थाएं सशक्त होंगी बल्कि आम नागरिकों को सस्ती और गुणवत्तापूर्ण सेवाएं भी उपलब्ध होंगी।

रविन्द्र इन्द्राज सिंह ने कहा कि दिल्ली की कई सहकारी संस्थाएं 50 वर्षों से अधिक पुरानी हैं और उनकी कार्यशैली सहकारिता की विश्वसनीयता का उदाहरण है। नई संस्थाओं को पारदर्शिता और ईमानदारी के साथ कार्य करना होगा।

इन्द्राज सिंह ने कहा कि सहकारिता का मूल भाव 'मैं' नहीं बल्कि 'हम' होना चाहिए। जब सभी सदस्य सामूहिक जिम्मेदारी और सहभागिता के साथ कार्य करेंगे तभी सहकारी संस्थाएं मजबूत होंगी और समाज को वास्तविक लाभ मिल सकेगा। उन्होंने कहा कि सहकारिता आपसी विश्वास, सहयोग और साझा प्रयास की भावना पर ही आगे बढ़ती है।

मंत्री ने कहा कि नियमों के विरुद्ध कार्य करने वाली किसी भी सहकारी सोसायटी पर नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी। सहकारिता क्षेत्र में पारदर्शिता अनिवार्य है और भ्रष्टाचार या अनियमितता किसी भी स्तर पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

अंत में मंत्री ने सभी संस्थाओं से अपील किया कि वे नियमित भागीदारी सुनिश्चित करें और सहकारिता के माध्यम से समाज के आर्थिक एवं सामाजिक विकास में सक्रिय भूमिका निभाएं। उन्होंने कहा कि सरकार और सहकारिता के संयुक्त प्रयास से ही सहकारिता आंदोलन को नई दिशा और गति मिल सकती है।

प्लास्टिक कारोबारी हत्याकांड : लारेंस बिश्नोई गैंग से जुड़े बदमाशों ने ली वारदात की जिम्मेदारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजधानी दिल्ली के बाहरी उत्तरी जिले के बवाना में सोमवार दोपहर बदमाशों द्वारा प्लास्टिक कारोबारी को सरेआम दौड़ा-दौड़ाकर गोली मारने के मामले में पुलिस ने जांच तेज कर दी है। वहीं इस हत्याकांड की जिम्मेदारी अमेरिका में बैठे कुख्यात गैंगस्टर लारेंस बिश्नोई गिरोह से जुड़े बदमाशों ने सोशल मीडिया के जरिए ली है। घटना सोमवार दोपहर करीब एक बजे की है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, 35 वर्षीय व्यापारी वैभव गांधी अपनी जान बचाने के लिए सड़क पर भाग रहे थे। तभी मोटरसाइकिल पर सवार तीन से चार हथियारबंद बदमाशों ने उसका पीछा किया और लगातार गोलियां चलानी शुरू कर दीं। कुछ दूरी पर बदमाशों ने व्यापारी को घेर लिया और उस पर कई राउंड फायरिंग कर दी। गोली लगते ही वैभव सड़क पर गिर पड़े और मौके पर ही उनकी मौत हो गई। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपित हथियार लहराते हुए फरार हो गए। वहीं हत्या के कुछ ही समय बाद सोशल मीडिया पर एक पोस्ट सामने आई। जिसमें लारेंस बिश्नोई गैंग से जुड़े गैंगस्टर रणदीप मालिक और अनिल पंडित ने वारदात की जिम्मेदारी ली। पोस्ट में दावा किया गया कि बवाना में हुई कारोबारी की हत्या उन्होंने करवाई है। पोस्ट में यह भी लिखा गया कि जहां से कॉल की गई थी, वहां वैभव प्रवेश कर रहा था, इसलिए उसे 'जिंदगी से बाहर कर दिया गया।' साथ ही चेतावनी दी गई कि जो भी उनके काम में बाधा बनेगा, उसका अंजाम भी यही होगा। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे। पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर लिया है और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। वहीं मंगलवार को घटना से जुड़ी एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही है।

दिल्ली में भाजपा सरकार की सालगिरह पर होगा बड़ा आयोजन, अमित शाह शामिल होंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में भाजपा सरकार के एक वर्ष पूरा होने पर बड़ा आयोजन किया जाएगा। 19 फरवरी को इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह कार्यक्रम में शामिल होंगे। इससे पहले सप्ताह भर भाजपा सरकार नई-नई घोषणाओं से एक वर्ष का जश्न मनाएगी। 19 फरवरी के कार्यक्रम के लिए सरकार और संगठन स्तर पर तैयारी तेज हो गई हैं। करीब 27 वर्ष बाद दिल्ली की सत्ता में वापसी करने वाली भाजपा सरकार का एक वर्ष पूरा होने पर भव्य आयोजन की तैयारी में है। दिल्ली की जनता को बड़ी सुविधाओं के क्रम में इलेक्ट्रिक बसों के साथ-साथ लखपति बेटी योजना की घोषणा कर दी गई है। आने वाले एक सप्ताह में अन्य घोषणाएं की जाएंगी। सरकार के साथ-साथ विधायक भी अपना एक वर्ष का रिपोर्ट कार्ड तैयार करने में जुटे हैं। इसे जारी कर दिल्ली की भाजपा सरकार की उपलब्धियों को गिनाया जाएगा। 19 फरवरी को इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में बड़ा कार्यक्रम किया जाएगा। इसमे केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह शामिल होंगे।

हरे-भरे इलाकों में लगाए निगरानी केंद्र : आप

नई दिल्ली (एजेंसी)। आम आदमी पार्टी ने दिल्ली सरकार की ओर से लगाए गए छह नए एक्यूआई मॉनिटरिंग स्टेशनों को लेकर आपत्ति जताई है। आप के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज का कहना है कि दिल्ली सरकार की नीयत ही नहीं है कि दिल्ली का प्रदूषण कम हो। सरकार का पूरा ध्यान एक्यूआई में फर्जीवाड़ा करने का है। इसलिए सरकार ने हरे-भरे और खुले इलाकों में छह मॉनिटरिंग स्टेशन लगा दिए हैं, ताकि प्रदूषण को बिना कम किए ही एक्यूआई का डाटा कम करके दिखाया जा सके। भारद्वाज का कहना है कि इससे पहले अप्रैल में भी सरकार ने हरे-भरे इलाकों में कुछ नए एक्यूआई मॉनिटरिंग स्टेशन लगाए थे, तब भी पार्टी ने कड़ा विरोध जताया था। अब सरकार ने फिर जानबूझकर ऐसी जगहें चुनीं हैं ताकि प्रदूषण का स्तर कम दिखे और जनता को लगे कि हवा साफ हो गई।

रेखा सरकार की पहली वर्षगांठ पर महिलाओं को चार बड़ी सौगातें, 19 फरवरी को होगा भव्य आयोजन

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में रेखा गुप्ता के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार के एक वर्ष पूरे होने पर राजधानी की महिलाओं को चार अहम योजनाओं का तोहफा मिलने जा रहा है। इस अवसर पर 19 फरवरी को इंदिरा गांधी स्टेडियम में एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा, जिसमें महिलाओं से जुड़ी चार योजनाओं की औपचारिक शुरुआत की जाएगी। कार्यक्रम में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की मौजूदगी भी प्रस्तावित है।

सरकार के अनुसार, पहली वर्षगांठ के मौके पर महिलाओं को सम्मान देने और उनके आर्थिक एवं सामाजिक सशक्तीकरण के उद्देश्य से ये योजनाएं लागू की जा रही हैं। अधिकारियों का कहना है कि इन योजनाओं से लाखों परिवारों को प्रत्यक्ष लाभ मिलेगा।

होली और दिवाली पर मुफ्त सिलेंडर योजना शुरू-19 फरवरी को सरकार होली और दिवाली पर मुफ्त रसोई गैस सिलेंडर योजना की शुरुआत करेगी। इसके तहत होली से पहले राशन कार्डधारकों के खातों में एक सिलेंडर की राशि सीधे भेजी जाएगी। लाभार्थियों को 853 रुपये, यानी एक सिलेंडर की कीमत, सीधे खाते में प्राप्त होगी। इस योजना से लगभग 17.50 लाख राशन कार्डधारक परिवारों को लाभ मिलने की उम्मीद है। इसके लिए सरकार ने 242 करोड़ रुपये का बजट प्रावधान किया है।

16 फरवरी को बी.डी. कॉलेज पटना में आयोजित होगी 22वीं प्रो. विजयश्री स्मृति व्याख्यानमाला

पटना (शिखर समाचार) दर्शन परिषद्, बिहार के तत्वावधान में 22वीं प्रो. (डॉ.) विजयश्री स्मृति व्याख्यानमाला का आयोजन 16 फरवरी 2026 सोमवार को अपराह्न ढाई बजे से बी. डी. कॉलेज, मीठापुर, पटना परिसर में किया जाएगा। परिषद के मीडिया प्रभारी डॉ. सुधांशु शेखर ने बताया कि यह व्याख्यानमाला प्रति वर्ष शिक्षाविदों और चिंतकों के बीच वैचारिक संवाद को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से आयोजित की जाती है। उन्होंने जानकारी दी कि डॉ. विजयश्री पटना विश्वविद्यालय में दर्शनशास्त्र की प्रतिष्ठित प्राध्यापिका रहीं और उन्होंने अकादमिक क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान दिया। उनकी स्मृति को समर्पित यह वार्षिक व्याख्यान श्रृंखला उनके पति एवं भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय के अंतर्गत संचालित भारतीय दार्शनिक अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली के पूर्व अध्यक्ष प्रो. (डॉ.) रमेशचन्द्र सिन्हा के मार्गदर्शन में आयोजित होती रही है। इस मंच के माध्यम से देश के

प्रो० (डॉ०) विजयश्री

विभिन्न विद्वान समसामयिक और दार्शनिक विषयों पर अपने विचार रखते हैं। इस वर्ष व्याख्यानमाला का मुख्य विषय भारत की अवधारणा निर्धारित किया गया है, जिसमें राष्ट्र, संस्कृति, परंपरा और वैचारिक आधार पर विस्तृत विमर्श किया जाएगा। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता प्रज्ञा केन्द्र के राष्ट्रीय समन्वयक रामाशीष सिंह होंगे, जो विषय के विभिन्न आयामों पर अपना व्याख्यान प्रस्तुत करेंगे। कार्यक्रम का उद्घाटन पाटलीपुत्र विश्वविद्यालय, पटना के कुलपति प्रो. उपेन्द्र प्रसाद सिंह द्वारा किया जाएगा। मुख्य अतिथि के रूप में भारतीय उच्च अध्ययन संस्थान, शिमला के अध्यक्ष प्रो. शशि प्रभा कुमार उपस्थित रहेंगे। साथ ही रामकृष्ण मिशन आश्रम, मुजफ्फरपुर के सचिव स्वामी भावात्मानंद आशीर्वचन प्रदान करेंगे। व्याख्यानमाला में विशिष्ट अतिथि के रूप में बीएनएमयू, मधेपुरा के पूर्व कुलपति प्रो. आर. पी. श्रीवास्तव तथा मगध विश्वविद्यालय, बोधगया के कुलपति प्रो. एस. पी. शाही की उपस्थिति प्रस्तावित है। कार्यक्रम की अध्यक्षता भारत विकास विकलांग न्यास के संस्थापक महासचिव पद्मश्री बिमल कुमार जैन करेंगे और वे विषय प्रवेश भी कराएंगे। आयोजन में अतिथियों के स्वागत की जिम्मेदारी बी. डी. कॉलेज, पटना की प्रधानाचार्या प्रो. रत्ना अमृत तथा दर्शनशास्त्र विभागाध्यक्ष डॉ. दिवाकर कुमार पाण्डेय निभाएंगे। आयोजकों के अनुसार व्याख्यानमाला में शिक्षकों, शोधार्थियों, विद्यार्थियों और बौद्धिक जगत से जुड़े लोगों की बड़ी संख्या में भागीदारी की अपेक्षा है। कार्यक्रम को विचार विमर्श और शैक्षणिक संवाद का महत्वपूर्ण मंच माना जा रहा है।

आप ने उठाया निगम स्कूलों के छात्रों को यूनिफार्म खर्च नहीं मिलने का मुद्दा

नई दिल्ली (एजेंसी)। आम आदमी पार्टी (आप) ने एमसीडी के स्कूलों में पढ़ने वाले लाखों बच्चों को अभी तक यूनिफार्म, स्टेशनरी और स्कूल बैग का पैसा नहीं मिलने पर सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने मांग की कि सरकार गरीब परिवार से आने वाले इन बच्चों के खाते में यूनिफार्म का पैसा जल्द भेजे और पैसा रोकने वाले अधिकारियों पर कार्रवाई की जाए।

एमसीडी में सह प्रभारी प्रवीण कुमार ने मंगलवार को आप मुख्यालय में आयोजित पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि सरकार देश को विश्व गुरु बनाने और शिक्षा के क्षेत्र में दुनिया भर में नाम रोशन करने की बातें करती है, लेकिन ये वादे धरातल पर बिल्कुल खोखले साबित हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि दिल्ली के एमसीडी स्कूलों में लगभग 2.30 लाख बच्चे पढ़ते हैं। इन बच्चों की ड्रेस, कॉपी और किताबों के लिए सरकार उनके खातों में पैसे भेजती है, लेकिन निगम के शासन में अभी तक इन बच्चों के खातों में यह राशि क्रेडिट नहीं हुई है।

प्रवीण कुमार ने आंकड़ों का विवरण देते हुए बताया कि एमसीडी स्कूल के प्रत्येक बच्चे को हर साल 1670 रुपये दिए जाते हैं। इनमें से 1250 रुपये यूनिफॉर्म, 300 रुपये स्टेशनरी और 120 रुपये बैग के लिए दिए जाते हैं। फरवरी में परीक्षा के बाद सत्र खत्म हो जाएगा, लेकिन बच्चों का यूनिफार्म के लिए मिलने वाली 1670 रुपये की राशि का इंतजार खत्म नहीं हो रहा है। मार्च में परीक्षाएं हो जाएंगी और अप्रैल से नया सत्र शुरू हो जाएगा। पूरा शैक्षणिक सत्र समाप्त होने को है, लेकिन अभी तक बच्चों के खातों में पैसे नहीं आए है। एमसीडी को कुल 109 करोड़ रुपये बच्चों के खाते में भेजने थे, लेकिन अभी 58 लाख रुपये ही बच्चों के खाते में पहुंचे हैं।

प्रवीण कुमार ने कहा कि एमसीडी के प्राथमिक स्कूलों में अत्यंत गरीब परिवारों के बच्चे पढ़ने जाते हैं, जिनके माता-पिता रेहड़ी लगाते हैं या मजदूरी करते हैं। उनके लिए यह 1650 रुपये की यह राशि भी बहुत मायने रखती है। उन्होंने आम आदमी पार्टी की तरफ से मांग की कि बच्चों के खातों में तुरंत पैसा भेजा जाना चाहिए।

प्रवीण कुमार ने बताया कि दिल्ली सरकार ने डीबीटी के माध्यम से 109 करोड़ रुपये भेजे जाने थे, लेकिन आंकड़ों के अनुसार 58 करोड़ रुपये ही गए है और एमसीडी ने पैसा अपने पास ही रखा हुआ है। उन्होंने पूछा कि क्या सरकार जिस विश्व गुरु का सपना दिखाती है, उसमें स्कूल और दिल्ली के एमसीडी स्कूल शामिल नहीं हैं? उन्होंने कहा कि एमसीडी स्कूलों की हालत अत्यंत जर्जर है। किसी भी स्कूल में चले जाइए, वहां शौचालय और दीवारों की स्थिति खराब है। आज भी कई स्कूलों में बच्चे टाट-पट्टी पर बैठकर पढ़ने को मजबूर हैं। एमसीडी स्कूलों की यह हालत कब तक ठीक होगी?

प्रीति डोगरा ने कहा कि एमसीडी के स्कूलों में गरीब या मध्यम वर्गीय परिवारों के बच्चे आते हैं, जिनके लिए 1670 रुपये की राशि बहुत बड़ी होती है। कई परिवार वर्ष 2025-26 में अपने बच्चों की बुनियादी जरूरतों को पूरा करने में असमर्थ रहे।

प्रीति डोगरा ने मांग की कि तुरंत बच्चों के बैंक खातों में 1670 रुपये की राशि जारी की जाए। साथ ही, उन अधिकारियों और प्रतिनिधियों पर

कार्रवाई की जाए जिनकी वजह से बच्चों को यह राशि अब तक नहीं मिल पाई है। दोबारा ऐसी परेशानी न हो, इसके लिए एक समिति और टाइमलाइन तय की जाए ताकि हर वर्ष सत्र शुरू होने से पहले बच्चों को 1670 रुपये की राशि मिल सके। इससे वे अपनी पढ़ाई पर पूरा ध्यान दे सकेंगे और माता-पिता बच्चों की बुनियादी जरूरतों को पूरा कर सकेंगे।

नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक की अध्यक्षता में हुआ संभव के तहत जनसुनवाई का आयोजन

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। नगर निगम मुख्यालय पर प्रत्येक मंगलवार को संभव के तहत जनसुनवाई का आयोजन किया जाता है। नगर निगम मुख्यालय पर हुई जनसुनवाई नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक की अध्यक्षता में हुई। जनसुनवाई की में 11 समस्याएं नगर आयुक्त के समक्ष प्रस्तुत की गई। जनसुनवाई में निर्माण विभाग से तीन, स्वास्थ्य विभाग से एक, उद्यान विभाग से एक, टैक्स संबंधित दो, जलकल संबंधित दो तथा अन्य विभाग से संबंधित दो समस्याएं प्राप्त हुई।अधिकांश समस्याएं निर्माण विभाग से प्राप्त हुई। मुख्य अभियंता निर्माण नरेंद्र कुमार चौधरी तथा अन्य निर्माण की टीम को मौके पर तत्काल कार्यवाही प्रारंभ करने के निर्देश नगर आयुक्त ने दिए। रईसपुर, विवेकानंद नगर, डसना गेट, प्रताप विहार, गोविंदपुरम, मेहरौली, अभय खंड इंदिरापुरम क्षेत्र के निवासियों ने नगर निगम पहुंचकर क्षेत्र की समस्याओं को अधिकारियों के समक्ष रखा। साथ ही समस्याओं का बेहतर निस्तारण करने के सुझाव भी अधिकारियों को दिए। नगर आयुक्त के आदेश पर संभव में प्राप्त समस्याओं पर तत्काल कार्यवाही कराई गई। संभव

जनसुनवाई में अपर नगर आयुक्त अवनींद्र कुमार, महाप्रबंधक जल कामाख्या प्रसाद आनंद, नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉक्टर मिथिलेश, प्रभारी संपत्ति पल्लवी सिंह, प्रभारी उद्यान डॉक्टर अनुज, मुख्य अभियंता एसपी मिश्रा भी उपस्थित रहे। संभव के अंतर्गत दिव्यांगजन ने भी नगर आयुक्त से मुलाकात की। दिव्यांगजन ने शहर में लगाए हुए कियोस्क को स्थाई करने के लिए अपना सुझाव रखा गया। नगर आयुक्त ने सभी दिव्यांगजनों से चाय पर चर्चा करते हुए निगम की योजनाओं को साझा किया। दिव्यांग जनों हेतु लगाए हुए खोके या कियोस्क को प्राथमिकता देते हुए कार्य योजना बनाई जाएगी।

नगर आयुक्त ने पार्कों का किया निरीक्षण, व्यवस्थाओं को पुख्ता करने के अधिकारियों को दिए आदेश

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक ने मंगलवार को कवि नगर तथा सिटि जोन के पार्कों का औचक निरीक्षण किया। पार्कों में जन सुविधा हेतु निगम द्वारा की जा रही व्यवस्थाओं का जायजा लिया। पार्कों में बेंच, लाइट, पेड़ पौधों में पानी देने हेतु समरसेबल, माली, पेड़ पौधों को आवश्यक रूप से कटिंग, ओपन जिम, शौचालय, पार्कों के एंट्री गेट, पार्कों में लगे हुए पेड़ पौधों तथा घास की व्यवस्था को पुख्ता रखने के आदेश दिए। नगर आयुक्त ने कविनगर जोन डी ब्लॉक के कला धाम पार्क, वृद्धा पार्क, संत कबीर पार्क का निरीक्षण किया। मौके पर लगे हुए ओपन जिम को भी देखा गया। निरीक्षण के दौरान वरिष्ठ प्रभारी उद्यान एनके चौधरी, प्रभारी उद्यान डॉक्टर अनुज भी उपस्थित रहे। पार्कों में जन सुविधा हेतु की जा रही व्यवस्थाओं को व्यवस्थित करने के साथ-साथ ग्रीनरी पर विशेष ध्यान देने और खराब हो रही घास को समय से पुनः लगाने के लिए नगर आयुक्त ने निरीक्षण के समय अधिकारियों को

निर्देश दिए। पार्कों में बने हुए कमरों को भी व्यवस्थित करने के निर्देश अधिकारियों को दिए। नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक ने बताया कि गाजियाबाद नगर निगम द्वारा ओपन जिम की व्यवस्था सभी वार्डो में कराई गई है, जिसका लाभ शहर वासी उठा रहे है। पार्कों में आने वाले बुजुर्ग युवा सभी के लिए व्यवस्था की गई है। पार्कों में व्यवस्था बनाए रखने के लिए नगर निगम का उद्यान विभाग सुपरवाइजर की मॉनिटरिंग भी प्रबल करेगा। गाजियाबाद नगर निगम आने वाले समय में पार्कों को अधिक सुविधाजनक तथा ग्रीनरी से भरपूर करने हेतु योजना बना रहा है' उन्होंने शहर वासियों से अपील कि वह अपने घरों के आसपास बने पार्कों को स्वच्छ रखें और गंदगी नहीं होने दे।

गुलधर में गरजा जीडीए का बुलडोजर: कई बीघा में काटी जा रही अवैध कॉलोनियों को किया जमींदोज

आरव शर्मा
गाजियाबाद (शिखर समाचार)
गाजियाबाद विकास प्राधिकरण (जीडीए) ने अवैध निर्माण और अवैध कॉलोनाइजिंग के खिलाफ अपनी कार्रवाई तेज कर दी है। मंगलवार को प्राधिकरण की प्रवर्तन टीम ने जोन-03 के अंतर्गत गुलधर रेलवे स्टेशन के पास मैनापुर क्षेत्र में बड़ी कार्रवाई करते हुए कई एकड़ जमीन पर विकसित की जा रही अवैध कॉलोनी को ध्वस्त कर दिया। इस दौरान भू-माफियाओं और स्थानीय लोगों ने टीम का जोरदार विरोध किया, लेकिन पुलिस बल के आगे उनकी एक न चली।

भारी विरोध के बीच चला ध्वस्तीकरण अभियान

उपाध्यक्ष के कड़े निर्देशों के अनुपालन में प्रभारी प्रवर्तन जोन-03 के नेतृत्व में टीम मैनापुर पहुंची थी। यहाँ खसरा संख्या-277, 276, 279, 282, 283 और 286 पर अनिल कुमार, नवीन कुमार, ओंकारनाथ, लोकेश त्यागी और एस. चौहान द्वारा बिना

मानचित्र स्वीकृति के अनाधिकृत रूप से कॉलोनी विकसित की जा रही थी। टीम ने मौके पर बने प्लॉटों की बाउंड्रीवाल, सड़कों और नालियों को बुलडोजर की मदद से पूरी तरह ध्वस्त कर दिया।

पुलिस बल ने संभाला मोर्चा

जैसे ही ध्वस्तीकरण की कार्रवाई शुरू हुई, वहां मौजूद विकासकताओं और उनके समर्थकों ने काम रोकने का प्रयास किया और हंगामा खड़ा कर दिया। स्थिति तनावपूर्ण होते देख प्राधिकरण की पुलिस और स्थानीय पुलिस बल ने मोर्चा संभाला और प्रदर्शनकारियों को खदेड़कर कार्रवाई जारी रखी।

प्राधिकरण की अपील: अधिकारियों ने आम जनता को सचेत किया है कि वे भू-माफियाओं के झांसे में न आएं। किसी भी अवैध कॉलोनी में भूखंड खरीदने से पहले उसकी वैधता की जांच अवश्य कर लें, अन्यथा उनके खिलाफ भी कानूनी कार्रवाई हो सकती है।

मौके पर मौजूद रहा प्रशासनिक अमला

अभियान के दौरान सहायक अभियंता, अवर अभियंता सहित समस्त सुपरवाइजर, मेट और भारी संख्या में पुलिस बल मौजूद रहा। प्राधिकरण ने स्पष्ट कर दिया है कि शहर के किसी भी हिस्से में अवैध निर्माण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और आने वाले दिनों में अन्य जोन में भी इसी प्रकार की बड़ी कार्रवाई की जाएगी।

दिनदहाड़े लूट की कहानी निकली घर के भीतर की साजिश, गहने हड़पने के आरोप में बहू, उसकी मां और भाई गिरफ्तार

बिजनौर (शिखर समाचार) हीमपुर दीपा थाना क्षेत्र के गांव मंडोरा जट में सात फरवरी को सामने आई दिनदहाड़े लूट की घटना का पुलिस ने खुलासा करते हुए इसे सुनियोजित घरेलू षड्यंत्र बताया है। प्रारंभ में बदमाशों द्वारा लूट की बात कही गई थी, लेकिन विस्तृत जांच के बाद मामला घर के भीतर रची गई योजना का निकला। पुलिस ने इस मामले में घर की बहू शिवानी, उसके भाई पंकज और मां संजू देवी को पकड़कर उनके कब्जे से चोरी किए गए सोने चांदी के आभूषण बरामद करने का दावा किया है।

गांव निवासी योगेंद्र सिंह ने थाने में दी गई शिकायत में बताया था कि दोपहर के समय अज्ञात लोग घर में घुस आए, पुत्रवधू शिवानी को चोट पहुंचाई और घर में रखे लगभग तेरह से चौदह लाख रुपये कीमत के गहने लेकर चले गए। दिन के समय हुई इस कथित लूट से पूरे क्षेत्र में सनसनी फैल गई थी। सूचना मिलते ही पुलिस दल मौके पर पहुंचा और घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण कर साक्ष्य जुटाने शुरू किए। पुलिस अधीक्षक अभिषेक झा ने बताया कि घटनास्थल की स्थिति, ताले की टूट फूट और घायल होने के तरीके को देखकर जांच दल को शुरू से ही मामला संदिग्ध लगा। इसके बाद परिवार के लोगों से अलग अलग पूछताछ की गई और घटनाक्रम को जोड़कर देखा गया। पूछताछ और तकनीकी जांच में सामने आया कि लूट की कहानी मनगढ़ंत थी और गहने घर के भीतर से ही निकाले गए थे। जांच में यह तथ्य सामने आया कि शिवानी ने अपनी जेठानी आरती की अलमारी का ताला तोड़कर उसमें रखे आभूषण निकाल लिए। चोरी छिपाने के उद्देश्य से उसने खुद को हल्की चोट पहुंचाई और बाहरी लोगों द्वारा लूट की झूठी बात कही, ताकि शक किसी और दिशा में चला जाए। बाद में उसने गहने अपने मायके भिजवाने की योजना बनाई और इस काम में उसके भाई और मां ने सहयोग किया।

पुलिस दल ने तत्परता दिखाते हुए संभावित ठिकानों पर दबिश दी, जहां से चोरी किए गए अधिकांश गहने बरामद कर लिए गए। तीनों आरोपितों को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई, जिसमें साजिश की पूरी रूपरेखा सामने आई। पुलिस के अनुसार लालच में आकर यह पूरा षड्यंत्र रचा गया था। थाना पुलिस ने तीनों के विरुद्ध धोखाधड़ी, चोरी और झूठी सूचना देकर गुमराह करने से संबंधित धाराओं में प्रकरण दर्ज कर आगे की कार्यवाही शुरू कर दी है। अधिकारियों का कहना है कि मामले में अन्य तथ्यों की भी जांच की जा रही है और जो भी तथ्य सामने आएंगे, उन्हें विवेचना में शामिल किया जाएगा। इस खुलासे के बाद क्षेत्र में चर्चा का माहौल है कि जिस घटना को बाहरी लूट समझा जा रहा था, वह दरअसल परिवार के भीतर की योजना निकली।

इलेक्ट्रोनिक चिप से सरिया चोरी करने वाले 1 अभियुक्त को पुलिस ने किया गिरफ्तार

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। स्वाट टीम अपराध शाखा और थाना वेवसिटी पुलिस ने संयुक्त कार्यवाही करते हुए सरिया चोरी करने वाले एक अभियुक्त बाबर को गिरफ्तार किया। पुलिस ने बाबर की निशानदेही पर सरिया को ढोने में उपयोग में लाये जा रहे फर्जी नम्बर प्लेट लगे 3 ट्रक, कम्प्यूट्रीकृत धर्मकांटे में वजन की हेरा-फेरी करने में उपयोग मे लायी जाने वाली 5 इलेक्ट्रोनिक चिप, 5 रिमोट, एक औरा कार, कम्प्यूट्रीकृत धर्मकांटे में इलेक्ट्रोनिक चिप लगाकर रिमोट की मदद से वजन की हेरा फेरी कर चोरी किया हुआ सरिया 7800 किलोग्राम और चोरी की हुयी सरिया के फर्जी 3 बिल बरामद किए। एसीपी वेव सिटी प्रियाश्री पाल ने बताया कि बीती 8 फरवरी 2026 को थाना वेव सिटी पर सरिया चोरी करने के संबंध में मुकदमा दर्ज किया गया था। पुलिस ने मुकदमा दर्ज करके सरवन को गिरफ्तार किया था। सरवन ने पूछताछ में बाबर के साथ मिलकर सरिया चोरी करने की बात कबूल की थी, इसके बाद पुलिस बाबर की तलाश में जुट गई थी। पुलिस ने बाबर को गिरफ्तार कर लिया है और उसके पास से सरिया चोरी करने के उपकरण व चोरी का सरिया भी बरामद किया गया है। पुलिस पूछताछ में बाबर ने बताया कि वह कम्प्यूट्रीकृत धर्मकांटे में इलेक्ट्रोनिक चिप लगाकर रिमोट की मदद से सरिया चोरी करता था। सरिया चोरी करने के बाद पूरे फर्जी नंबर प्लेट लगे ट्रैकों में डालकर बेच दिया करता था। चोरी से बचने के लिए फर्जी का इस्तेमाल किया करते थे।

सगाई समारोह में जाते समय पूर्व मंत्री मदन चौहान पर जानलेवा फायरिंग, बाल बाल बची जान, संदिग्ध कार मालिक गिरफ्तार

गढ़मुक्तेश्वर (शिखर समाचार) क्षेत्र में उस समय हड़कंप मच गया जब सगाई समारोह में शामिल होने जा रहे पूर्व मंत्री मदन चौहान पर रास्ते में घात लगाकर खड़े बदमाशों ने गोली चला दी। हमले में संयोगवश गोली निशाने से चूक गई, जिससे बड़ा हादसा टल गया। घटना के बाद सुरक्षा कर्मियों की तत्परता से हमलावर मौके से फरार हो गए। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए हमले में प्रयुक्त कार के मालिक को पकड़ लिया है, जबकि मुख्य आरोपी अभी फरार बताया जा रहा है।

जानकारी के अनुसार सोमवार शाम मदन चौहान गढ़ कोतवाली क्षेत्र के गांव दिलावरा में आयोजित एक सगाई कार्यक्रम में शामिल होने के लिए जा रहे थे। वह अपनी गाड़ी से मेरठ गढ़ मार्ग पर आगे बढ़ रहे थे। इसी दौरान सड़क किनारे खड़ी एक कार में सवार तीन संदिग्ध युवक अचानक उनकी गाड़ी के नजदीक आ पहुंचे। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक आरोपियों में से एक ने अवैध तमंचा निकालकर वाहन के शीशे के पास से गोली चला दी। गोली लक्ष्य पर नहीं लगी और वाहन में सवार सभी लोग सुरक्षित बच गए।

उस समय गाड़ी में मदन चौहान के साथ उनका निजी सहायक रणधीर सिंह, सुरक्षा कर्मी और चालक मौजूद थे। फायरिंग होते ही सुरक्षा कर्मी ने तुरंत मोर्चा संभाला और ललकार लगाई, जिसके बाद हमलावर घबराकर अपनी कार में बैठकर तेज गति से फरार हो गए।

सूचना मिलते ही पुलिस महकमे में हलचल मच गई। अपर पुलिस अधीक्षक विनीत भटनागर,

क्षेत्राधिकारी स्तुति सिंह तथा कोतवाली प्रभारी देवेंद्र सिंह भारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने घटनास्थल का निरीक्षण कर साक्ष्य जुटाए और आसपास के मार्गों पर घेराबंदी कर तलाशी अभियान शुरू कराया।

जांच के दौरान पुलिस को हमलावरों द्वारा इस्तेमाल की गई कार के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी मिली। इसके आधार पर पुलिस टीम ने कार के पंजीकृत मालिक रामकिशोर को हिरासत में लेकर पूछताछ की। पूछताछ में उसने बताया कि घटना के समय कार उसका भांजा चला रहा था। पुलिस ने बयान के आधार पर मुख्य संदिग्ध की तलाश तेज कर दी है और संभावित ठिकानों पर दबिश दी जा रही है।

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि घटना को गंभीरता से लिया गया है और सभी पहलुओं पर जांच की जा रही है। मार्ग के आसपास लगे निगरानी कैमरों की रिकॉर्डिंग खंगाली जा रही है ताकि हमलावरों की स्पष्ट पहचान हो सके। प्रारंभिक जांच में पुरानी रंजिश सहित अन्य कारणों को भी ध्यान में रखा जा रहा है।

घटना के बाद पूर्व मंत्री की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। उनके आवागमन मार्गों पर अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है। वहीं क्षेत्र में दहशत का माहौल बना हुआ है। स्थानीय लोगों ने दिनदहाड़े हुई इस फायरिंग की घटना पर चिंता जताते हुए आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी की मांग की है।

पुलिस का कहना है कि फरार आरोपियों को जल्द पकड़ लिया जाएगा और पूरे घटनाक्रम का खुलासा किया जाएगा। मामले में संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर आगे की विधिक कार्रवाई जारी है।

अतिरिक्त पुलिस आयुक्त कानून-व्यवस्था एवं यातायात का कार्यभार संभालेंगे राज करन नैय्यर

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। अतिरिक्त पुलिस आयुक्त कानून-व्यवस्था एवं यातायात के पद से आलोक प्रियदर्शी का स्थानांतरण होने के बाद अब उनकी जगह राज करन नैय्यर इस पद का कार्यभार संभालेंगे। मंगलवार को वह गाजियाबाद पहुंचे जहां गाजियाबाद के पुलिस आयुक्त जे. रविंदर गौड़ और एडिशनल पुलिस कमिश्नर केशव कुमार चौधरी ने उनका स्वागत किया। राज करन नैय्यर शहर की सुरक्षा व्यवस्था और यातायात प्रबंधन को मजबूत करेंगे। नई नियुक्ति के बाद उन्होंने अधिकारियों के साथ बैठक कर शहर की प्रमुख समस्याओं और व्यवस्थाओं की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि कानून-व्यवस्था बनाए रखना और यातायात व्यवस्था को सुचारु रखना उनकी प्राथमिकता होगी। आमजन को बेहतर सुविधा और सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराने के लिए समन्वय व सख्त निगरानी के साथ कार्य किया जाएगा। ट्रैफिक से जुड़े कार्य को तेजी से किया जाएगा, जिससे जनता को जागरुक करते हुए सड़क हादसों में कमी लाई जा सके।

दूसरी शादी रुकवाने पहुंचा पहला पति, विवाह स्थल पर बवाल, दुल्हन नए वर के साथ वाहन में बैठकर चली गई

शामली (शिखर समाचार) अब तक अक्सर ऐसे किस्से सुनने को मिलते रहे हैं कि पति की दूसरी शादी रुकवाने के लिए पत्नी मंडप तक जा पहुंची। लेकिन शामली में सामने आया मामला इससे बिल्कुल उलट निकला। यहां पहली शादी का पति ही दूसरी शादी रुकवाने के इरादे से पहुंचा, मगर तमाम हंगामे के बीच दुल्हन नए वर के साथ वाहन में बैठकर वहां से निकल गई और पीछे रह गया विवाद, चोट और पुलिस की जांच। शामली नगर के बलभद्र मंदिर वाली गली में आयोजित एक विवाह समारोह उस समय अचानक तनावपूर्ण हो गया, जब मेरठ निवासी अजय पुनिया अपने परिवार के साथ मौके पर पहुंच गया। उस समय दुल्हन की विदाई की रस्म चल रही थी। पहले पति को देखकर समारोह में मौजूद लोगों में खलबली मच गई और देखते ही देखते दोनों पक्ष आमने सामने आ गए।

पहले पति का कहना है कि उसका विवाह करीब छह वर्ष पूर्व मुजफ्फरनगर जनपद के फुगाना गांव की युवती से हुआ था और उनकी एक बेटी भी है। वैवाहिक विवाद के चलते पत्नी पिछले काफी समय से मायके में रह रही है। मामला न्यायालय में विचाराधीन है और अभी तक वैधानिक रूप से तलाक नहीं हुआ है। इसके बावजूद उसे सूचना मिली कि उसकी पत्नी दूसरी शादी कर रही है। सूचना मिलते ही वह अपने माता पिता और अन्य परिजनों को लेकर विवाह स्थल पर पहुंचा और शादी रुकवाने का प्रयास किया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार पहले तो बहस हुई, फिर बात धक्का मुक्की और मारपीट तक पहुंच गई। इसी दौरान पहले पति के पिता को गंभीर चोट लगी और वे लहूलुहान हो गए। मौके पर मौजूद लोगों ने किसी तरह बीच बचाव कराया। हंगामे के बीच पहला पति और उसके परिजन दुल्हन को रोकने की कोशिश करते रहे, लेकिन स्थिति का फायदा उठाकर दुल्हन अपने नए वर के साथ चार पहिया वाहन में बैठकर वहां से रवाना हो गई। पूरा घटनाक्रम वहां मौजूद लोगों ने अपने फोन में कैद कर लिया, जो अब सामाजिक मंचों पर तेजी से वायरल हो रहा है। घटना के बाद पहला पति अपने घायल पिता के साथ कोतवाली पहुंचा और पुलिस को लिखित प्रार्थना पत्र देकर कार्रवाई की मांग की। उसका आरोप है कि बिना तलाक दूसरी शादी करना कानून के विरुद्ध है और जब उसने इसे रोकना चाहा तो उसके परिवार पर हमला किया गया। पुलिस का कहना है कि दोनों पक्षों से जानकारी जुटाई जा रही है। विवाह की कानूनी स्थिति, न्यायालय में चल रहे वाद और मारपीट की घटना सभी पहलुओं की जांच की जा रही है। जांच पूरी होने के बाद आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

जहांगीरपुर के पास से गांजा तस्करी का आरोपी गिरफ्तार, डेढ़ किलो के करीब मादक पदार्थ बरामद

जेवर (शिखर समाचार) थाना जेवर पुलिस ने गश्त के दौरान कार्रवाई करते हुए गांजा तस्करी के एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसके कब्जे से करीब डेढ़ किलो अवैध गांजा बरामद किया है। आरोपी के खिलाफ संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी गई है। पुलिस के अनुसार मंगलवार को क्षेत्र में नियमित गश्त के दौरान सूचना मिली कि कस्बा जहांगीरपुर के पास एक व्यक्ति मादक पदार्थ के साथ खड़ा है और उसकी गतिविधियां संदिग्ध हैं। सूचना को गंभीरता से लेते हुए पुलिस टीम तुरंत बताए गए स्थान पर पहुंची और घेराबंदी की। पुलिस को देखते ही संदिग्ध व्यक्ति वहां से भागने लगा, लेकिन सतर्कता दिखाते हुए पुलिसकर्मियों ने पीछा कर उसे पकड़ लिया। तलाशी लेने पर आरोपी के पास से 1 किलो 197 ग्राम अवैध गांजा बरामद हुआ। पूछताछ में उसने अपना नाम सोनू बताया, जो इब्राहिमपुर गांव, जिला बुलंदशहर का निवासी है। कोतवाली प्रभारी संजय सिंह ने बताया कि बरामद मादक पदार्थ को कब्जे में लेकर विधिक प्रक्रिया पूरी की जा रही है। आरोपी के आपराधिक इतिहास की भी जांच की जा रही है और यह पता लगाया जा रहा है कि वह गांजा कहां से लाया और किसे सप्लाई करने की तैयारी में था। पुलिस मामले की गहराई से जांच कर रही है।

अविमुक्तेश्वरानंद बोले-योगी मुख्यमंत्री या महंत में से एक पद छोड़ें

सीएम खलीफा जैसे, भगवा पहनने वाला मीट का व्यापार नहीं कर सकता

प्रयागराज(एजेंसी)। माघ मेला छोड़ने के बाद शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद इन दिनों काशी में हैं। यहां सोमवार को शंकराचार्य एक बार फिर खुलकर बोले। उन्होंने कहा- योगी खलीफा जैसे हैं। वह सीएम की कुर्सी छोड़ दें या फिर महंत का पद। योगी को असली हिंदू साबित करने के लिए मैंने 40 दिन दिए थे। 10 दिन बीत गए, अब उनके पास 30 दिन बचे हैं। इसमें हम क्या कहें? यह तो आप जो चाहो, आरोप लगा दो। हमको जो करना है, वह कर रहे। हम अपने धर्म के अनुसार काम कर रहे हैं। हम पार्टी के अनुसार नहीं चलते। हम किसी पार्टी के सदस्य नहीं। किसी पार्टी के विरोधी भी नहीं हैं। इसलिए हम क्यों पार्टी के अनुसार काम करेंगे? हमने मुख्यमंत्री को नकली हिंदू नहीं बताया, सवाल उठाया है। उनके असली हिंदू होने पर प्रश्नचिह्न है, वही हमने दर्शाया

है। अभी हमने निर्णय नहीं किया है। अभी हमने केवल पिछले 10 दिनों की समीक्षा की है। उसके आधार पर यह पाया कि अभी असली हिंदू सिद्ध होने में वो सतर्क दिखाई नहीं दे रहे। हां, हमारे यहां शास्त्र में नियम है कि जो वैरागी, संन्यासी, साधु, यति हो जाता है, वो सैलरी-पेड नहीं हो सकता। उनके पंथ का जो सिद्ध सिद्धांत पद्धति नाम का ग्रंथ है, जो गुरु गोरखनाथ जी ने लिखा है, उसमें जो भृतक कर्म है। उसको निंदित कहा गया है और कहा है कि ये विष (जहर) है। इसको योगी को स्वीकार नहीं करना चाहिए। तो क्या उनको सनातन धर्म के मानकों पर नहीं चलना चाहिए? क्या उनसे सनातन धर्म के आचार्य जवाब नहीं मांग सकते? हमने मांगा है। अपराध कर दिया हो, तो आप मुकदमा दायर करिए।हमारी कोई रणनीति नहीं। हम तो अपने विषय को जनता के बीच में ले जाना चाहते हैं। आज हमने उसके लिए दो विषय रखे हैं।रुआ विरुद्ध गुलाबी। यानी गेरुआ कपड़ा पहनकर क्या कोई गुलाबी मांस का व्यापारी हो सकता है? पक्ष-विपक्ष दोनों को हमने आमंत्रित किया है। आइए पक्ष में हैं तो पक्ष में, विपक्ष में हैं तो विपक्ष में अपनी बात कहिए।देखिए समर्थन की बात, राजनीति की बात है। बिल्कुल एक बार बहुत ठंडे दिमाग से समझ लीजिए आप लोग। जिंदगी भर के लिए समझ लीजिए। यह जो समर्थन, समर्थन वापसी, यह राजनीतिक मामला है। हमारे यहां समर्थन का कोई मतलब नहीं। 50 लाख लोग एक तरफ खड़े हो जाओ, 100 करोड़ लोग एक तरफ खड़े हो जाओ। तुम्हारी बात शास्त्रानुकूल होगी तो ही ग्राह्य होगी। एक व्यक्ति खड़ा होकर अकेला शास्त्र सम्मत बात कहेगा और 100 करोड़ लोग खड़े होकर उससे विरुद्ध कहेंगे। तो भी 100 करोड़ की बात नहीं मानी जाएगी।जो व्यक्ति मुसलमानों में राजा होता और धर्मगुरु भी होता है, उसका नाम खलीफा होता है। ये खलीफा पद्धति मुसलमानों में है। हमारे हिंदुओं में ये पद्धति नहीं है। हमारे यहां राजा अलग होता है, गुरु अलग होता है। तो हिंदुओं में ये क्यों किया जा रहा कि जो राजा होगा वही गुरु भी होगा? इसका मतलब है, हिंदुओं का मुसलमानी शैली को प्रवेश कराया जा रहा है। यह अस्वीकार्य है। हम कुछ नहीं कह रहे, हम आपको बता रहे हैं कि देखिए वो एक मठ के महंत हैं, गद्दीनशीन हैं और मुख्यमंत्री हैं। महंती कहती है, संतत्व कहता है, गेरुआ कपड़ा कहता है कि एक भी प्राणी का वध मत करो। ठीक है? और मुख्यमंत्री का पद कहता है कि करोड़ों मार कर बेच लो, रेवेन्यू बढ़ना चाहिए, अपना राजस्व बढ़ना चाहिए। दोनों एक साथ तो नहीं हो सकता न? या तो महंती गद्दी की अवहेलना उनको करनी पड़ेगी या मुख्यमंत्री पद की। ऐसे में दो लोग होंगे, तो निभ जाएगा। अब वो दोनों एक होकर के जो निभाना चाहते हैं, उसी के लिए तो उनके ऊपर सवाल उठ रहे। इसलिए उनको एक कर-वट बैठना पड़ेगा, दोनों नहीं चलेगा। यही हमारा कहना है। या तो महंत गद्दी छोड़ें, केवल मुख्यमंत्री रहें। सादा कपड़ा पहनें या तो फिर वो महंत रहें, मुख्यमंत्री की गद्दी छोड़ें। दोनों गद्दियां एक साथ नहीं चल सकतीं। यह हिंदू धर्म की परंपरा नहीं है।प्रदेश सरकार ने मुझसे 24 घंटे में शंकराचार्य होने का प्रमाण मांगा था। इसे मैंने समयसीमा के भीतर पेश कर दिया था। इसके बाद मैंने सरकार को अपने असली हिंदू होने का प्रमाण देने के लिए 40 दिन का समय दिया था। लेकिन बीते 10 दिन बीत जाने के बाद भी सरकार की ओर से कोई प्रमाण सामने नहीं आया। योगी नकली हिंदू हैं।

संक्षिप्त डायरी

सेक्स रैकेट में नहीं गई तो गर्लफ्रेंड की हत्या की

आगरा(एजेंसी)। यूपी के आगरा में सेक्स रैकेट में शामिल होने से मना करने पर बॉयफ्रेंड ने अपनी गर्लफ्रेंड का गला दबाकर हत्या कर दी। इसके बाद किराये पर थार लेकर शव उसमें डाला और दिल्ली से करीब 250 किमी दूर आगरा लाया। फिर यमुना एक्सप्रेस-वे के किनारे शव फेंककर फरार हो गया। गर्लफ्रेंड की लाश 6 फरवरी को मिली थी, लेकिन उसकी पहचान नहीं हो पाई। पुलिस ने अक की मदद से उसके चेहरे को री-डेवलप किया। इसके बाद शव की शिनाख्त महोबा की सोनाली (25) के रूप में हुई। पूछताछ में पता चला कि वह अपने बॉयफ्रेंड सनी (28) के साथ दिल्ली में लिवइन में रहती थी। इसके बाद पुलिस ने सोमवार को सनी को हिरासत में लिया। पहले उसने बताया कि सोनाली ने फंदे से लटककर आत्महत्या की, लेकिन पोस्टमार्टम रिपोर्ट में गला दबाकर हत्या की पुष्टि हुई। कड़ाई से पूछताछ करने पर सनी ने कबूल किया कि उसी ने सोनाली का गला दबाकर हत्या की। उसने बताया कि उसकी मां और सौतेले पिता ने भी उसका साथ दिया। वह सोनाली को सेक्स रैकेट में धकेलना चाहता था, लेकिन वह इसके लिए तैयार नहीं थी। उसे डर था कि कहीं सोनाली उसके बारे में लोगों और पुलिस को न बता दे, इसी वजह से उसने उसकी हत्या कर दी। डीसीपी वेस्ट आदित्य कुमार ने बताया कि सनी ने पूछताछ में बताया कि वह मूल रूप से कानपुर का रहने वाला है। सनी ने बताया कि कानपुर से उसका परिवार महोबा शिफ्ट हो गया था। वहीं उसकी सोनाली से मुलाकात हुई। हमारी बातचीत शुरू हुई और धीरे-धीरे दोस्ती प्यार में बदल गई। इसके बाद मैं सोनाली को लेकर दिल्ली चला गया। सोनाली और मैं एक साथ लिव-इन रिलेशनशिप में रहने लगे। सोनाली मुझसे शादी करने की जिद करती थी, मगर मैं शादी नहीं करना चाहता था। मेरी दूसरी गर्लफ्रेंड थी और मैं उसी से शादी करना चाहता था। सनी ने बताया, मैं दिल्ली में चल रहे एक सेक्स रैकेट से जुड़ा हुआ था। मैं सोनाली को भी देह व्यापार में धकेलना चाहता था, लेकिन वह ऐसा करने से मना करती थी। सोनाली कई बार धमकी दे चुकी थी कि वह सभी को बता देगी कि मैं सेक्स रैकेट से जुड़ा हूं। मुझे डर था कि कहीं सोनाली मेरे बारे में सबको न बता दे। इसलिए मैंने बुराड़ी में सोनाली का गला दबाकर हत्या कर दी। इसके बाद किराये पर एक थार गाड़ी लेकर आया। रात में उसी गाड़ी में सोनाली का शव डालकर उसे ठिकाने लगाने के लिए निकल पड़ा। सनी ने कहा, मैंने सोचा था कि यमुना एक्सप्रेस-वे पर बीच में यमुना नदी पड़ेगी, उसी में शव को फेंक दूंगा। लेकिन मुझे कोई नदी नहीं मिली। ऐसे में मैंने यमुना एक्सप्रेस-वे के किनारे ही शव फेंक दिया। इसके बाद मैं दिल्ली लौट गया। मुझे लगा कि पुलिस शव की शिनाख्त नहीं कर पाएगी। दिल्ली से पंजाब जाने का प्लान था, लेकिन पुलिस ने पहले ही मुझे पकड़ लिया। सोनाली के जीजा संतकुमार ने कहा- सोनाली की चार साल पहले शादी हो चुकी थी। शादी के बाद वह सनी से प्यार करने लगी। इसके बाद वह घर छोड़कर चली गई। सनी उससे गलत काम करवाना चाहता था, लेकिन सोनाली यह सब नहीं करना चाहती थी। जब सोनाली ने ऐसा करने से मना किया, तो सनी ने उसकी हत्या कर दी।

हरदोई में चचेरे भाई ने की युवक की हत्या, चार साल पुराने विवाद में कुल्हाड़ी से काट डाला

हरदोई(एजेंसी)। पड़ोसी ने युवक की धारदार हथियार से हत्या कर दी। मृतक के भाई ने चार साल पहले आरोपी की पत्नी को भगा ले गया था। जिसको लेकर दोनों परिवारों के बीच गहरी रंजिश चल रही थी। सोमवार को मृतक वोटर लिस्ट से जुड़े कार्य के सिलसिले में गांव आया था। इसी दौरान मंगलवार सुबह घात लगाए बैठे तीन लोगों ने उस पर धारदार हथियार से हमला कर दिया। हमलावरों ने गले पर कई बार वार किए, जिससे युवक की मौके पर ही मौत हो गई। हत्या के बाद आरोपी शव को खड़ंजे के पास नाली में फेंककर फरार हो गए। चीख-पुकार सुनकर ग्रामीण मौके पर पहुंचे, लेकिन तब तक युवक की मौत हो चुकी थी। सूचना मिलने पर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मामला बेहटा गोकुल थाना क्षेत्र की है।

सनी सोनकर, मृतक

पल्लवी को बाल पकड़कर लखनऊ पुलिस ने गाड़ी में डाला

लखनऊ (एजेंसी)। पुलिस और पल्लवी पटेल के बीच आज झड़प हो गई। पल्लवी UGC इक्विटी रेगुलेशन 2026 के समर्थन में सैकड़ों लोगों के साथ पैदल मार्च निकाल रही थीं। उनके साथ सैकड़ों महिलाएं इस मार्च में शामिल थीं। महिलाओं संग वह क्ळ चौराहे से निकलीं और यहां से विधानसभा तक जाना था। मार्च जब रिजर्व पुलिस लाइन के पास से गुजरने लगा तो पुलिस ने पल्लवी पटेल को रोक दिया। वहां बड़ी-बड़ी कंटीली बैरिकेडिंग की गई थी। पल्लवी ने इस पर चढ़ने की कोशिश की तो पुलिस ने रोका। इस दौरान पुलिस और पल्लवी के बीच झड़प हो गई। झड़प के बाद वह सड़क पर ही धरने पर बैठ गईं। पुलिस काफी देर तक समझाती रही लेकिन पल्लवी वहां से हटने को तैयार नहीं हुईं। करीब 15 मिनट की मान-मनौव्वल के बाद पुलिस ने एक-एक सभी कार्यकताओं को हिरासत में ले लिया। इस दौरान सबको गाड़ियों में बैठा दिया गया, लेकिन पल्लवी सड़क पर लेट गईं। उन्हें पुलिस की गाड़ी तक ले जाने में मशक्कत करनी पड़ी। वह गाड़ी तक तो किसी तरह पहुंचीं, लेकिन गाड़ी के गेट पर अड़ गईं। महिला पुलिसकर्मी ने उनको हाथ और पीठ के सहारे अंदर करने की कोशिश की, लेकिन वह नहीं जा रही थीं। इसके बाद उनके बाल पकड़कर गाड़ी के अंदर डाल दिया।पल्लवी का कहना है कि वक्र्छ इक्विटी रेगुलेशन 2026 को टालना आरक्षित और वंचित वर्गों के अधिकारों के साथ सीधा अन्याय है। पल्लवी पटेल अपना दल (कमेरावादी) अध्यक्ष हैं। वर्तमान में इनका सपा के साथ गठबंधन है। पल्लवी कौशाम्बी की सिराथू विधानसभा सीट से विधायक हैं। पुलिस काफी देर तक समझाती रही लेकिन पल्लवी वहां से हटने को तैयार नहीं हुईं। करीब 15 मिनट की मान-मनौव्वल के बाद पुलिस ने एक-एक सभी कार्यकताओं को हिरासत में ले लिया। इस दौरान सबको गाड़ियों में बैठा दिया गया लेकिन पल्लवी सड़क पर लेट गईं। उन्हें पुलिस की गाड़ी तक ले जाने में मशक्कत करनी पड़ी। वह गाड़ी तक तो किसी तरह पहुंचीं लेकिन गाड़ी के गेट पर अड़ गईं। महिला पुलिसकर्मी ने उनको हाथ और पीठ के सहारे अंदर करने की कोशिश लेकिन वह नहीं जा रही थीं।

टीचर को न्याय दिलाने को स्टूडेंट्स धरने पर बैठे

गोरखपुर(एजेंसी)। टीचर की 7 फरवरी को बस्ती में रोड एक्सीडेंट में मौत हो गई। पति की मौत के बाद पत्नी मधुलिका सिंह ने वीडियो जारी किया। बोलीं- मेरे पति को कॉलेज के प्रिंसिपल मानसिक रूप से परेशान करते थे। कहते थे कि तुम्हारी नौकरी खा जाउंगा। मेरे पति के मौत की जिम्मेदारी संजीव सक्सेना की है। वहीं मंगलवार को टीचर को न्याय दिलाने के लिए स्टूडेंट्स धरने पर बैठे गए। उनका कहना है कि जब तक हमारे टीचर को न्याय नहीं मिलेगा तब तक हम नहीं उठेंगे। वहीं स्कूल के अन्य टीचर और विभिन्न शिक्षक संगठनों ने भी निष्पक्ष जांच और परिवार को उचित मुआवजा दिए जाने की मांग की है।गोरखपुर के पीएमश्री जवाहर नवोदय

डॉ. अभय प्रताप सिंह, मृतक

विद्यालय, पीपीगंज में डॉ. अभय प्रताप सिंह कंप्यूटर विज्ञान के टीचर थे। 7 फरवरी को गोरखपुर आते समय बस्ती में सड़क हादसे में उनकी मौत हो गई थी। मौत के बाद पत्नी मधुलिका सिंह ने सोमवार शाम को वीडियो जारी किया और स्कूल के प्रिंसिपल के खिलाफ कई आरोप लगाए। उन्होंने कहा- मेरे पति ने घर में मांगलिक कार्य के लिए 3 दिन की छुट्टी अप्लाई की थी। प्रिंसिपल ने 7 फरवरी को कक्षा 9 और 11 की प्रवेश परीक्षा में ड्यूटी का हवाला देते हुए अवकाश देने से इनकार कर दिया। उन्हें केवल दो दिन का अवकाश स्वीकृत किया गया। 6 फरवरी को स्कूल के प्रिंसिपल ने मेरे पति के फोन पर कॉल किया। टीचर की पत्नी मधुलिका सिंह ने कहा- 7 फरवरी को साढ़े 7 बजे स्कूल आ जाना वरना नौकरी खा जाऊंगा। और तुम्हे रेल दूंगा। जबकि स्कूल में परीक्षा के लिए केवल 6 टीचरों की जरूरत थी। उस समय स्कूल में 30 टीचर थे। लेकिन प्रिंसिपल ने दबाव बनाकर ड्यूटी के लिए विवश किया। इसी चक्कर में मेरे पति 7 फरवरी को बस्ती से सुबह 5 बजे घर से स्कूल के लिए निकले और रास्ते में उनका एक्सीडेंट हो गया। इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। मेरे पति के मौत की जिम्मेदारी प्रिंसिपल संजीव सक्सेना की है। टीचर अभय सिंह की मौत के बाद स्कूल के स्टूडेंट्स धरने पर बैठ गए हैं। उन्होंने हाथों में पोस्टर लेकर जस्टिस फॉर अभय सर लिखकर प्रदर्शन कर रहे हैं। साथ ही पोस्टर नारे लगाए-सुनी कक्षा, रोते छात्र प्रिंसिपल तुम ही जिम्मेदार। हत्यारा प्रिंसिपल, शर्म करो, शर्म करो।

केंद्रीय बजट से विकास, रोजगार और आत्मनिर्भरता को मिलेगा बल : भाजपा जिलाध्यक्ष तेजेन्द्र निर्वाल

शामली (शिखर समाचार) भारतीय जनता पार्टी के जिलाध्यक्ष तेजेन्द्र निर्वाल ने मंगलवार को आयोजित पत्रकार वार्ता में केंद्र सरकार के हालिया आम बजट को जनहित पर आधारित और सर्वसमावेशी बताते हुए कहा कि यह बजट समाज के प्रत्येक वर्ग की जरूरतों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। उन्होंने कहा कि इसमें जाति, धर्म और समुदाय से ऊपर उठकर देश के समग्र विकास का खाका प्रस्तुत किया गया है और यह आम लोगों की अपेक्षाओं पर खरा उतरने वाला दस्तावेज है।

नगर पालिका सभागार में आयोजित कार्यक्रम के दौरान तेजेन्द्र निर्वाल ने कहा कि सरकार का यह बजट केवल आंकड़ों का लेखा जोखा नहीं, बल्कि भविष्य की दिशा तय करने वाला रोडमैप है। इसमें गांव, गरीब, किसान, युवा, महिला और मध्यम आय वर्ग के लिए अलग अलग स्तर पर राहत और प्रोत्साहन के प्रावधान किए गए हैं। उन्होंने बताया कि खेती किसानी को मजबूत बनाने, स्वरोजगार को बढ़ावा देने और नए रोजगार अवसर पैदा करने पर विशेष जोर दिया गया है।

उन्होंने कहा कि आधारभूत ढांचे के विस्तार, सड़क, परिवहन और संचार सुविधाओं को सुदृढ़ करने के लिए पर्याप्त प्रावधान किए गए हैं, जिससे औद्योगिक गतिविधियों को गति मिलेगी और स्थानीय स्तर पर भी रोजगार के नए अवसर तैयार होंगे। साथ ही लघु व्यापारियों और छोटे उद्यम चलाने वालों के लिए भी कई सहायक कदम बजट में शामिल किए गए हैं, जो उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनाएंगे।

जिलाध्यक्ष ने कहा कि शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में भी बजट में उल्लेखनीय प्रावधान रखे गए हैं। नए शिक्षण संस्थानों, तकनीकी शिक्षा और स्वास्थ्य ढांचे को मजबूत करने की दिशा में सरकार ने स्पष्ट योजना बनाई है। उन्होंने यह भी कहा कि आधुनिक तकनीक और डिजिटल सेवाओं के विस्तार से सरकारी योजनाओं का लाभ सीधे लोगों तक पहुंचाना आसान होगा।

पार्टी पदाधिकारियों ने दावा किया कि यह बजट आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य को आगे बढ़ाने वाला है और इससे देश की अर्थव्यवस्था को नई मजबूती मिलेगी। उन्होंने कार्यकताओं से अपील की कि बजट की मुख्य विशेषताओं और जनकल्याणकारी प्रावधानों की जानकारी घर घर तक पहुंचाई जाए, ताकि आम नागरिक इन योजनाओं का लाभ उठा सकें। पत्रकार वार्ता के दौरान चेयरमैन अरविन्द संगल, हरबीर मलिक, पंकज गुप्ता, मनीष भटनागर सहित कई पार्टी कार्यकर्ता मौजूद रहे।

प्रतिबंधित चाइनीज मांझे पर शामली पुलिस की बड़ी धरपकड़, अलग-अलग क्षेत्रों से चार लोग गिरफ्तार, भारी मात्रा में मांझा बरामद

शामली (शिखर समाचार)। जनपद शामली में जानलेवा साबित हो रहे प्रतिबंधित चाइनीज मांझे के खिलाफ पुलिस ने व्यापक स्तर पर विशेष अभियान चलाते हुए सख्त कार्रवाई की है। जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों में की गई लगातार छापेमारी और जांच के दौरान पुलिस टीमों ने चार व्यक्तियों को गिरफ्तार किया है। इनके कब्जे से बड़ी मात्रा में प्रतिबंधित मांझा बरामद किया गया है। सभी आरोपियों के विरुद्ध संबंधित कानूनी धाराओं में मुकदमा दर्ज कर न्यायिक प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार शासन के निदेशों के अनुपालन में पुलिस अधीक्षक एनपी सिंह के आदेश पर पूरे जनपद में प्रतिबंधित मांझे की बिक्री, भंडारण और उपयोग पर रोक सुनिश्चित कराने के लिए विशेष अभियान संचालित किया जा रहा है। इसी क्रम में थाना स्तर पर गठित पुलिस दलों ने अपने-अपने क्षेत्रों में बाजारों, दुकानों और संदिग्ध स्थानों पर सघन जांच अभियान चलाया।

कार्रवाई के दौरान झिंझाना थाना पुलिस ने कस्बा क्षेत्र में जांच के समय कलीम को अवैध मांझे के साथ पकड़ लिया। वहीं गढ़ी पुख्ता थाना क्षेत्र में पुलिस टीम ने गांव गढ़ी अब्दुल्ला निवासी आजम खान को प्रतिबंधित मांझे के साथ हिरासत में लिया। आगे बढ़ते हुए कांधला थाना पुलिस ने गांव गंगेरू निवासी मुनव्वर को अवैध मांझा रखने और बेचने की तैयारी करते हुए गिरफ्तार किया। बाबरी थाना पुलिस ने भी क्षेत्र में जांच के दौरान सुनील निवासी बाबरी को प्रतिबंधित मांझे सहित दबोच लिया।

पुलिस के अनुसार चारों आरोपियों के पास से कुल लगभग 40 किलो प्रतिबंधित चाइनीज मांझा बरामद हुआ है। जब्त किए गए मांझे को कब्जे में लेकर सुरक्षित रखा गया है। सभी आरोपियों के खिलाफ मुकदमा पंजीकृत कर उन्हें न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत कर जेल भेज दिया गया।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि चाइनीज मांझा धातु और रासायनिक पदार्थों से तैयार किया जाता है, जो अत्यंत धारदार और खतरनाक होता है। इससे पतंगबाजी के दौरान राहगीरों, दोपहिया वाहन चालकों और पक्षियों को गंभीर चोटें पहुंचने का खतरा रहता है। कई बार यह मांझा जानलेवा दुर्घटनाओं का कारण भी बन चुका है। इसी खतरे को देखते हुए इस पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया गया है। पुलिस प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि प्रतिबंधित मांझे का निर्माण, भंडारण, खरीद-फरोख्त या उपयोग करते पाए जाने पर कड़ी दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। साथ ही आम लोगों से भी अपील की गई है कि वे ऐसे मांझे का प्रयोग न करें और कहीं भी इसकी बिक्री की सूचना तत्काल पुलिस को दें, ताकि समय रहते कार्रवाई की जा सके।

रॉक गोल्ड एकेडमी विद्यालय में बोर्ड परीक्षार्थियों के लिए आशीर्वाद समारोह, हवन व सुंदरकांड पाठ से की गई सफलता की कामना

शामली (शिखर समाचार)। नगर के रॉक गोल्ड एकेडमी विद्यालय परिसर में मंगलवार को कक्षा दसवीं और बारहवीं के बोर्ड परीक्षार्थियों के लिए विशेष आशीर्वाद समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को परीक्षा से पूर्व सकारात्मक ऊर्जा, आत्मविश्वास और नैतिक बल प्रदान करना रहा। समारोह की शुरूआत वैदिक मंत्रोच्चार के बीच हवन यज्ञ और सुंदरकांड पाठ से हुई, जिसमें सभी विद्यार्थियों की शैक्षिक उन्नति, उत्तम परिणाम और उज्ज्वल भविष्य के लिए प्रार्थना की गई। धार्मिक वातावरण में आयोजित इस अनुष्ठान में विद्यार्थियों ने श्रद्धा के साथ भाग लिया और अपने आगामी परीक्षा जीवन के लिए आशीर्वाद ग्रहण किया।

समारोह के दौरान विद्यालय के वरिष्ठ अध्यापकों ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि परीक्षा जीवन की अंतिम मंजिल नहीं, बल्कि आगे बढ़ने का एक महत्वपूर्ण चरण है। धैर्य, अनुशासन और नियमित अभ्यास से किसी भी लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है। विद्यार्थियों को समय प्रबंधन, प्रश्नपत्र की समझ और आत्मसंयम बनाए रखने के उपयोगी सुझाव भी दिए गए। शिक्षकों ने भरोसा जताया कि विद्यालय के छात्र इस वर्ष भी उत्कृष्ट परिणाम लाकर संस्थान का नाम रोशन करेंगे।

कार्यक्रम में विद्यार्थियों को भी अपने विचार व्यक्त करने का अवसर दिया गया। कई छात्र छात्राओं ने विद्यालय में बिताए वर्षों, शिक्षकों के मार्गदर्शन, मित्रों के साथ बिताए पलों और सीखों को साझा किया। अनुभव बताते समय अनेक विद्यार्थी भावुक हो उठे। उन्होंने कहा कि विद्यालय ने उन्हें केवल पाठ्य ज्ञान ही नहीं, बल्कि व्यवहार, संस्कार और जिम्मेदारी का भी पाठ पढ़ाया है, जो आगे के जीवन में मार्गदर्शक बनेगा। विद्यालय परिवार की ओर से सभी परीक्षार्थियों को शुभाशीष स्वरूप स्मृति उपहार भेंट किए गए। उपस्थित अतिथियों में प्रियांक गोयल सहित विद्यालय परिवार के अनेक सदस्य मौजूद रहे। विद्यालय प्रबंधन शिखर गायेल ने अपने संदेश में कहा कि विद्यार्थी शिक्षा के साथ नैतिक मूल्यों को भी जीवन में उतारें और ईमानदारी व परिश्रम के बल पर आगे बढ़ें। उन्होंने सभी को मन लगाकर तैयारी करने और बिना तनाव के परीक्षा देने के लिए प्रेरित किया। पूरे आयोजन के दौरान परिसर में उत्साह, अपनापन और प्रेरणा का माहौल बना रहा। अंत में सामूहिक मंगलकामना के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने किया पुनरीक्षण अभियान का जमीनी आकलन, बीएलओ और सुपरवाइजरों से संवाद कर उत्कृष्ट कर्मियों को किया सम्मानित

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार) मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान को लेकर प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने जनपद का दौरा कर व्यवस्थाओं की जमीनी समीक्षा की। अर्हता तिथि 01 जनवरी 2026 के आधार पर चल रहे विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत उन्होंने सेक्टर 119 स्थित मिलेनियम पब्लिक स्कूल में बनाए गए नोटिस सुनवाई केंद्र का निरीक्षण किया और सेक्टर 91 के पंचशील बालक इंटर कॉलेज में बूथ स्तर अधिकारियों (बीएलओ) तथा सुपरवाइजरों के साथ विस्तृत संवाद किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने सुनवाई केंद्र पर उपलब्ध सुविधाओं, शिकायत निवारण प्रणाली, कार्य संचालन और मतदाताओं को दी जा रही सेवाओं की गुणवत्ता को परखा। वहां उपस्थित नागरिकों से सीधे बातचीत कर समस्याएं और सुझाव जाने तथा संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी प्रकरणों का समयबद्ध और संतोषजनक निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। आवासीय कल्याण संघ और अपार्टमेंट स्वामी संघ के प्रतिनिधियों से भी चर्चा कर सहयोग के लिए सराहना व्यक्त की गई।

उन्होंने स्पष्ट कहा कि सुनवाई केंद्रों पर आने वाले नागरिकों के साथ विनम्र, पारदर्शी और संवेदनशील व्यवहार अनिवार्य है। लोकतांत्रिक व्यवस्था की मजबूती मतदाताओं की भागीदारी पर निर्भर करती है, इसलिए प्रत्येक पात्र व्यक्ति को मताधिकार उपयोग में कोई बाधा नहीं आनी चाहिए। अधिकाधिक लोगों को जोड़ने के लिए विभिन्न स्तरों पर मतदाता जागरूकता शिविर लगाने के निर्देश भी दिए गए। जनपद में नागरिक सुविधा को ध्यान में रखते हुए बूथ और सोसाइटी स्तर पर 114 विशेष शिविर आयोजित किए जा चुके हैं। बीएलओ स्तर पर सुनवाई, वीडियो कॉल के माध्यम से सत्यापन और पहचान पत्र की डिजिटल प्रति जांच जैसी नई पहल की जानकारी भी दी गई। पंचशील बालक इंटर कॉलेज में आयोजित बैठक में मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बीएलओ और सुपरवाइजरों से मतदाता सूची अद्यतन, नए पंजीकरण, नाम संशोधन, स्थान परिवर्तन और विलोपन कार्यों की समीक्षा की। अधिकारियों ने अपने अनुभव साझा किए, जिनकी सराहना करते हुए उन्हें आगे भी सक्रियता से कार्य करने के लिए प्रेरित किया गया। उन्होंने कहा कि त्रुटिरहित और निष्पक्ष पुनरीक्षण प्रक्रिया में बीएलओ की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण कड़ी है। हर पात्र नागरिक का नाम सूची में शामिल हो, इसके लिए विशेष सतर्कता जरूरी है। जहां फार्म-6 और मानचित्रण कार्य के लिए अधिक भीड़ आ रही है, वहां अतिरिक्त शिविर लगाकर प्रक्रिया को सुगम बनाने के निर्देश दिए गए। जिला निर्वाचन अधिकारी ने अभियान की प्रगति, जनजागरूकता कार्यक्रमों और घर-घर सत्यापन अभियान की जानकारी प्रस्तुत करते हुए बताया कि मतदाता सूची शुद्धिकरण के लिए व्यापक स्तर पर कार्य चल रहा है। उन्होंने बीएलओ और सुपरवाइजरों से पूरी निष्ठा और पारदर्शिता के साथ दायित्व निभाने का आह्वान किया। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने अभियान की प्रगति पर संतोष जताते हुए उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 243 बीएलओ को प्रशस्ति पत्र और एक जिला एक उत्पाद योजना के अंतर्गत उपहार देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम में नोएडा की अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी वंदना त्रिपाठी, सदर उपजिलाधिकारी आशुतोष गुप्ता, दादरी उपजिलाधिकारी अनुज नेहरा सहित अनेक अधिकारी, सुपरवाइजर और बीएलओ मौजूद रहें।

टीईटी पर दिए बयान को लेकर शिक्षक संघ में रोष, आज 11 फरवरी को जिला मुख्यालय पर विरोध प्रदर्शन और पुतला दहन की घोषणा

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ, गौतम बुद्ध नगर इकाई ने शिक्षा राज्य मंत्री भारत सरकार जयंत चौधरी द्वारा लोकसभा में टीईटी को लेकर दिए गए बयान पर कड़ी आपत्ति जताई है। संघ ने इसे शिक्षक समुदाय की गरिमा और वर्षों के परिश्रम के खिलाफ बताया है। संगठन के पदाधिकारियों ने कहा कि इस प्रकार के वक्तव्य से शिक्षकों की भूमिका और योगदान को कमतर आंका गया है, जिसे किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जा सकता। संघ की ओर से जारी वक्तव्य में कहा गया कि शिक्षक देश की भावी पीढ़ी को तैयार करने में केंद्रीय भूमिका निभाते हैं। शिक्षा व्यवस्था की मजबूती और राष्ट्र निर्माण में शिक्षकों का योगदान आधारशिला के समान है। ऐसे में यदि उनके हितों और संवेदनाओं की अनदेखी की जाती है या उनके प्रयासों पर सवाल खड़े किए जाते हैं, तो इससे पूरे शिक्षक समाज की भावना आहत होती है। शिक्षक संघ ने स्पष्ट किया कि टीईटी से जुड़े मुद्दों पर किसी भी प्रकार की टिप्पणी करने से पहले जमीनी परिस्थितियों, चयन प्रक्रिया, प्रशिक्षण और सेवा शर्तों को समझना आवश्यक है। बिना समुचित संदर्भ के दिए गए बयान से भ्रम की स्थिति पैदा होती है और शिक्षकों के बीच असंतोष बढ़ता है। इसी विषय को लेकर संघ ने विरोध कार्यक्रम की घोषणा भी की है। संगठन के अनुसार 11 फरवरी को दोपहर 1 बजे जिला मुख्यालय गौतम बुद्ध नगर पर शिक्षक एकत्र होकर शांतिपूर्ण प्रदर्शन करेंगे। इस दौरान जयंत चौधरी का पुतला दहन कर विरोध दर्ज कराया जाएगा। संघ ने जिले के सभी शिक्षकों से कार्यक्रम में भाग लेकर एकजुटता दिखाने की अपील की है। पदाधिकारियों का कहना है कि यह विरोध किसी व्यक्ति विशेष के खिलाफ नहीं, बल्कि शिक्षक सम्मान और अधिकारों की रक्षा के लिए है। उन्होंने कहा कि शिक्षक समाज अपने आत्मसम्मान से समझौता नहीं करेगा और आवश्यक होने पर आगे भी चरणबद्ध आंदोलन चलाया जाएगा। संघ ने प्रशासन से भी अपील की है कि वह शिक्षकों की भावनाओं को गंभीरता से ले और उनके मुद्दों पर संवेदनशील रवैया अपनाए, ताकि शिक्षा व्यवस्था में सकारात्मक माहौल बना रहे।

टोल प्लाजा पर गांव का नाम गलत लिखने पर भड़के ग्रामीण, डीएम से की संशोधन की मांग

शामली (शिखर समाचार) नेशनल हाईवे पर बन रहे टोल प्लाजा पर गांव का नाम गलत अंकित किए जाने का मामला सामने आया है। इसको लेकर ग्राम करौदा हाथी के ग्रामीणों में रोष व्याप्त है। ग्रामीणों ने जिलाधिकारी को प्रार्थना पत्र सौंपकर बोर्ड पर सही नाम दर्ज कराने और जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग उठाई है।

ग्रामीणों का कहना है कि दिल्ली देहरादून राष्ट्रीय राजमार्ग और पानीपत खटीमा मार्ग की दक्षिण दिशा में जो टोल प्लाजा निमार्णाधीन है, वह पूरी तरह ग्राम करौदा हाथी की सीमा में स्थित है। टोल प्लाजा के निर्माण के लिए गांव के किसानों की भूमि अधिग्रहित की गई थी। इसके बावजूद निर्माण स्थल पर लगाए गए बोर्ड पर ग्राम करौदा हाथी के स्थान पर बन्तीखेड़ा गांव का नाम लिख दिया गया है, जिससे किसानों और ग्रामीणों की भावनाएं आहत हुई हैं। शिकायत पत्र में बताया गया कि बन्तीखेड़ा गांव टोल प्लाजा स्थल से करीब दो किलोमीटर की दूरी पर स्थित है, जबकि निर्माण स्थल करौदा हाथी की जमीन पर ही विकसित किया जा रहा है। ग्रामीणों का आरोप है कि गलत नाम अंकित होने से गांव की पहचान प्रभावित हो रही है और भविष्य में प्रशासनिक अभिलेखों में भी भ्रम की स्थिति बन सकती है।

ग्रामीणों ने जिलाधिकारी से मांग की है कि मौके की जांच कराकर टोल प्लाजा पर ग्राम करौदा हाथी का नाम सही रूप में दर्ज कराया जाए, ताकि गांव के किसानों के साथ न्याय हो सके और उनकी भूमि के संबंध में सही जानकारी सार्वजनिक रूप से प्रदर्शित हो। प्रार्थना पत्र देने वालों में ओमसिंह, राजबीर सिंह, नरेन्द्र सिंह, देवेन्द्र सिंह, कालेन्द मलिक, जितेन्द्र सिंह, राजकुमार, देवेन्द्र सिंह, सुभाष, कुलदीप, हरेन्द्र, मनोज समेत अनेक ग्रामीण शामिल रहे।

बार सचिव के खिलाफ मुकदमा दर्ज होने पर अधिवक्ताओं का प्रदर्शन, एसीपी कार्यालय में किया जमकर हंगामा

मोदीनगर (शिखर समाचार) बार एसोसिएशन मोदीनगर के सचिव नकुल त्यागी के खिलाफ धोखाधड़ी का मुकदमा दर्ज होने से अधिवक्ताओं में आक्रोश फैल गया। मंगलवार को बड़ी संख्या में वकील एसीपी कार्यालय पहुंचे और नारेबाजी करते हुए जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। अधिवक्ताओं ने दर्ज रिपोर्ट से बार सचिव का नाम हटाने की मांग उठाई और कार्रवाई को गलत बताया। जानकारी के अनुसार मेरठ जनपद के इकला गांव निवासी मुकुल सांगवान ने जमीन के लेनदेन से जुड़े विवाद को लेकर भोजपुर थाना क्षेत्र के सैदपुर गांव निवासी सुमित तथा बार एसोसिएशन के सचिव नकुल त्यागी के खिलाफ धोखाधड़ी का मुकदमा दर्ज कराया है। जैसे ही इस मामले में बार सचिव का नाम सामने आया, स्थानीय अधिवक्ता समुदाय ने इसे लेकर नाराजगी जतानी शुरू कर दी। वकीलों का आरोप है कि शिकायत में तथ्यों को तोड़ मरोड़कर पेश किया गया है और बिना उचित जांच के नाम शामिल कर लिया गया। इसी मुद्दे को लेकर अधिवक्ता पिछले कई दिनों से विरोध जता रहे हैं। इससे पहले तहसील मुख्यालय में आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस के दौरान भी अधिवक्ताओं ने विरोध दर्ज कराया था। इसके अतिरिक्त कोतवाली पहुंचकर थाना प्रभारी का घेराव भी किया गया था। मंगलवार को बार एसोसिएशन के बैनर तले अधिवक्ता संगठित होकर जुलूस के रूप में एसीपी भास्कर वर्मा के कार्यालय पहुंचे। वहां उन्होंने जमकर नारेबाजी की और मामले में निष्पक्ष कार्रवाई की मांग रखी। प्रदर्शनकारियों का कहना था कि जब तक रिपोर्ट से नाम नहीं हटाया जाता, तब तक उनका आंदोलन जारी रहेगा। अधिवक्ताओं ने चेतावनी दी कि यदि प्रशासन ने उनकी मांगों पर ध्यान नहीं दिया तो वे सामूहिक हड़ताल पर जाएंगे और रजिस्ट्री कार्यालय का कार्य भी ठप करा दिया जाएगा, जिसकी जिम्मेदारी प्रशासन की होगी। स्थिति को देखते हुए एसीपी ने प्रदर्शन कर रहे वकीलों से बातचीत की और उन्हें शांत कराया। उन्होंने आश्वासन दिया कि पूरे प्रकरण की निष्पक्ष और त्वरित जांच कराई जाएगी तथा जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। इसके बाद अधिवक्ता शांत हुए और वापस लौट गए।

फर्जी दस्तावेजों से जमीन बेचने का खेल, निवेश के नाम पर 87 लाख से अधिक की ठगी, आठ नामजद पर मुकदमा

जेवर (शिखर समाचार) जेवर क्षेत्र में जमीन दिलाने का झांसा देकर बड़ी रकम की ठगी का मामला सामने आया है। दिल्ली के एक परिवार ने आरोप लगाया है कि कुछ लोगों ने साजिश के तहत फर्जी कागजात तैयार कर जमीन का सौदा दिखाया और बैंकिंग माध्यम से 87 लाख 66 हजार रुपये हड़प लिए। शिकायत के आधार पर पुलिस ने आठ नामजद समेत अन्य अज्ञात व्यक्तियों के विरुद्ध मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। लाजपत नगर, दिल्ली निवासी सुनील कुमार जैन ने उच्च अधिकारियों को दी शिकायत में बताया कि उन्हें और दीपका जैन को जेवर के गांव मोहबलीपुर में लगभग 0.9680 हेक्टेयर भूमि दिखाई गई थी। आरोप है कि सौदा कराने वाले लोगों ने भरोसा दिलाया कि जमीन रत्न सिंह के नाम दर्ज है। इसके समर्थन में कथित तौर पर तैयार किए गए दस्तावेज 17 जनवरी को दिखाए गए और सरकारी पोर्टल पर भी विवरण प्रदर्शित कर सौदे को विश्वसनीय बनाया गया। पीड़ितों का कहना है कि दस्तावेजों और ऑनलाइन अभिलेखों पर भरोसा कर उन्होंने तय रकम बैंक के जरिए आरोपियों को स्थानांतरित कर दी। भुगतान के बाद जांच करने पर पता चला कि जमीन का स्वामित्व दर्शाए गए व्यक्ति के नाम नहीं है और प्रस्तुत कागजात संदिग्ध हैं। इसके बाद खुद को ठगा महसूस करते हुए उन्होंने पुलिस से शिकायत की। पुलिस ने शिकायत के आधार पर रत्न सिंह, विनय खुर्जा, कुलवीर, सत्यवीर सिंह, कल्पना परमार, राकेश, राज कुमार, प्रेम फौजी सहित अन्य अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ धोखाधड़ी और जालसाजी की धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कर ली है। अधिकारियों का कहना है कि लेनदेन के बैंक रिकॉर्ड, जमीन के अभिलेख और दस्तावेजों की सत्यता की जांच कर चेतावनी और कार्रवाई आगे बढ़ाई जाएगी।

जीबीयू में प्रशासनिक अव्यवस्था पर विद्यार्थी परिषद का प्रदर्शन, अवैध नियुक्ति, परीक्षा पारदर्शिता और छात्र सुरक्षा पर उठाए गंभीर सवाल

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार) गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय में कथित प्रशासनिक गड़बड़ियों, नियमविरुद्ध नियुक्तियों, परीक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता की कमी, छात्रावासों की बदहाल स्थिति, सुरक्षा तंत्र की कमजोरी तथा प्लेसमेंट प्रणाली की विफलता को लेकर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की ग्रेटर नोएडा इकाई ने विश्वविद्यालय प्रशासन के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। परिषद के प्रतिनिधिमंडल ने कुलपति को विस्तृत ज्ञापन सौंपकर पूरे मामले में निष्पक्ष और उच्चस्तरीय जांच कराने की मांग की है। संगठन ने स्पष्ट कहा है कि यदि एक सप्ताह के भीतर ठोस सुधारात्मक कदम नहीं उठाए गए तो वह चरणबद्ध लोकतांत्रिक आंदोलन शुरू करेगा।

विद्यार्थी परिषद का आरोप है कि विश्वविद्यालय में लंबे समय से पक्षपात और परिचय आधारित नियुक्तियों का सिलसिला चल रहा है, जिससे शिक्षा की गुणवत्ता प्रभावित हो रही है। योग्य अभ्यर्थियों की अनदेखी कर नियमों के विपरीत चयन किए जाने से शैक्षणिक वातावरण कमजोर हुआ है। परिषद का कहना है कि परीक्षा तंत्र से जुड़े महत्वपूर्ण पदों पर ऐसे अधिकारियों को जिम्मेदारी दी गई है जिनके हितों का टकराव संभावित है, इससे मूल्यांकन और परिणाम प्रक्रिया की निष्पक्षता संदेह के घेरे में आ गई है। ज्ञापन में यह भी कहा गया है कि छात्र कल्याण से संबंधित निर्णय बिना पर्याप्त पारदर्शिता के लिए जा रहे हैं। विद्यार्थियों से जुड़े मुद्दों पर न तो खुली चर्चा हो रही है और न ही समय पर समाधान दिया जा रहा है। परिषद के अनुसार इससे छात्रों में असंतोष बढ़ता जा रहा है और उनका शैक्षणिक अनुभव प्रभावित हो रहा है।

छात्रावास व्यवस्था को लेकर भी परिषद ने गंभीर चिंता जताई है। आरोप है कि कई छात्रावासों में स्वच्छ पेयजल, नियमित बिजली आपूर्ति, तेज गति इंटरनेट और साफ-सफाई जैसी मूल सुविधाएं भी संतोषजनक स्तर पर उपलब्ध नहीं हैं। परिसर और छात्रावासों में बाहरी लोगों की आवाजाही पर प्रभावी नियंत्रण न होने से सुरक्षा जोखिम बढ़ गया है। नशीले पदार्थों के अवैध उपयोग और कारोबार की शिकायतें भी सामने आती रही हैं, लेकिन प्रशासन की कार्रवाई अपेक्षित स्तर की नहीं बताई जा रही।

परिषद ने विश्वविद्यालय में घटित छात्र मृत्यु और आत्महत्या की घटनाओं का भी उल्लेख करते हुए कहा कि ऐसे मामलों में संवेदनशील और पारदर्शी रवैया अपनाया जाना चाहिए। संगठन ने इन सभी घटनाओं की स्वतंत्र और न्यायिक स्तर की जांच कराने की मांग उठाई है ताकि सच्चाई सामने आ सके और भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकी जा सके। रोजगार अवसरों के संदर्भ में भी परिषद ने विश्वविद्यालय की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए हैं। संगठन का कहना है कि ऊंची फीस वसूलने के बावजूद छात्रों को अपेक्षित रोजगार अवसर नहीं मिल पा रहे हैं। रोजगार प्रकोष्ठ की कार्यशैली कमजोर बताई गई है। मांग की गई है कि इस प्रकोष्ठ का पुनर्गठन कर अनुभवी और सक्षम व्यक्तियों को जिम्मेदारी दी जाए, ताकि विद्यार्थियों को वास्तविक रोजगार अवसर उपलब्ध हो सकें। परिषद के प्रांत मंत्री गौरव गौड़ ने कहा कि विश्वविद्यालय की वर्तमान स्थिति चिंताजनक है और छात्र लगातार उपेक्षा का सामना कर रहे हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि छात्र हित सर्वोपरि हैं और उन्हें नजरअंदाज करने पर व्यापक आंदोलन किया जाएगा। इस दौरान प्रांत संयोजक छात्र विकास प्रकोष्ठ अभिनव गौड़, राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य आयुष, नगर मंत्री तुषार, अमरेंद्र, आदित्य, सचिन समेत बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

पेड़ों की सुरक्षा शिशु को तरह करनी चाहिए : पूनम परिहार

नोएडा (शिखर समाचार)। स्वयं सेवी संस्था संदेश ने सरकार द्वारा चलाये जा रहे अभियान एक पेड़ माँ कर नाम मे सहयोग करते हुए गांव देहरा के राजकीय इंटर कॉलेज व कम्पोजिट विद्यालय समाना में 51 पौधे लगाये गये। इस अभियान के बारे में जानकारी देते हुए संदेश की सचिव पूनम सिंह परिहार ने बताया कि संस्था द्वारा समय समय पर जनपद हापुड़ व गौतमबुद्ध नगर के विद्यालयों व सार्वजनिक स्थानों पर वृक्षारोपण का कार्य किया जाता रहा हैं। तथा लोगों को जागरूक कर आसपास के लोगों, सामाजिक कार्यकर्ता व स्वयंसेवकों को उनकी देखरेख की जिम्मेदारी दी जाती हैं। क्योंकि एक पौधे को छोटे शिशु की तरह देखभाल की आवश्यकता होती हैं तब कहीं व बड़ा होकर फल व छाया देता है। पौधा लगाने से महत्वपूर्ण उसकी देखभाल करना होता है। संदेश के सहायक प्रबन्धक राहुल सक्सेना ने बताया कि संदेश संस्था द्वारा अन्य विकास के कार्यो में वृक्षारोपण भी महत्वपूर्ण भाग है। संस्था द्वारा हर वर्ष वृक्षारोपण का कार्य बड़े स्तर पर करती है। एक पेड़ माँ के नाम 2.0 में सहयोग करते हुए इस वर्ष भी 1000 पौधे लगाने का लक्ष्य तय किया हुआ है। इसी क्रम में देहरा व समाना के विद्यालयों में पर्यावरण के प्रति छात्रों को जागरूक करते हुए छात्रों के साथ मिलकर वृक्षारोपण कार्य कराया गया। इस कार्य मे ग्राम प्रधान, सामाजिक संगठनों का भी सहयोग रहता है।

सुरक्षित इंटरनेट दिवस पर जनपद में जागरूकता कार्यशाला, अधिकारियों को साइबर सुरक्षा के गुर बताए

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। सुरक्षित इंटरनेट दिवस के उपलक्ष्य में जनपद गौतम बुद्ध नगर में साइबर सुरक्षा को लेकर विशेष जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम भारत सरकार के इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के निदेर्शों के अनुपालन में आयोजित हुआ। कार्यशाला का संचालन राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र (एनआईसी) सभागार में हुआ, जिसकी अध्यक्षता अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) मंगलेश दुबे ने की। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य सरकारी अधिकारियों और कर्मचारियों को इंटरनेट के सुरक्षित, जिम्मेदार और सकारात्मक उपयोग के प्रति सजग करना रहा। अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) ने अपने संबोधन में कहा कि वर्तमान डिजिटल दौर में इंटरनेट जीवन का अनिवार्य हिस्सा बन चुका है, ऐसे में साइबर खतरों से बचाव की जानकारी होना बेहद जरूरी है। उन्होंने कहा कि छोटी-सी लापरवाही भी बड़े नुकसान का कारण बन सकती है। उन्होंने सभी विभागीय अधिकारियों से अपेक्षा जताई कि वे

स्वयं भी सतर्क रहें और आम नागरिकों को भी साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूक करें। उन्होंने बच्चों में बढ़ती मोबाइल और इंटरनेट निर्भरता पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि कम उम्र में अधिक स्क्रीन समय उनके मानसिक और सामाजिक विकास को प्रभावित कर सकता है। अभिभावकों को चाहिए कि बच्चों के मोबाइल उपयोग पर निगरानी रखें और केवल आवश्यक कार्यों के लिए ही इंटरनेट की अनुमति दें। अभिभावकीय नियंत्रण व्यवस्था को अपनाने पर भी जोर दिया गया। कार्यशाला में साइबर अपराध प्रकोष्ठ के प्रभारी बलजीत और साइबर थाने के निरीक्षक अनुज कुमार सैनी ने डिजिटल माध्यमों के सुरक्षित उपयोग पर विस्तृत प्रस्तुति दी। उन्होंने बताया कि ऑनलाइन ठगी और धोखाधड़ी के मामले लगातार बढ़ रहे हैं, जिनसे बचने का सबसे प्रभावी उपाय जागरूकता है। उन्होंने डिजिटल भुगतान मंचों के उपयोग में सावधानी, अज्ञात लिंक से दूरी, ओटीपी और निजी जानकारी साझा न करने तथा किसी भी अनुप्रयोग को डाउनलोड करने से पहले उसकी सत्यता जांचने की सलाह दी। अपर जिला सूचना विज्ञान अधिकारी डॉली सिंह ने सुरक्षित इंटरनेट दिवस के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि यह दिवस प्रत्येक वर्ष फरवरी के दूसरे मंगलवार को मनाया जाता है। इसकी शुरूआत वर्ष 2004 में यूरोपीय संघ की पहल से हुई थी। इस अभियान का उद्देश्य बच्चों, युवाओं, अभिभावकों, शिक्षकों और सरकारी कर्मचारियों सहित समाज के हर वर्ग को सुरक्षित डिजिटल व्यवहार के प्रति जागरूक करना है। कार्यक्रम में जिला समाज कल्याण अधिकारी सतीश कुमार, राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र से नेटवर्क फील्ड इंजीनियर अमित शर्मा और मनीष कुमार सहित कलेक्ट्रेट के अनेक अधिकारी-कर्मचारी तथा विभिन्न विभागों के प्रतिनिधि मौजूद रहे।

विराट हिन्दू सम्मेलन में सांस्कृतिक जागरण और सामाजिक एकजुटता पर जोर, धर्म संरक्षण का सामूहिक संकल्प

मुरादनगर (शिखर समाचार) रावली रोड स्थित चुंगी नंबर तीन के पास रामलीला मैदान में आयोजित विराट हिन्दू सम्मेलन में क्षेत्र भर से बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए। कार्यक्रम में नगर और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से आए श्रद्धालुओं, सामाजिक कार्यकताओं और युवाओं की उल्लेखनीय भागीदारी रही। आयोजन का प्रारंभ भारत माता के चित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया, जिसके साथ ही धार्मिक और सांस्कृतिक वातावरण बन गया।

सम्मेलन को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि दीपांकर महाराज ने कहा कि हिन्दू समाज की वास्तविक ताकत उसकी सांस्कृतिक जड़ों, पारिवारिक परंपराओं और नैतिक जीवन मूल्यों में निहित है। उन्होंने कहा कि बदलते समय में अपनी पहचान और परंपराओं को सहेज कर रखना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि नई पीढ़ी को धर्म, इतिहास और संस्कारों से जोड़ना समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। युवाओं को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि वे भारतीय जीवन शैली को अपनाकर समाज और राष्ट्र के निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाएं। मुख्य वक्ता सुनील ने अपने विचार रखते हुए कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सौ वर्ष पूरे होना पूरे समाज के लिए गौरव का विषय है। उन्होंने कहा कि संगठन ने लंबे समय से राष्ट्रहित, सामाजिक समरसता और सांस्कृतिक चेतना के क्षेत्र में निरंतर कार्य किया है। उन्होंने बताया कि ऐसे सम्मेलनों का उद्देश्य समाज में परस्पर विश्वास, भाईचारा और सहयोग की भावना को मजबूत करना है। उन्होंने लोगों से आह्वान किया कि वे व्यक्तिगत हित से ऊपर उठकर राष्ट्र और समाज के लिए संगठित प्रयास करें। विभाग प्रचारक अतुल ने कहा कि समाज को अपनी परंपराओं और गौरवशाली विरासत के प्रति सजग रहने की जरूरत है। उन्होंने संगठन की शक्ति पर जोर देते हुए कहा कि जब समाज एक सूत्र में बंधता है तो वह किसी भी चुनौती का सामना करने में सक्षम हो जाता है। उन्होंने उपस्थित लोगों से सेवा कार्यों, संस्कार निर्माण और राष्ट्रभक्ति से जुड़े प्रयासों में बढ़-चढ़कर भाग लेने का आग्रह किया। कार्यक्रम स्थल पर बच्चों द्वारा बनाई गई रंगोलियां आकर्षण का प्रमुख केंद्र रहीं। इसके साथ ही सांस्कृतिक प्रस्तुतियों में देशभक्ति गीत, नृत्य और नाट्य अंश प्रस्तुत किए गए, जिन्हें दर्शकों ने सराहा। साहित्य प्रदर्शनी भी लगाई गई, जिसमें राष्ट्र, धर्म, संस्कृति और इतिहास से संबंधित पुस्तकों और प्रकाशनों को देखा और खरीदा गया। सम्मेलन के अंत में उपस्थित जनसमूह ने धर्म, संस्कृति और राष्ट्रीय एकता की रक्षा के लिए समर्पित रहने का सामूहिक संकल्प दोहराया। आयोजन को सफल बनाने में समिति के पदाधिकारियों, कार्यकताओं और स्वयंसेवकों की सक्रिय भूमिका रही। कार्यक्रम शांतिपूर्ण और अनुशासित ढंग से संपन्न हुआ।

संपादकीय

अमेरिका ईरान टकराव: क्या दुनिया तीसरे विश्व युद्ध की दहलीज पर खड़ी है?

मध्य पूर्व एक बार फिर वैश्विक चिंता का केंद्र बनता दिखाई दे रहा है। अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ता तनाव केवल दो देशों का विवाद भर नहीं है, बल्कि यह अंतरराष्ट्रीय शक्ति संतुलन, ऊर्जा सुरक्षा, वैश्विक व्यापार, और सामरिक गठबंधनों को प्रभावित करने वाला संभावित संकट बन चुका है। हाल के महीनों में सैन्य गतिविधियों, कूटनीतिक आरोप प्रत्यारोप और प्रतिबंधों की नई परतों ने स्थिति को और जटिल बना दिया है। सवाल यह है कि यदि यह टकराव युद्ध में बदलता है, तो क्या इसका प्रभाव सीमित रहेगा या यह व्यापक वैश्विक संघर्ष का रूप ले सकता है। अमेरिका और ईरान के संबंध दशकों से अविश्वास, प्रतिबंधों और रणनीतिक प्रतिस्पर्धा से प्रभावित रहे हैं। परमाणु कार्यक्रम को लेकर मतभेद, पश्चिम एशिया में प्रभाव की होड़, और क्षेत्रीय संगठनों व मिलिशिया समूहों के प्रति समर्थन जैसे मुद्दों ने दोनों देशों के बीच दूरी बढ़ाई है। कूटनीतिक वाताओं के कई दौर हुए, समझौते बने और टूटे, लेकिन स्थायी समाधान अब तक सामने नहीं आ सका। यह अस्थिरता ही आज के संकट की जड़ है। यदि संभावित सैन्य संघर्ष की कल्पना करें तो इसका पहला और सबसे बड़ा असर ऊर्जा बाजार पर पड़ेगा। दुनिया के तेल और गैस का बड़ा हिस्सा पश्चिम एशिया से आता है। फारस की खाड़ी और होर्मुज जलडमरूमध्य जैसे समुद्री मार्ग वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति की जीवनरेखा हैं। किसी भी प्रकार की सैन्य कार्रवाई या नाकेबंदी से तेल की कीमतों में तेज उछाल आ सकता है। इसका सीधा असर भारत जैसे आयातक देशों पर पड़ेगा महंगाई बढ़ेगी, परिवहन लागत बढ़ेगी, उद्योगों का खर्च बढ़ेगा और आम उपभोक्ता की जेब पर बोझ पड़ेगा। वैश्विक अर्थव्यवस्था पहले से ही अस्थिरताओं से जूझ रही है, ऐसे में ऊर्जा संकट मंदी को गहरा कर सकता है। दूसरा बड़ा खतरा क्षेत्रीय युद्ध के फैलाव का है। ईरान का प्रभाव केवल अपनी सीमाओं तक सीमित नहीं है। पश्चिम एशिया के कई देशों में उसकी वैचारिक या सामरिक उपस्थिति मानी जाती है। यदि युद्ध छिड़ता है तो वह केवल दो देशों के बीच नहीं रहेगा, बल्कि कई क्षेत्रीय ताकतें प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से इसमें शामिल हो सकती हैं। इससे बहुपक्षीय संघर्ष की स्थिति बन सकती है, जहां छोटे छोटे मोर्चे बड़े युद्ध में बदलते देर नहीं लगती। इतिहास बताता है कि विश्व युद्ध अक्सर क्षेत्रीय संघर्षों की श्रृंखला से ही जन्म लेते हैं।

तीसरा पहलू वैश्विक गठबंधनों का है। आज की दुनिया दो या तीन ध्रुवों में बंटी हुई दिखाई देती है। अमेरिका के अपने सैन्य और आर्थिक साझेदार हैं, वहीं ईरान के भी कुछ सामरिक सहयोगी हैं। यदि तनाव बढ़ता है तो महाशक्तियों के बीच अप्रत्यक्ष टकराव तेज हो सकता है। हथियारों की आपूर्ति, खुफिया सहयोग, साइबर हमले और समुद्री गतिविधियाँ संघर्ष को बहुस्तरीय बना देंगी। आधुनिक युद्ध केवल जमीन, समुद्र और आकाश तक सीमित नहीं, बल्कि साइबर स्पेस और अंतरिक्ष तक फैल चुका है। किसी भी बड़े टकराव का असर वैश्विक संचार और वित्तीय प्रणालियों तक पहुंच सकता है।

चौथा खतरा मानवीय संकट का है। युद्ध का सबसे बड़ा दंश आम नागरिक झेलता है। विस्थापन, शरणार्थी संकट, खाद्य आपूर्ति में बाधा और स्वास्थ्य सेवाओं का ध्वंस ये सभी परिणाम पहले भी देखे जा चुके हैं। पश्चिम एशिया पहले ही कई संघर्षों का दर्द झेल चुका है। एक और बड़ा युद्ध वहां की सामाजिक संरचना को दीर्घकालिक नुकसान पहुंचा सकता है। इसका प्रभाव यूरोप और एशिया तक शरणार्थी प्रवाह के रूप में महसूस किया जाएगा। क्या यह स्थिति तीसरे विश्व युद्ध का रूप ले सकती है? यह प्रश्न डर पैदा करता है, पर इसका उत्तर सरल ह्लहाँह्व या ह्लनहींह्व में नहीं है। आज की वैश्विक व्यवस्था परस्पर निर्भरता पर आधारित है। बड़े युद्ध से सभी को भारी नुकसान होगा आर्थिक, राजनीतिक और सामाजिक। यही कारण है कि महाशक्तियाँ सीधे युद्ध से बचने की कोशिश करती हैं। फिर भी, गलत आकलन, आकस्मिक सैन्य घटना, या राजनीतिक दबाव कभी कभी संघर्ष को अनियंत्रित दिशा में धकेल देते हैं। जोखिम कम है, पर शून्य नहीं।

~ मौलिक चिंतन ~

भाग्य से मिले अवसर को गवां देना, चिट्ठी भेजकर दुर्भाग्य को न्योता देने जैसा है।

~ ~ ~ ~ ~ ~ ~ ~ ~

© विनय संकोची

पं .दीनदयाल उपाध्याय सच्चे अर्थों में भारतीयता के जीवंत प्रतीक थे

मुकेश तिवारी

विलक्षण प्रतिभा के धनी दीनदयाल उपाध्याय का जन्म 25 सितम्बर 1916 को उत्तर प्रदेश के ग्राम नगला चन्द्र भान में हुआ था।हालकि परिवारिक कारणों से उनका बचपन अपने नाना चुन्नीलाल के घर ग्राम धनकिया में बीता। जब नाना नौकरी छोड़कर गुडकी मंडई आ गए तो वे भी अपने नाना के साथ

गुडकी मंड ई आ गए।हालांकि दिनदयाल जी के 9वर्ष की आयु पूरी होने के बाबजूद उनके अध्यन की कोई माकूल व्यवस्था नहीं थी अत वे अपने मामा राधारमण के पास आ गए जो गगापुर में रेलवे स्टेशन पर कार्यरत थे। ?गंगा पुर आने के पश्चात ही उनकी सुचारू रुप से शिक्षा प्रारंभ हो सकी।गंगा पुर में वे चार सालों तक रहे।क्योकि गंगापुर में इससे आगे पढाई की व्यवस्था नहीं थी।ऐसी स्थिति में 2 जून 1929 को कोटा के एक स्कूल में दखिला लेना पडा। वे यहाँ सेल्फ सपोटिग हाउस में रहते थे।कक्षा 5 से 7 तक की परीक्षा उन्होंने प्रथम श्रेणी से उतीर्ण की। इसके पश्चात उन्हें राजगढ़ आना पडा।

उन्होंने 8 वी कक्षा के राजगढ़ में दखिला लिया। 8 वी कक्षा मेंछऔठट शानदार अकों से उतीर्ण होकर जब वो 9 वी कक्षा में गए तो उनकी कबलियत के चलते 10 वी कक्ष के छात्र उनसे गणित के सवाल हल करवाने के लिए उनके पास आते थे। सीकर के कल्याण स्कूल से 10 की परीक्षा प्रथम श्रेणी श्रेणी से उतीर्ण करने के पश्चात 1937 में पिलानी से इंटरमीडिएट की परीक्षा में वे सवप्रथम रहे। तत्कालीन सीकर के महाराज कल्याण सिंह ने उन्हें स्वर्ण पदक प्रदान किया 10 रुपए माहवार छात्रवृत्ति और पुस्तक एवं आदि के लिए 250 रुपए की राशि पारितोषिक के रूप में दी गई । उन दोनों पिलानी उच्च शिक्षा का प्रसिद्ध केंद्र था । दीनदयाल इंटरमीडिएट की पढ़ाई के लिए 1935 में पिलानी चले गए 1937 में इंटरमीडिएट बोर्ड परीक्षा में बैठे और न केवल समस्त बोर्ड में प्रथम रहे सभी विषयों में विशेष योग्यता के अंक प्राप्त किए । बिरला कॉलेज के वे प्रथम छात्र थे जिसने इतने सम्मानजनक अकों में परीक्षा पास की थी। सीकर महाराज के समान ही घनश्याम दास बिड़ला ने एक स्वर्ण पदक 10 रुपये मासिक छात्रवृत्ति तथा पुस्तक आदि के खर्चे के लिए 250 रुपए प्रदान किए।

इसी वर्ष बीए की पढ़ाई के लिए कानपुर गए यह रामा मंडी में किराए के मकान में रहे। 2 वर्ष तक यहां रहकर 1941 में मात्र 25 बर्ष की आयु में बीटी करने के लिए प्रयाग चले गए। 25वर्ष की आयु तक दीनदयाल राजस्थान और उत्तर प्रदेश के कम से कम ग्यारह स्थानो पर कुछ समय तक रहे।इसके साथ ही उनका प्रवेश , सार्वजनिक जीवन में हो गया है!

कानपुर में अध्ययन करते समय अपने सहपाठी कालू जी महाशब्दे के माध्यम से वे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के संपर्क में आए।कानपुर में ही पहली बार उनकी संघ संस्थापक डॉ केशव बलिराम हेडगेवार जी से मुलाकात हुई।बाबा साहेब आपटे के दादा राव परमार्थ इनके छात्रावास में ठहरा करते थे। उनकी इस दौरान अनेक मुद्दे पर विस्तार से चर्चा होती थी। दीनदयाल उपाध्याय जी ने वीर सावरकर के कानपुर प्रवास के दौरान उन्हे शाखा में आमंत्रित करके उनसे बौद्धिक वर्ग करवाया।कानपुर के सुन्दर भंडारी भी दीनदयाल जी के सहपाठी थे।

संघ के शारीरिक कार्यक्रम को दीनदयाल जी भले ही ठीक तरह से नहीं कर पाते थे लेकिन बौद्धिक परीक्षा में सदैव अव्वल रहते थे।वे सच्चे अर्थों में भारतीयता के जीवंत प्रतीक और एक परिपूर्ण मानव थे। पंडित जी एक ऐसे निष्काम कर्मयोगी थे जिन्होंने राजनीति में रहते हुए अपने वतन की सेवा के व्रत के परायण में अपना सम्पूर्ण जीवन समर्पित कर दिया था। पंडित दीनदयाल उपाध्याय ने 1964को ग्वालियर में भारतीय जनसंघ की अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा के अधिवेशन में एकात्म मानववाद का जो सिद्धांत दिया ,वह जीवन के सभी सुखो का मूल मंत्र है ।यह भारतीय दर्शन, भारतीय संस्कृति और भारतीय विचार का आज के युग के लिए अनुकूल समुच्चय है जो आने वाली पीढ़ियों का मार्गदर्शन करेगा ।यह सिद्धांत समाज के अंतिम छोर तक के व्यक्ति के हित में कार्य करने का है ।पंडित दीनदयाल उपाध्याय का एकात्म मानववाद का दर्शन एक ऐसा दर्शन है जो हमें हमारी संस्कृति और सभ्यता से जोड़े रखता है।

पंडित दीनदयाल का जिक्र करते ही , पंडित जी की जो छवि हमारी आंखों के सामने उभरती है वह किसी बड़े राजनीतिक दल के कद्दावर नेता की नहीं बल्कि एक सहृदय अग्रज.आत्मीय मित्र.और मार्गदर्शक की है.हिन्दुस्तान भर के लाखों अनुयाई पं दीनदयाल को इस स्वरूप में अपने साथ पाते थे.आज हमारे मुल्क में राजनीति का जो स्वरूप हमें द्रष्टिगोचर होता है और उसमें राजनीति करते हुए तमाम सारे राजनीतिक दलों के जो नेता हमें मिलते हैं उनकी तुलना यदि दीनदयाल उपाध्याय के साथ करें तो हमें बेहद आश्चर्य होता है हमारे जहन में विचार आता है कि इस आपाधापी के दौर में भी हमें ऐसी शख्सियत का मार्गदर्शन मिला।

कालांतर में पंडित दीनदयाल जो अमूल्य विचार हमें प्रदान कर गए.वह न केवल इस कीर्ति की आत्मा और शरीर दोनों के ही अनुकूल था.प्रसिद्दि से दूर.अहंकार से रहित और निश्छल मुस्कुराहट वाले पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी ऐसी ही शख्सियतों में से एक थे।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय अपने नाम के अनुरूप ऐसे युगपुरुष थे जिन्होंने व्यक्ति, परिवार,समाज, और देश को समग्र परिवेश में देखा, पंडित उपाध्याय जी के बाल्यकाल में ही माता पिता का साया उनके सिर से उठा गया था, फलत बचपन के उन सुहाने दिनों से वंचित हो गए ,जब खेलने और खाने की जगह उन्हें अभावों में जीना पड़ा,यही वजह थी, कि बचपन में ही कठिन परिस्थितियों से संघर्ष की और व्यावहारिक शिक्षा ग्रहण कर लेने के बाद जीवन में उन्होंने संघर्ष से कभी मुंह नहीं मोड़ा,

एम ए उतरार्द्ध की परीक्षा नहीं दे सके, मामा जी के अनुरोध करने पर वे प्रशासनिक परीक्षा में बैठे, उत्तीर्ण हुए और साक्षात्कार में भी वे चुन लिए गए ।उनकी अध्ययनशीलता सार्वजनिक जीवन में जाने के पश्चात प्रखरतम होती चली गई ,कालांतर में पंडित दीनदयाल उपाध्याय का भारतीय राजनीति ने जो जीवन उभरा वह उनका श्रषि व्यक्तित्व था,वे ताउम्र अविवाहित रहे, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से वे राजनीतिक क्षेत्र में गए और भारतीय जन संघ के महामंत्री बने ,उनकी विलक्षण प्रतिभा को देखकर डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने कहा था कि मुझे दो दीनदयाल जी मिल जाए तो मैं भारतीय राजनीति का मानचित्र बदल के रख दूंगा। भारतीय जनसंघ की स्थापना के दो वर्ष भी पूर्ण नहीं हो पाए थे काश्मीर आंदोलन के दौरान 23जून को डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी का बलिदान हो गया, आजाद भारत के नवगठित राजनीतिक दल का भार पूर्ण तौर पर 36 वर्षीय दीनदयाल उपाध्याय जी के कंधे पर आ गया,वे निरंतर17 सालों तक भारतीय जन संघ के महामंत्री रहे और 18 में बर्ष में जन संघ के अध्यक्ष बने लेकिन नियति ने उन्हें हमसे छीन लिया, दीनदयाल जी का व्यक्तित्व बहुआयामी था, वे सामान्य व्यक्ति,सक्रिय कार्यकर्ता कुशल संगठक, प्रभावी नेता एवं विचारक थे समाजशास्त्री, अर्थशास्त्री, राजनीति विज्ञानी एवं दार्शनिक एव अच्छे वक्ता थे। किसी भी विषय पर अच्छी प्रकार से अभ्यास और विभिन्न कोणों से उस पर विचार व्यक्त करने के उपरांत ही अपना कोई मत व्यक्त करते थे ,उनके बहुआयामी व्यक्तित्व की झलक कुछ उदाहरणों से पता चलती है, राष्ट्र, राष्ट्रीयता और भारतीय संस्कृति पर दीन दयाल जी के विचारों से यह स्पष्ट हो जाता है। उनका चिंतन आज भी प्रासंगिक है राष्ट्र एक स्थाई सच है,राष्ट्र की आवश्यकता को पूर्ण करने के लिए राज्य पैदा होता है, राष्ट्र का संगठन के निजी स्वार्थों की पूर्ति के लिए उत्पन्न नहीं होता है ,एक राष्ट्र भाव की विस्मृति के कारण घटक शिथिल पड़ते हैं और यदि पूरी तरह निष्क्रिय हो गए, तो संपूर्ण राष्ट्र के विनाश का कारण भी बनते हैं, अतः हमें कालजेय स्थाई सक्षम, आत्मनिर्भर व्यवहारिकता और स्वाभाविक संगठन के लिए राष्ट्र को आधार मानना होगा, राष्ट्र का संगठन दृढ़ हुआ तो सामर्थ निर्माण होगा और विभिन्न अंग पुष्ट हो सकेंगे ,राष्ट्र को परम वैभव की ओर ले जाने के लिए धर्म का संरक्षण करते हुए आना चाहिए, यह संघटित कार्प शक्ति एवं पुरुषार्थ से ही प्राप्त हो सकता है, पंडित दीनदयाल उपाध्याय का मानना था कि भारतीय संस्कृति की विशेषता यह है कि वह संपूर्ण जीवन और संपूर्ण सृष्टि का विचार करती है। उसका दृष्टिकोण एकात्मक वादी है। टुकड़ों में विचार करना विशेषज्ञ की दृष्टि से उचित हो सकता है लेकिन व्यवहारिक दृष्टि से यह कतई उपयुक्त नहीं है पश्चिम की समस्या का मुख्य कारण उसका जीवन के संबंध में सतही ढंग से विचार करना है। दीनदयाल जी का मानना था कि स्वराज प्राप्त करते ही हम स्व की भावना विस्मित कर बैठे तथा विदेशी विचारधारा हमारे आकर्षण और अनुकरण का केंद्र बन गई। आज आवश्यकता है कि अपने स्व का परिचय किया जाए, बिना उसके स्वराज का कोई अर्थ नहीं है स्वतंत्रता हमारे विकास और सुख का साधन मात्र नहीं बन सकती जब तक हमें अपनी हकीकत का पता नहीं तब तक हमें अपनी शक्तियों का ज्ञान नहीं हो सकता और ना ही उसका विकास ही संभव है,हम स्वर की भावना किस मत कर बैठे हैं विदेशी विचारधारा मारे आकर्षण और अनुकरण का केंद्र बन गई आज आवश्यकता है कि अपने स्व का परिचय किया जाये कर विनाश के स्वराज का कोई अर्थ नहीं है, स्वतंत्रता हमारे विकास और सुख का साधन नहीं बन सकती जब तक हमें अपनी हकीकत का पता नहीं तब तक हमें अपनी शक्ति का ज्ञान नहीं हो सकता और नहीं उसका विकास ही संभव है।

लोकसभाध्यक्ष ओम बिरला के खिलाफ अविश्वास!

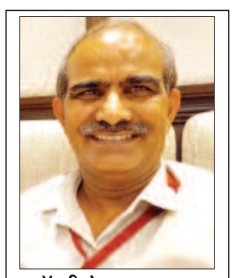

डॉ श्रीगोपाल नारसन

विपक्ष के 128 लोकसभा सदस्यों ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को पद से हटाने का प्रस्ताव लाने के लिए एक नोटिस लोकसभा महासचिव को सौंप दिया है। कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने बताया कि उन्होंने नियम 94सी के तहत लोकसभा अध्यक्ष के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव का नोटिस दिया है।

लोकसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को ह्लबोलने की इजाजत नहीं देनेह्व, साथ ही कांग्रेस की महिला सांसदों पर सदन में अनुचित स्थिति पैदा करने के आरोपों पर विपक्ष अध्यक्ष ओम बिरला को पद से हटाने के लिए यह प्रस्ताव लाया है।लोकसभा में कांग्रेस के उप नेता गौरव गोगोई, कांग्रेस के मुख्य सचेतक कोडिकुनिल सुरेश और सांसद मोहम्मद जावेद तथा अन्य कई सांसद नोटिस सौंपने वालो में शामिल है।लोकसभा की प्रक्रिया और आचरण के मानदंडों के नियम 198 के अनुसार, विपक्ष को लोकसभा में मतदान से पहले अविश्वास प्रस्ताव के अपने अनुरोध के लिए औचित्य प्रदान करने की आवश्यकता नहीं है।अविश्वास प्रस्ताव की पूरी प्रक्रिया लोकसभा की प्रक्रिया व कार्य संचालन प्रणाली के नियम 198 (1) से नियम 198 (5) तक के तहत पूरी की जाती है।इस प्रक्रिया के तहत नियम 198 (1) (क) के तहत अविश्वास प्रस्ताव पेश करने वाले सांसद को पहले स्पीकर के जरिये सदन की अनुमति लेनी पड़ती है।सदन की अनुमति के लिए नियम 198 (1) (ख) के मुताबिक, प्रस्ताव की जानकारी सुबह 10 बजे से पहले लोकसभा के महासचिव को देनी पड़ती है।नियम 198 (2) के तहत प्रस्ताव के साथ सांसद को 50 सांसदों के समर्थन वाले हस्ताक्षर दिखाने होते हैं।नियम 198 (3) के तहत लोकसभा अध्यक्ष से प्रस्ताव को अनुमति मिलने के बाद उस पर चर्चा का दिन तय होता है। चर्चा प्रस्ताव पेश होने के 10 दिन के अंदर करानी होती है।नियम 198 (4) के तहत अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा के अंतिम दिन लोकसभाध्यक्ष वोटिंग कराते हैं और उस आधार पर फैसला होता है।नियम 198(5) के तहत लोकसभा अध्यक्ष को टिप्पणी के लिए समय सीमा निर्धारित करने का अधिकार है। यदि प्रस्ताव सदन द्वारा अनुमोदित हो जाता है तो सरकार को इस्तीफा देना पड़ता है ।अब तक लोक सभा में 27 बार अविश्वास प्रस्ताव रखे जा चुके हैं।लोक सभा में सबसे पहला अविश्वास प्रस्ताव अगस्त 1963 में तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू की सरकार के खिलाफ जे बी कृपलानी ने पेश किया था। लेकिन विपक्ष सरकार गिराने में नाकाम हो गया था, क्योंकि इस प्रस्ताव के पक्ष में केवल 62 वोट पड़े और विरोध में 347 वोट पड़े थे।लेकिन सन 1978 में लाये गए अविश्वास प्रस्ताव ने मोरारजी देसाई सरकार को गिरा दिया था।अब तक सबसे ज्यादा 4 बार अविश्वास प्रस्ताव पेश करने का रिकॉर्ड माकपा सांसद ज्योतिर्मय बसु के नाम है। उन्होंने अपने चारों प्रस्ताव इंदिरा गांधी सरकार के खिलाफ रखे थे।सबसे ज्यादा अविश्वास प्रस्ताव का सामना करने वाली भारत की पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की सरकार रही है। इंदिरा गांधी सरकार के खिलाफ 15 अविश्वास प्रस्ताव पेश किया गये थे।इसके अलावा पी॰ वी॰ नरसिम्हा राव और लाल बहादुर शास्त्री की सरकारों ने तीन-तीन बार अविश्वास प्रस्ताव का सामना किया था।पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने एक बार इंदिरा गाँधी सरकार और दूसरी बार पी॰ वी॰ नरसिम्हा राव सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पेश किया था ।संयोग की बात है कि अटल सरकार के खिलाफ भी दो बार सन1996 व सन1998 अविश्वास प्रस्ताव पेश किया गया था और वे दोनों बार हार गये थे।सन 2018 में नरेंद्र मोदी सरकार के विरुद्ध भी अविश्वास प्रस्ताव लाया गया था,लेकिन यह प्रस्ताव गिर गया था। लोकसभाध्यक्ष ओम बिरला पर आरोप हैं कि वो विपक्ष के साथ भेदभाव करते हैं और सांसदों को बोलने का मौका कम देते हैं।हालांकि ये पहली बार नहीं है, जब किसी लोकसभाध्यक्ष के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाया जा रहा हो। संसद के इतिहास में कई बार ऐसा हो चुका है।

अविश्वास प्रस्ताव भारतीय संसदीय परंपरा का ही एक हिस्सा है। जब भी विपक्ष को सरकार या फिर लोकसभाध्यक्ष पर भरोसा नहीं होता है तो उन्हें हटाने के लिए अविश्वास प्रस्ताव लाया जाता है। लोकसभाध्यक्ष के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव संविधान के अनुच्छेद 94(सी) के तहत लाया जाता है, इसे मोशन ऑफ रिमूवल कहा जाता है।इसके तहत लोकसभा के अध्यक्ष को हटाया जा सकता है। वोटिंग में बहुमत मिलने पर अध्यक्ष को हटाने की प्रक्रिया शुरू हो सकती है।भारतीय संसद के इतिहास में पहली बार सन1954 में अविश्वास प्रस्ताव लाया गया था। लोकसभा के पहले अध्यक्ष मावलंकर के खिलाफ ये प्रस्ताव लाया गया था। सोशलिस्ट पार्टी के नेता विग्नेश्वर मिसिर ये प्रस्ताव लाए थे।इस प्रस्ताव पर करीब दो घंटे तक चर्चा हुई थी, हालांकि बाद में उसे खारिज कर दिया गया। इस प्रस्ताव को जवाहर लाल नेहरू ने सदन की गरिमा का सवाल बताया था।

सन1954 के बाद लोकसभाध्यक्ष के खिलाफ दूसरा प्रस्ताव सन 1966 में लाया गया।लोकसभा अध्यक्ष सरदार हुकम सिंह के खिलाफ ये प्रस्ताव था।वहीं तीसरी बार सन1987 में अविश्वास प्रस्ताव लाया गया था, ये प्रस्ताव तत्कालीन लोकसभा अध्यक्ष बलराम जाखड़ के खिलाफ लाया गया था।पिछले तमाम प्रस्तावों की तरह ये अविश्वास प्रस्ताव भी खारिज हो गया था।अब देखना यह है कि यह अविश्वास प्रस्ताव कितना चल पाता है।इससे लोकसभाध्यक्ष की कुर्सी जाती है या फिर यह प्रस्ताव धड़ाम गिरता है।फिलहाल तो संख्या बल देखते हुए ऐसा नही लगता कि ओम बिरला की कुर्सी जाएगी,बाकी आने वाला वक्त बताएगा।

(लेखक राजनीतिक चिंतक व वरिष्ठ पत्रकार है)

सदन ठप, सवाल अनुत्तरित लोकतंतकी कसौटी पर कांग्रेस का रवैया

कांतिलाल मांडोत

लोकसभा में विपक्ष का अधिकार बहस करना, सवाल उठाना और सरकार को जवाबदेह ठहराना है। यह अधिकार संविधान और संसदीय परंपराओं से सुरक्षित है। लेकिन जब यह अधिकार सदन को चलने ही न देने की जिद में बदल जाए, तो वह लोकतंत्र की मजबूती के बजाय उसकी कमजोरी का संकेत बन जाता है।

संसद का बजट सत्र देश की आर्थिक दिशा तय करने का सबसे महत्वपूर्ण मंच होता है, लेकिन जब यही मंच हंगामे, नारेबाजी और रणनीतिक अवरोध का अखाड़ा बन जाए, तो सवाल सिर्फ कार्यवाही के ठप होने का नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक जिम्मेदारी के क्षरण का भी उठता है। हालिया घटनाक्रम में लोकसभा स्पीकर के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव का नोटिस, प्रश्नकाल का बार-बार स्थगन और विपक्ष का निरंतर विरोध, इसी चिंता को गहरा करता है। इस पूरे परिदृश्य में कांग्रेस की भूमिका पर गंभीर आत्ममंथन की जरूरत है।

लोकसभा में विपक्ष का अधिकार बहस करना, सवाल उठाना और सरकार को जवाबदेह ठहराना है। यह अधिकार संविधान और संसदीय परंपराओं से सुरक्षित है। लेकिन जब यह अधिकार सदन को चलने ही न देने की जिद में बदल जाए, तो वह लोकतंत्र की मजबूती के बजाय उसकी कमजोरी का संकेत बन जाता है। बजट सत्र के लगातार दिनों तक बाधित रहने से आम जनता के मुद्दे, आर्थिक नीतियों पर चर्चा और विकास से जुड़े सवाल पीछे छूट जाते हैं। कांग्रेस, जो स्वयं को लोकतंत्र की प्रहरी बताती है, यदि उसी लोकतांत्रिक प्रक्रिया को बाधित करती दिखे, तो उसकी विश्वसनीयता पर प्रश्नचिह्न लगना स्वाभाविक है।

लोकसभा स्पीकर के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाना कोई असाधारण बात नहीं है। संसदीय इतिहास में यह प्रक्रिया पहले भी अपनाई गई है। लेकिन इस कदम का औचित्य तभी बनता है, जब यह संसदीय मयार्दा और ठोस तर्कों के साथ उठाया जाए। मौजूदा मामले में विपक्ष का आरोप है कि स्पीकर पक्षपातपूर्ण रवैया अपना रहे हैं और विपक्षी नेताओं को बोलने नहीं दिया जा रहा। यदि यह सच है, तो इसका समाधान भी संसदीय संवाद और नियमों के तहत होना चाहिए। सदन के भीतर नारेबाजी, वेल में आकर हंगामा और बार-बार कार्यवाही ठप कराना, किसी भी तरह से समाधान नहीं है।

कांग्रेस का रवैया यहां विरोध से अधिक टकराव का नजर आता है। राहुल गांधी को बोलने देने की मांग को लेकर पूरा सत्र बाधित करना, जबकि देश की आर्थिक नीतियों पर चर्चा लंबित हो, यह दशार्ता है कि पार्टी प्राथमिकताओं को लेकर भ्रमित है। लोकतंत्र में व्यक्ति से बड़ा संस्थान होता है। संसद किसी एक नेता का मंच नहीं, बल्कि 140 करोड़ नागरिकों की आवाज का प्रतिनिधि सदन है। यदि किसी नेता को बोलने में आपत्ति है, तो उसके लिए नियम, अध्यक्ष और संसदीय समितियां मौजूद हैं। सत्र को ही ठप कर देना, लोकतांत्रिक दबाव नहीं, बल्कि राजनीतिक हठधर्मिता है।

कांग्रेस का इतिहास बताता है कि जब वह सत्ता में रही, तब विपक्ष की आवाज को दबाने के आरोप उस पर भी लगे। ऐसे में आज नैतिक ऊंचाई का दावा करना, बिना आत्मालोचना के, खोखला लगता है। संसदीय परंपराएं दोतरफा जिम्मेदारी मांगती हैं। सरकार को विपक्ष की बात सुननी चाहिए, लेकिन विपक्ष का भी कर्तव्य है कि वह सदन की गरिमा बनाए रखे। हाथ जोड़कर बजट पर चर्चा की अपील करना किसी मंत्री की कमजोरी नहीं, बल्कि संसदीय परंपरा को बचाने का प्रयास है। इसके बावजूद हंगामा जारी रहना, कांग्रेस की नकारात्मक राजनीति को उजागर करता है।

स्पीकर के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव को लेकर भी कांग्रेस की रणनीति अस्पष्ट दिखती है। एक ओर प्रस्ताव का नोटिस दिया जाता है, दूसरी ओर प्रमुख नेता खुद उस पर हस्ताक्षर नहीं करते। यह दोहरा संदेश पार्टी की आंतरिक असमंजस को दशार्ता है। यदि स्पीकर सचमुच पक्षपात कर रहे हैं, तो पार्टी को एकजुट और स्पष्ट रुख अपनाना चाहिए था। लेकिन यहां यह कदम अधिक प्रतीकात्मक विरोध जैसा प्रतीत होता है, जिसका उद्देश्य समाधान नहीं, बल्कि राजनीतिक दबाव बनाना है। संसद में महिला सांसदों के साथ हुई घटनाओं, बैनर और पोस्टर की राजनीति, और पुस्तक विवाद जैसे मुद्दों को जिस तरह तूल दिया गया, उसने मूल प्रश्नों को हाशिए पर धकेल दिया। देश महंगाई, रोजगार, वैश्विक व्यापार और सुरक्षा जैसे मुद्दों पर स्पष्ट बहस चाहता है। लेकिन कांग्रेस का फोकस बार-बार ऐसे विवादों पर रहा, जिनसे सदन का समय नष्ट हुआ। यह रवैया न तो विपक्ष की परिपक्वता दिखाता है और न ही लोकतंत्र के प्रति प्रतिबद्धता।

लोकतंत्र में विरोध जरूरी है, लेकिन रचनात्मक विरोध उससे भी अधिक जरूरी है। कांग्रेस यदि सचमुच जनता की आवाज बनना चाहती है, तो उसे सड़क की राजनीति को संसद के भीतर दोहराने से बचना होगा। संसद संवाद का मंच है, संघर्ष का नहीं। यहां तर्क, तथ्य और नीति से सरकार को घेरा जाता है, न कि शोर और अवरोध से। हर बार सदन ठप कर देना आसान रास्ता हो सकता है, लेकिन इससे न तो जनता का भरोसा बढ़ता है और न ही लोकतांत्रिक संस्थाएं मजबूत होती हैं।

अंततः सवाल यह नहीं है कि कौन जीता या हारा, बल्कि यह है कि संसद चली या नहीं। बजट सत्र का समय अमूल्य होता है। इसे बाधित कर कांग्रेस ने न सिर्फ सरकार को, बल्कि देश को नुकसान पहुंचाया है। लोकतंत्र में विपक्ष की भूमिका सत्ता को असहज करना नहीं, बल्कि उसे जवाबदेह बनाना है। इसके लिए सदन का चलना अनिवार्य है। यदि कांग्रेस इस मूल सिद्धांत को नहीं समझती, तो उसका विरोध लोकतांत्रिक नहीं, बल्कि अवरोधकारी राजनीति के रूप में ही देखा जाएगा।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

संक्षिप्त समाचार

हथियारों के बल पर युवक का अपहरण, पकड़ को लेकर घूमते रहे, पुलिस ने घेरा तो तीन घंटे बाद छोड़कर भागे

मेरठ , एजेंसी। खरखौदा स्थित धीर खेड़ा औद्योगिक क्षेत्र में पुलिस चौकी से मात्र 500 मीटर की दूरी पर काली स्कॉर्पियो सवार युवकों ने हथियारों के बल पर युवक का अपहरण कर लिया। युवक जान बचाने के लिए पास में ही पेट्रोल पंप के कार्यालय में घुसा, लेकिन बदमाश हथियारों के बल पर युवक को स्कॉर्पियो में डालकर ले गए। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए सर्विलांस की मदद से युवक को तीन घंटे में ही बुलंदशहर जनपद के बीबी नगर कस्बे से तलाश लिया। पूरी घटना पेट्रोल पंप पर लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। पुलिस जांच कर रही है।

खरखौदा थाना क्षेत्र के कैली निवासी सुरेंद्र ने बताया कि उसका बेटा कार्तिक (26) धीरखेड़ा स्थित सेल्फ ड्राइव के कार्यालय पर नौकरी करता है। रविवार अपराह्न करीब तीन बजे वहां पहुंची काली स्कॉर्पियो में सवार कुछ युवकों ने पहले कार्तिक के साथ मारपीट की, बाद में हथियारों के बल पर उसे जबरन गाड़ी में डालने का प्रयास करने लगे। कार्तिक अपनी जान बचाने के लिए पास में भारत पेट्रोल पंप के कार्यालय में घुस गया, लेकिन बदमाश कार्यालय में घुस गए और हथियारों के बल पर कार्तिक का अपहरण कर स्कॉर्पियो में डालकर ले गए। पेट्रोल पंप पर तैनात कर्मचारियों ने विरोध किया तो बदमाशों ने उन्हें भी जान से मारने की धमकी दी।

बाद में पंप कर्मचारियों ने घटना की जानकारी पुलिस को दी। सीओ किठौर प्रमोद कुमार सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने सर्विलांस की मदद से बदमाशों का पीछा करते हुए तीन घंटे में कार्तिक को बुलंदशहर जनपद के कस्बा बीबीनगर से तलाश लिया। पुलिस को देखकर बदमाश कार्तिक को छोड़कर भाग गए। पीड़ित पिता सुरेंद्र सिंह ने हापुड़ जनपद के रामपुर निवासी निवासी सिद्धार्थ कसाना और उसके साथियों पर शक जाहिर करते हुए अपहरण की प्राथमिक दर्ज कराई है।

इंश्योरेंस ठगी प्रकरण : विद्यावती हॉस्पिटल के संचालक संग 3 गिरफ्तार- फर्जी मरीजों के नाम पर लेते थे क्लेम

गोरखपुर , एजेंसी। रामगढ़ताल थाना क्षेत्र स्थित डिसेंट हॉस्पिटल से जुड़े इंश्योरेंस ठगी के मामले में पुलिस ने रविवार को एक और बड़ी कार्रवाई करते हुए विद्यावती हॉस्पिटल के संचालक समेत तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के मुताबिक, पकड़े गए आरोपी डिसेंट अस्पताल के संचालकों के साथ मिलकर फर्जी मरीजों के नाम पर दस्तावेज तैयार कर बीमा कंपनियों से क्लेम लेते थे।

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान उरुवा बाजार के पचोहां गांव निवासी इंद्रेश यादव, शाहपुर थाना क्षेत्र के मोहनापुर गांव के सोनवा टोला निवासी अमन यादव उर्फ गौरव यादव और सरस्वतीपुरम लेन नंबर तीन निवासी अभिषेक शर्मा उर्फ हनी शर्मा के रूप में हुई है। इस मामले में पुलिस पहले ही डिसेंट अस्पताल के संचालक, डॉक्टर समेत छह आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी है। मामले की विवेचना कर रहे रामगढ़ताल थाना प्रभारी नितिन रघुनाथ श्रीवास्तव ने बताया कि आरोपी इंद्रेश यादव खोराबार बाईपास पर विद्यावती हॉस्पिटल का संचालन कर रहा था। वह अपने सहयोगियों अमन यादव उर्फ गौरव यादव और अभिषेक शर्मा उर्फ हनी शर्मा के साथ डिसेंट अस्पताल के संचालकों से संपर्क में था और उनके साथ मिलकर ठगी का नेटवर्क चला रहा था।

चौक से भी सोना और चांदी लेकर भागा सराफ का दोस्त

लखनऊ, एजेंसी। चौक के सराफ मार्केट स्थित धनश्री चेन एंड ज्वैलर्स की दुकान के मालिक हिमांशु सिंह से बहराइच निवासी सराफ का दोस्त अफजाल 371 ग्राम सोना और 13 किलो चांदी लेकर भाग गया। हिमांशु ने रविवार को चौक थाने में एफआईआर दर्ज कराई है। आरोपी अफजाल पर बहराइच के सराफ मंथन पाटिल ने भी 1.40 करोड़ रुपये का सोना हड़पने का आरोप लगाते हुए चौक पुलिस को तहरीर दी है। चौक पुलिस की एक टीम अफजाल की तलाश में बहराइच भेजी गई है। सराफ हिमांशु सिंह के अनुसार, आरोपी अफजाल अक्सर उनकी दुकान पर आता था। चार फरवरी को भी वह दुकान पर आया और 371 ग्राम सोना व 13 किलो चांदी खरीदी। उसने आरटीजीएस के माध्यम से भुगतान करने की बात कही, लेकिन नेटवर्क की समस्या का बहाना बनाकर जेवर लेकर चला गया। बाद में उसका मोबाइल बंद मिला। एसीपी चौक राजकुमार सिंह ने बताया कि सराफ हिमांशु सिंह की तहरीर पर अफजाल के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई है। सराफ से ठगे गए माल की कीमत करीब 85 लाख रुपये के आसपास है।

रायबरेली के लिए काला दिन, अलग-अलग हादसों में आठ मौतें; एक्सप्रेसवे पर कार ने चार को कुचला

रायबरेली, एजेंसी। रायबरेली के लिए आज काला दिन बनकर आई। अलग-अलग सड़क हादसों में आठ लोगों की मौत हो गई। देर रात बरात से घर लौट रहे तीन दोस्तों की बाइक को तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। हादसे में एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई। बांदा-बहराइच राजमार्ग पर शोभवापुर गांव के पास रविवार को ई रिक्शा को बचाने में दो तेज रफ्तार बाइकों की आमने-सामने टक्कर हो गई। बाइक सवार दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई।

निर्माणाधीन गंगा एक्सप्रेसवे पर रविवार देर शाम चूली गांव के पास कार ने पैदल जा रहीं सात युवतियों व किशोरियों को रौंद दिया। इसमें चार युवतियों की मौत हो गई। तीन की हालत गंभीर बनी हुई है, जिन्हें जिला अस्पताल रेफर किया गया है। हादसे में कार क्षतिग्रस्त हो गई है। पुलिस के अनुसार सभी पैदल ही एक्सप्रेसवे होते हुए गांव जा रही थीं। इसी दौरान हादसे की शिकार हो गईं। पुलिस के अनुसार जगतपुर क्षेत्र के कोडर निवासी शालिनी (20), बहन साधना (15), भदोखर क्षेत्र के अलीगंज निवासी हिमांशी (22), रश्मि (15), आसमां (18) समेत सात युवतियां व किशोरियां रविवार को चूली गांव में आयोजित भंडारे में शामिल होने गई थीं। भंडारे में प्रसाद ग्रहण करने के बाद सभी निर्माणाधीन गंगा एक्सप्रेसवे से पैदल ही घर के लिए निकलीं।

शाम सात बजे एक्सप्रेसवे से गुजर रही कार ने सभी युवतियों को रौंद दिया। हादसे की जानकारी पर आसपास के लोगों की मदद से पुलिस ने घायलों को सीएचसी जगतपुर पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने शालिनी, हिमांशी को मृत्यु घोषित कर दिया। अन्य को जिला अस्पताल रेफर कर दिया। जिला अस्पताल में आसमां व रश्मि ने भी दम तोड़ दिया। सीओ डलमऊ गिरजाशंकर त्रिपाठी ने बताया कि घटना की जांच की जा रही है। कार को कब्जे में लिया गया है।

ई-रिक्शा से महिला की मौत

पिलखा गांव के पास रविवार सुबह तेज रफ्तार ई रिक्शा ने सड़क पार कर रही महिला को टक्कर मार दी। हादसे में महिला की मौके पर मौत हो गई। घटना के बाद भाग रहे ई रिक्शा चालक को पकड़ कर पुलिस के सुपुर्द कर दिया गया। भानमती (55) पत्नी जगतपाल आधुनिक रेल डिब्बा कारखाना में मजदूरी करती थीं। सुबह घर से पैदल काम पर जा रही थीं। गांव के पास पीछे से आए ई रिक्शा ने उन्हें टक्कर मार दी। हादसे के बाद महिला सड़क पर गिर पड़ी। राहगीरों की मदद से परिजन उन्हें सीएचसी लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। पुलिस की ओर से जांच शुरू की गई है। महिला की मौत की जानकारी होने पर घरवालों में चीख पुकार मच गई। पति जगतपाल, बेटे राहुल व सुनील और बेटी लक्ष्मी के आंसू थमने का नाम नहीं ले रहे हैं। प्रभारी निरीक्षक प्रमोद कुमार सिंह ने बताया कि ई रिक्शा चालक को पकड़ लिया गया है। तहरीर मिलने पर कार्रवाई की जाएगी।

बाइकों की टक्कर में दो युवकों की मौत

बांदा-बहराइच राजमार्ग पर शोभवापुर गांव के पास रविवार को ई रिक्शा को बचाने में दो तेज रफ्तार बाइकों की आमने-सामने टक्कर हो गई। बाइक सवार दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को जिला अस्पताल रेफर किया गया है। सरेनी थाना क्षेत्र के रावतपुर कला गांव निवासी तेज बहादुर (28) पुत्र छेदीलाल बाइक से चचेरे भाई रामप्रसाद (32) और मंगाखेड़ा मजरे सेमरपहा गांव निवासी मामा धुन्नर (30) के साथ लालगंज से सरेनी जा रहे थे। बाइक तेज बहादुर चला रहे थे। खीरों थाना क्षेत्र के पाहो गांव निवासी महेंद्र सिंह (55) पुत्र रामराज सिंह गेगासों गंगाघाट से अंतिम संस्कार में शामिल होकर घर लौट रहे थे। शाम 4:45 बजे शोभवापुर गांव के पास एक ई रिक्शा को बचाने में दोनों बाइकों की आमने-सामने भिड़ंत हो गई। हादसे में चारों लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को सीएचसी लालगंज पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने महेंद्र सिंह और तेज बहादुर को मृत घोषित कर दिया। राम प्रसाद और धुन्नर को जिला अस्पताल रेफर कर दिया। बाइक सवार हेलमेट नहीं पहने थे।

टक्कर इतनी तेज थी कि बाइकें क्षतिग्रस्त हो गईं। हादसे की खबर से परिजनों में रोना पीटना मच गया। लालगंज कोतवाली प्रभारी प्रमोद कुमार सिंह ने बताया कि हादसे की जांच कराई जा रही है। तहरीर मिलने पर प्राथमिकी दर्ज होगी।

बाइक को अज्ञात वाहन ने मारी टक्कर, युवक की मौत, दो घायल

बरात से घर लौट रहे तीन दोस्तों की बाइक को तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। हादसे में एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने एंबुलेंस से घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र शिवगढ़ पहुंचाया जहां से प्राथमिक उपचार देकर डॉ. सौरभ सिंह ने दोनों को जिला अस्पताल रेफर कर दिया। शिवगढ़ क्षेत्र के जगन्नाथ पुर मजरे सूरजपुर के रहने वाले शंकर (28) शिवगढ़ के बैंती निवासी अपने दोस्त पप्पू (30) व रोहित (30) के साथ बाइक से बछरावां से एक बरात में शामिल होने के बाद देर रात करीब 11.30 बजे बाइक से घर लौट रहे थे। स्टेट हाइवे बांदा बहराइच मार्ग स्थित शिवगढ़ बछरावा मार्ग पर गुड़िया गढ़ी के पास पीछे से आ रहे तेज रफ्तार वाहन ने बाइक को टक्कर मार दी, जिससे शंकर की मौके पर मौत हो गई वहीं रोहित और पप्पू भी कुचल गए। दोनों ने किसी तरह पुलिस को जानकारी दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने घायलों को सीएचसी पहुंचाया, जहां से दोनों को गंभीर हालत में जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया द्य पुलिस के मुताबिक बाइक चालक ने हेलमेट नहीं लगाया था।

दूल्हा देख हो गया दुल्हन का मूड खराब, मंडप पर खड़ा होकर बोला लड़की का पूरा परिवार

शाहजहांपुर, एजेंसी। युवती के परिजन का आरोप है कि वर पक्ष ने उनके साथ विश्वासघात किया है। इस वजह से उनका लाखों रुपये का नुकसान बरात के खाने और दहेज के सामान पर हो गया। यूपी के शाहजहांपुर जिला स्थित पड़री चांदपुर गांव में शनिवार की रात आई एक बरात में दूल्हा शादी के मंडप में लड़खड़ा कर गिर गया। उसके दिव्यांग होने का भेद खुला तो दुल्हन ने वर पक्ष पर दूल्हा बदले जाने का आरोप लगाते हुए उसके साथ फेरे लेने से इनकार कर दिया। दोनों पक्षों में पूरी रात पंचायत चलने के बावजूद शादी नहीं हो पाने से बारात दुल्हन के बगैर मायूस लौट गई और दहेज का सामान धरा रह गया।

बैंड-बाजे के साथ पहुंची थी बरात- पड़री चांदपुर की एक युवती की शादी पास के ही गांव अल्हादादपुर निवासी एक युवक के साथ तय हुई थी। शनिवार को बरात बैंड-बाजे के साथ युवती के दरवाजे पर पहुंची। बरातियों का स्वागत सत्कार किया गया। द्वारचार के बाद कई बराती भी खाना खाकर घर चले गए और कुछ बराती वहां मौजूद रहे।

सीधा खड़ा नहीं हो सका दूल्हा- शादी की कुछ रस्में पूरी होने के बाद जब दूल्हा मंडप में पहुंचा और बिठाने का प्रयास किया गया, तो वह पटले से लड़खड़ाकर गिर गया। इस पर कन्या पक्ष वालों में दूल्हा दिव्यांग होने की चर्चा होने लगी। दूल्हे को फिर से उठाने का प्रयास किया गया, लेकिन वह दिव्यांग होने के कारण सीधे खड़ा नहीं हो सका।

दुल्हन ने किया फेरे लेने से इनकार- इस पर फेरे लेने के लिए मंडप में बैठाई गई युवती ने उससे शादी करने से इनकार कर दिया। कन्या पक्ष वालों का आरोप है कि पहले जो दूल्हा दिखाया गया, उसमें कोई शारीरिक कमी नहीं थी, लेकिन वर पक्ष ने बरात के साथ दिव्यांग को दूल्हा बनाकर भेज दिया। द्वारचार के दौरान दूल्हा कार में बैठे रहने से उसकी दिव्यांगता जाहिर नहीं हुई।

खाने में खर्च हो गए लाखों रुपये- युवती के परिजन का आरोप है कि वर पक्ष ने उनके साथ विश्वासघात किया है। इस वजह से उनका लाखों रुपये का नुकसान बरात के खाने और दहेज के सामान पर हो गया। थाना प्रभारी प्रदीप कुमार राय ने बताया कि मामले की जानकारी पुलिस को नहीं दी गई है। उनका कहना है कि तहरीर मिलने पर जांच करके कार्रवाई की जाएगी।

सारनाथ में बनेगा स्मार्ट जू, बटरफ्लाई पार्क-एक्वेरियम, एआई कैमरे लगेंगे

वाराणसी , एजेंसी। वाराणसी जिले में सारनाथ स्थित मिनी जू की सूरत अब बदलने वाली है। वन विभाग इसे प्रदेश के मॉडल चिड़ियाघर के रूप में विकसित करने जा रहा है। वर्तमान में 2.5 लाख पर्यटकों के फुटफॉल और 50 लाख रुपये के राजस्व वाले इस जू में अब जानवरों को प्राकृतिक बाड़ों में रखा जाएगा। आधुनिक अस्पताल, प्रजनन केंद्र और एआई कैमरों जैसी सुविधाओं के साथ-साथ यहां बच्चों के लिए बटरफ्लाई पार्क और एक्वेरियम का भी निर्माण होगा। इसके लिए विभाग की ओर से शासन को प्रस्ताव भेजा गया है। यहां जानवरों की संख्या बढ़ाने के साथ ही पर्यटकों के लिए बुनियादी सुविधाएं बढ़ाई जाएंगी। विभाग से प्राप्त जानकारी के मुताबिक, यहां जानवरों को पिंजरों के बजाय ऐसे बाड़ों में रखा जाएगा, जहां उन्हें प्राकृतिक वातावरण जैसा महसूस हो। इसके अलावा पर्यटकों को भी ऐसा अनुभव कराया जाएगा, जैसे वे इन पशु-पक्षियों के बीच से होकर गुजर रहे हों। चिड़ियाघर परिसर में ही पशु-पक्षियों के लिए एक उन्नत अस्पताल, ऑपरेशन थियेटर और पोस्टमार्टम रूम मौजूद होगा।

क्या बोले अधिकारी- पर्यटकों की संख्या और राजस्व में में वृद्धि को देखते हुए हम बुनियादी ढांचे को पूरी तरह डिजिटल कर रहे हैं। क्यूआर कोड आधारित ऑनलाइन बुकिंग और एआई कैमरों से निगरानी न केवल प्राणियों की सुरक्षा भी करेगी। पूरी परियोजना पर्यटकों का समय बचाएगी, बल्कि मूक के लिए शासन को पत्र भेजा गया है। -बी. शिवशंकर, प्रभागीय वन अधिकारी

जनसंख्या के आधार पर लोधी समाज को मिले भागीदारी

लखनऊ , एजेंसी। हजरतगंज स्थित विश्वेश्वरैया सभागार में रविवार को अखिल भारतीय लोधा, लोधी, लोध महासभा की ओर से स्वामी ब्रम्हानंद शैक्षणिक उत्थान एवं सामाजिक जागरूकता संगोष्ठी हुई। इसमें अवंती चेतना पत्रिका का विमोचन हुआ। मुख्यअतिथि केंद्रीय राज्य मंत्री बीएल वर्मा ने कहा कि देश-प्रदेश में लोधी की जनसंख्या अधिक है लेकिन संख्या के आधार पर भागीदारी नहीं है। जनसंख्या के आधार पर राजनीति और सरकार में भागीदारी होनी चाहिए।

बीएल वर्मा ने सामाजिक ढांचे को मजबूत करने व शिक्षा को बढ़ाने पर जोर दिया। प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री धर्मपाल सिंह ने कहा कि जो समाज शिक्षित एवं संगठित नहीं रहता उस समाज का विकास नहीं हो सकता। इसलिए शिक्षित बनें और संगठित होकर रहें। महासभा के प्रदेश महामंत्री विजय लोधी ने कहा कि साल 2011 की जनगणना में लोधी समाज की आबादी नौ प्रतिशत के करीब रही और इसकी संख्या में इजाफा भी हुआ। लेकिन, संख्या के आधार पर सरकार और राजनीति क्षेत्र में भागीदारी न के बराबर है। हमारी मांग है कि सरकार रोजगार, नौकरी और अन्य क्षेत्रा में बराबर की भागीदारी दें। विधायक टी राजा ने कहा कि अयोध्या में विवादित ढांचा गिराया नहीं गया होता तो श्री राम मन्दिर निर्माण का रास्ता प्रशस्त नहीं होता। लोधी समाज की संख्या को देखते हुए किसी भी राजनीतिक दल के द्वारा संगठन एवं सत्ता में भागीदारी नहीं मिलती है। हमारी मांग है हर क्षेत्र इसकी भागीदारी बढ़े। कार्यक्रम में विधायक विपिन कुमार वर्मा, डीसी वर्मा,अनीता राजपूत व अन्य शामिल हुए।

चांदी की कीमत में रिकॉर्ड गिरावट से तनाव में आए निवेशक, मनोचिकित्सक से साध रहे संपर्क

बरेली , एजेंसी। चांदी के भाव में बेहिसाब बढ़त के बाद रिकॉर्ड गिरावट से खरीदारों का मानसिक तनाव बढ़ रहा है। वित्तीय जानकारों से संतोषजनक जवाब न मिलने पर निवेशक मनोवैज्ञानिकों से संपर्क कर रहे हैं। बरेली में सप्ताह भर में आठ लोगों ने हेल्पलाइन नंबर पर कॉल करके तनाव से निजात पाने के उपाय पूछे हैं। जिला अस्पताल स्थित मनकक्ष के मनोचिकित्सक डॉ. आशीष कुमार के मुताबिक, पिछले करीब साल भर से सोने-चांदी के भाव तेजी से बढ़े। सामान्य निवेशकों से इतर तमाम आम लोगों ने फियर ऑफ मिसिंग आउट (फोमो) यानी कहीं मौका निकल न जाए... इस फेर में गाढ़ी कमाई से आर्थिक क्षमता के अनुरूप चांदी खरीद ली।

कई लोग ऐसे रहे जो लगातार कीमत में और बढ़त का इंतजार करते रहे जब भाव करीब चार लाख पहुंचे तब खरीदारी की। चार लाख का आंकड़ा छूने के बाद चांदी के भाव 2.60 लाख रुपये प्रतिकिलो तक आ गए हैं। ऐसे में इन निवेशकों को डर सताने लगा है कि जल्दबाजी का सौदा कहीं भारी न पड़े।

अन्य कार्यों के लिए सहेज कर रखे गए रुपये चांदी में निवेश करने वालों की स्थिति ज्यादा खराब है। नींद न आने से अन्य शारीरिक और व्यावहारिक परेशानियां हो रही हैं। इसमें चिड़चिड़ापन, आक्रामकता, अकेलापन, उदासी, चिंता, आत्मक्षति की स्थिति है।

केस-1- शाहजहांपुर रोड स्थित कॉलोनी की कामकाजी महिला ने चांदी के भाव 3.5 लाख रुपये पहुंचने पर खरीदारी की। भाव बढ़े तो निवेश पर खुश हुईं फिर भाव लुढ़कने से परेशान हो गईं। परिजन को निवेश का पता चला तो मानसिक तनाव से निजात के लिए काउंसलिंग के लिए पहुंचे हैं।

केस-2- इज्जतनगर निवासी सेवानिवृत्त कर्मचारी के परिवार में इसी वर्ष दिसंबर में शादी है। बढ़ते सराफा भाव पर इंतजार किया पर चार लाख भाव पहुंचने तक कहीं और महंगाई न बढ़ें इसी भय में खरीदारी की, अब भाव लुढ़क गए। मानसिक तनाव में आने पर काउंसलर से संपर्क किया।

अनिश्चित दौर में सुरक्षित निवेश की तलाश अहम वजह

डॉ. आशीष के मुताबिक, बीते दिनों सोने-चांदी के बढ़ते भाव सुर्खियों में रहे। रिश्तेदार, दोस्त, पड़ोसी आदि ने खरीदारी की तो कई लोगों को निवेश का सही वक्त प्रतीत हुआ। क्योंकि कीमतों में उछाल, शेयर बाजार में हलचल होती है तो गाढ़ी कमाई को सुरक्षित रखने की ओर आदमी बढ़ता है। पिछले वर्ष के भाव से तुलना में लाभ प्रतीत होने पर खरीदारी की। देश में सोना और चांदी निवेश के सुरक्षित विकल्प भी माने जाते हैं।

विशेषज्ञ बोले- दीर्घकालिक योजना के तहत निवेश करना चाहिए

वित्तीय जानकार विपुल मेहरोत्रा के मुताबिक, कीमतों के बढ़ने के दौरान तमाम लोगों ने बिना सोचे समझे महज भविष्य में महंगाई के भय, भरोसे और सामाजिक सोच से खुद को जोड़कर खरीदारी की। जिन्होंने मुनाफे की उम्मीद में बचत के बजट से चांदी खरीदी, उनके सामने आर्थिक संकट की स्थिति से इनकार नहीं कर सकते। कीमतें बढ़ें या घटें, जरूरत के अनुसार और दीर्घकालिक योजना के तहत निवेश करना चाहिए।

पर्यावरण शिक्षा में आगरा का डंका : 11 शिक्षक और 3 विद्यालय बने पर्यावरण मित्र, राष्ट्रीय स्तर पर चयन

आगरा, एजेंसी। पर्यावरण संरक्षण और सस्टेनेबिलिटी शिक्षा के क्षेत्र में जिले ने एक बार फिर राष्ट्रीय और क्षेत्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाई है। पर्यावरण शिक्षण केंद्र (सीईई) के विप्रो के सहयोग से संचालित अर्थियन कार्यक्रम के अंतर्गत, आगरा के 11 शिक्षकों का चयन क्षेत्रीय/राज्यस्तरीय अर्थियन पर्यावरण मित्र पुरस्कार के लिए किया गया है। वहीं, तीन विद्यालयों को राष्ट्रीय पर्यावरण मित्र पुरस्कार के लिए चुना गया है।

यह कार्यक्रम शिक्षकों को बच्चों के साथ मिलकर पर्यावरण संबंधी प्रोजेक्ट तैयार करने के लिए प्रोत्साहित करता है। कार्यक्रम के ट्रेनर डॉ. मनोज कुमार वार्ष्णेय ने बताया कि बच्चों ने कचरा एवं सस्टेनेबिलिटी, जल एवं सस्टेनेबिलिटी, तथा जैव विविधता एवं सस्टेनेबिलिटी जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर तैयार की गई परियोजनाओं की रिपोर्ट तैयार की जाती है। मूल्यांकन के आधार पर उत्कृष्ट कार्य करने वाले शिक्षकों और विद्यालयों का चयन पुरस्कारों के लिए होता है। उपलब्धि पर डायट प्राचार्य अनिरुद्ध यादव, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी जितेंद्र गोंड, सीईई की वरिष्ठ कार्यक्रम निदेशक प्रीति कन्नौजिया और स्टेट कोऑर्डिनेटर जितेंद्र पटेल ने शुभकामनाएं दीं।

इक्विटी म्यूचुअल फंड में गिरावट, गोल्ड और ऋण फंड में निवेश बढ़ा

- जनवरी में निवेश 24,028 करोड़, जो दिसंबर के 28,054 करोड़ की तुलना में 14 प्रतिशत कम

नई दिल्ली ।

जनवरी में इक्विटी म्यूचुअल फंड में निवेश 24,028 करोड़ रुपये रह गया, जो दिसंबर के 28,054 करोड़ रुपये की तुलना में 14 प्रतिशत कम है। यह लगातार दूसरा महीना है जब इक्विटी निवेश में गिरावट दर्ज की गई। कमजोर बाजार हालात और वैश्विक भू-राजनीतिक चिंताओं के बीच निवेशक सतर्क बने हुए हैं। अक्टूबर में इक्विटी निवेश 24,690 करोड़ रुपये था, जबकि नवंबर में यह 29,911 करोड़ रुपये था। इक्विटी निवेश में सुस्ती के बावजूद म्यूचुअल फंड उद्योग की कुल प्रबंध अधीन परिसंपत्तियां (एयूएम) बढ़कर 81.01 लाख करोड़ रुपये हो गईं, जो दिसंबर में 80.23 लाख करोड़ रुपये थी। जनवरी में उद्योग में कुल शुद्ध निवेश 1.56 लाख करोड़ रुपये दर्ज किया गया, जबकि दिसंबर में 66,591 करोड़ रुपये की निकासी हुई थी। फ्लेक्सी-कैप फंड में सबसे अधिक 7,672 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश हुआ। इसके बाद मिड-कैप फंड में 3,185 करोड़ रुपये और लार्ज व मिड-कैप फंड में 3,182 करोड़ रुपये का निवेश हुआ। लार्ज-कैप और स्मॉल-कैप फंड में क्रमशः 2,005 करोड़ और 2,942 करोड़ रुपये का निवेश दर्ज किया गया। कर बचत योजनाओं में 593.69 करोड़ रुपये की शुद्ध निकासी हुई, जो मुनाफावसूली और कर समायोजन को दर्शाती है।

गोल्ड एक्सचेंज ट्रेडेड फंड (ईटीएफ) में मांग तेजी से बढ़ी और निवेश दिसंबर के 11,647 करोड़ रुपये से बढ़कर जनवरी में 24,040 करोड़ रुपये हो गया। ऋण म्यूचुअल फंड में भी सुधार दिखा और जनवरी में 74,827 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश दर्ज हुआ, जबकि दिसंबर में इसमें 1.32 लाख करोड़ रुपये की निकासी हुई थी।

भारत को फार्मा नवाचार हब बनाने नियामकीय सुधार जरूरी: उद्योग दिग्गज

अनुमोदन प्रक्रिया को आसान और तेज करना जरूरी

नई दिल्ली ।

देश के फार्मास्युटिकल उद्योग के प्रमुखों ने कहा है कि भारत को नवाचार के क्षेत्र में आगे बढ़ाने के लिए तेज, सरल और भरोसेमंद नियामक तंत्र की आवश्यकता है। उद्योग ने आगाह किया कि मंजूरी में देरी, क्लीनिकल परीक्षणों का कमजोर बुनियादी ढांचा और घरेलू नवाचार की कम स्वीकार्यता भारत को वैश्विक प्रतिस्पर्धा में पीछे छोड़ रही है, जबकि चीन जैसे देश तेजी से मूल्य श्रृंखला में आगे बढ़ रहे हैं। सन फार्मा के एक प्रमुख अधिकारी ने बताया कि भारत में मंजूरी मिलने से पहले अक्सर चरण-1 के परीक्षण बेल्जियम या ऑस्ट्रेलिया में पूरे हो जाते हैं। इससे स्पष्ट होता है कि अगर देश नवाचार का हब बनना चाहता है तो अनुमोदन प्रक्रिया को आसान और तेज करना जरूरी है। उद्योग के दिग्गजों ने हाल ही में लागू की गई सरकारी योजनाओं का स्वागत किया। इनमें पीआरआईपी योजना और 1,000 क्लीनिकल परीक्षण केंद्रों को प्रमाणित करने की पहल शामिल है। उन्होंने कहा कि यह संकेत सकारात्मक हैं, लेकिन असली चुनौती इन पर प्रभावी अमल करना है। उद्योग के दिग्गजों ने मिलकर जोर दिया कि भारत को केवल जेनेरिक दवाओं तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि मूल्यवान नवाचार दवाओं के निर्माण की दिशा में तेजी से बढ़ना चाहिए।

उद्योग के दिग्गजों का मानना है कि भारत फार्मा नवाचार के क्षेत्र में वैश्विक नेतृत्व हासिल कर सकता है, यदि नियामकीय प्रक्रियाओं में सुधार, क्लीनिकल परीक्षणों का मजबूत ढांचा और नवाचार को प्रोत्साहन दिया जाए।

छमाही में कंपनियों का कैपेक्स 6 साल के उच्च स्तर पर

वित्त वर्ष 2026 की पहली छमाही में कंपनियों का पूंजीगत खर्च 13.1 फीसदी बढ़ा

नई दिल्ली ।

भारतीय कॉरपोरेट क्षेत्र में निवेश गतिविधियां तेज़ होती दिख रही हैं। चालू वित्त वर्ष 2026 की पहली छमाही में सूचीबद्ध कंपनियों के पूंजीगत खर्च (कैपेक्स) में उल्लेखनीय बढ़ोतरी दर्ज की गई है। बैंक, वित्त और बीमा (बीएफएसआई) तथा तेल एवं गैस क्षेत्र को छोड़ दें तो अन्य क्षेत्रों की कंपनियों की कुल स्थिर संपत्तियां इस अवधि में 13.1 फीसदी बढ़ीं, जो पिछले छह वर्षों में सबसे तेज़ वृद्धि है। 702 कंपनियों की कुल स्थिर संपत्तियां सितंबर 2025 के अंत तक बढ़कर 37.78 लाख करोड़ रुपये हो गईं। इससे पहले यह आंकड़ा वित्त वर्ष 2025 की समान अवधि में 33.41 लाख करोड़ रुपये और मार्च 2025 के अंत में 36.33 लाख करोड़ रुपये था। इसके मुकाबले वित्त वर्ष 2025 की पहली छमाही में कैपेक्स वृद्धि 7.9 फीसदी और दूसरी छमाही में 6.9 फीसदी रही थी। चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही में पूंजीगत खर्च में बढ़ोतरी का मुख्य श्रेय सीमेंट, बिजली, निर्माण एवं बुनियादी ढांचा, खनन, धातु और वाहन क्षेत्रों को जाता है। इस दौरान ग्रासिम इंडस्ट्रीज ने सबसे बड़ा योगदान दिया। इसके बाद अदाणी एंटरप्राइजेज, एनटीपीसी, टाटा स्टील और पावर ग्रिड का स्थान रहा। कुल कैपेक्स में इन पांच कंपनियों की हिस्सेदारी लगभग 30 फीसदी रही। ग्रासिम की स्थिर संपत्तियां सालाना आधार पर 30 फीसदी बढ़कर 1.25 लाख करोड़ रुपये हो गईं, जिसका बड़ा कारण उसकी सीमेंट इकाई अल्ट्राटेक सीमेंट का विस्तार है। अल्ट्राटेक की स्थिर संपत्तियां पहली छमाही में 41.2 फीसदी बढ़ीं। इसके अलावा कई कंपनियों में अधिग्रहण के चलते भी स्थिर संपत्तियों में तेज़ बढ़ोतरी दर्ज की गई। यदि रिलायंस इंडस्ट्रीज, इंडियन ऑयल और ओएनजीसी को शामिल किया जाए, तो इस अवधि में कॉरपोरेट कैपेक्स वृद्धि 20 फीसदी से अधिक रही।

पीएमआईएस में होगा बदलाव, इंटर्नशिप अवधि और आयु सीमा में कमी पर विचार

पायलट चरण में 1 लाख प्रशिक्षुओं की भागीदारी

नई दिल्ली । कॉरपोरेट कार्य मंत्रालय ने प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना (पीएमआईएस) की प्रायोगिक परियोजना में सुधारों का प्रस्ताव व्यय वित्त समिति को सौंपा है। मंत्रालय ने कहा कि योजना को उम्मीदवारों के लिए और अधिक सुलभ और आकर्षक बनाने के लिए इंटर्नशिप की अवधि और आयु सीमा में कमी पर विचार किया जा रहा है। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि योजना को पूरी तरह लागू करने से पहले इन बदलावों के साथ उसका परीक्षण किया जाएगा।

पायलट चरण में लगभग 1 लाख प्रशिक्षुओं को शामिल करने का लक्ष्य रखा गया है। वित्त वर्ष 2024-25 में 840 करोड़ रुपये के बजट के साथ योजना की प्रायोगिक परियोजना को मंजूरी दी गई थी। संसद में दिए गए जवाब के अनुसार, वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान 31 दिसंबर तक पायलट परियोजना में 64.91 करोड़ रुपये खर्च किए गए। अगले वित्त वर्ष 2026-27 के लिए योजना के लिए 4,800 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। इसी वर्ष मंत्रालय ने संशोधित अनुमान के तहत 10,831 करोड़ रुपये में से 541 करोड़ रुपये खर्च किए। पहले चरण में 1.81 लाख उम्मीदवारों से 6.21 लाख आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से 3,417 प्रशिक्षुओं ने इंटर्नशिप पूरी की। प्रायोगिक परियोजना के दोनों चरणों में कुल 7,094 उम्मीदवारों ने इंटर्नशिप बीच में छोड़ दी। दूसरे चरण में 4.55 लाख से अधिक आवेदन प्राप्त हुए।

आरबीआई ने एमएसई के लिए 20 लाख तक का कोलैटरल-फ्री लोन देने की घोषणा की

मुंबई ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने सूक्ष्म और लघु उद्यम (एमएसई) के लिए नए निर्देश जारी किए हैं। इन निर्देशों के तहत अब एमएसई 20 लाख रुपए तक का लोन बिना किसी संपत्ति को गिरवी रखे (कोलैटरल-फ्री) ले सकते हैं। यह संशोधन सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई) क्षेत्र को लोन देने संबंधी पुराने नियमों में बदलाव है। आरबीआई ने यह भी बताया कि ये नए निर्देश 1 अप्रैल 2026 से लागू होंगे। आरबीआई का उद्देश्य है कि सीमित संसाधनों वाले छोटे उद्यमों तक वित्तीय सहायता आसानी से पहुंचे। इससे वे अपने व्यवसाय का विस्तार कर सकेंगे और बैंकिंग सुविधाओं का लाभ उठा पाएंगे। इसके अलावा, यह कदम एमएसई क्षेत्र में लोन वितरण प्रक्रिया को तेज और आसान बनाने के लिए भी उठाया गया है। एमएसएमई उद्योगों को मदद देने के लिए सरकार ने भी नए कदम उठाए हैं। डाक चैनल के माध्यम से होने वाले निर्यात को अब आरओडीटीईपी और आरओएससीटीएल जैसे लाभों से जोड़ा गया है। इससे छोटे उद्योग जो डाक सेवा के जरिए विदेशों में सामान भेजते हैं, उन्हें शुल्क और करों में छूट मिलेगी। यह नियम 15 जनवरी 2025 से लागू हैं। छोटे उद्योगों को मिलेंगे फायदे- 20 लाख तक का कोलैटरल-फ्री लोन आसानी से मिलेगा, बैंकिंग प्रक्रिया सरल और तेज होगी, डाक चैनल से निर्यात करने वाले उद्योगों को वित्तीय और कर लाभ प्राप्त होंगे एवं एमएसई क्षेत्र का विकास और प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता बढ़ेगी। आरबीआई और सरकार के इन कदमों से छोटे और लघु उद्यमों को वित्तीय और बाजार में स्थिरता मिलने की संभावना है, जिससे देश के एमएसएमई क्षेत्र को मजबूती मिलेगी।

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले मंगलवार को भारतीय रुपया 20 पैसे की गिरावट के साथ ही 90.48 रुपये पर बंद हुआ। आज सुबह रुपया शुरुआती कारोबार में 11 पैसे गिरकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 90.77 पर पहुंच गया। भारत-अमेरिका अंतरिम व्यापार समझौते पर सहमति के बाद से मुद्रा बाजार में उत्साह की बजाय सतर्कता का माहौल बना हुआ है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया, अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 90.63 पर खुला। फिर और टूटकर 90.77 प्रति डॉलर पर आ गया जो पिछले बंद भाव से 11 पैसे की गिरावट दिखाता है। रुपया सोमवार को उतार-चढ़ाव भरा कारोबार करते हुए अंत में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 90.66 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.02 फीसदी की गिरावट के साथ 97.79 पर रहा।

ट्रेड डील के बाद विदेशी निवेशकों का भरोसा, भारतीय शेयर बाजार में बढ़ा

मुंबई । अमेरिका के साथ भारत की ट्रेड डील को लेकर जो समझौता हुआ है। इसका असर भारत के शेयर बाजार में देखने को मिल रहा है।विदेशी निवेशकों ने भारत के शेयर बाजार में निवेश करना शुरू कर दिया है। इससे बाजार में तेजी का माहौल देखने को मिल रहा है। ट्रेड डील के बाद विदेशी निवेशकों ने लगभग 15000 करोड रुपए के भारतीय कंपनियों के शेयर खरीदे हैं। जिसके कारण बाजार में एक बार फिर रौनक आ गई है।विदेशी निवेश आने के कारण डॉलर के मुकाबले रुपए में सुधार हुआ है।विदेशी निवेशक भारतीय बाजार में छोटी और मझोली कंपनियों के साथ-साथ लार्ज कैप में भी निवेश कर रहे हैं। भारत और अमेरिका के बीच जो अंतरिम व्यापार समझौता हुआ है। जिस तरह से आयात शुल्क कम करने की बात सामने आ रही है। भारत से सी-फूड, जेम्स ज्वेलरी, टेक्सटाइल, केमिकल्स, दवाएं और डिफेंस कंपनियों के शेयर में तेजी का माहौल देखने को मिल रहा है। माना जा रहा है कि ट्रेड डील के बाद भारत के आयात और निर्यात कारोबार मैं वृद्धि होगी। इसका असर भारतीय शेयर बाजार में देखने को मिल रहा है। आर्थिक विशेषज्ञों का मानना है। जिस तरह से दुनिया के देशों में आर्थिक अस्थिरता देखने को मिल रही है। ऐसी स्थिति में शेयर बाजार में सोच समझकर निवेश करने की जरूरत है। भारत के शेयर बाजार में एक ही समय पर तेजड़िये और मंदडिये सक्रिय हो जाते हैं। उसको देखते हुए शेयर बाजार में स्थिरता बनी रहेगी,यह कहना मुश्किल है।

बांग्लादेश-अमेरिका व्यापार समझौते से आरएमजी क्षेत्र को बड़ी राहत

ढाका ।

बांग्लादेश और अमेरिका ने व्यापार समझौते पर सहमति जताई है, जिसके तहत बांग्लादेश से आने वाले कुछ वस्त्र और परिधान उत्पादों पर अमेरिकी शुल्क को घटाकर 19 फीसदी कर दिया गया है। खासकर अमेरिका में उत्पादित कपास और मानव निर्मित फाइबर से बने रेडीमेड गारमेंट्स (आरएमजी) को शून्य शुल्क पर अमेरिकी बाजार में प्रवेश मिलेगा। यह समझौता नौ महीने की बातचीत के बाद हुआ है। समझौते में अमेरिका से गेहूं, सोयाबीन और एलएनजी आयात, ई-कॉमर्स पर शुल्क न लगाना, अमेरिकी बौद्धिक संपदा अधिकार मानकों का पालन और डब्ल्यूटीओ सुधारों में सहयोग जैसे प्रावधान शामिल हैं। अमेरिका में वाणिज्य सलाहकार शेख बशीर उद्दीन और अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि जैमीसन ग्रीर ने इस समझौते पर हस्ताक्षर किए। आरएमजी क्षेत्र बांग्लादेश की कुल निर्यात आय में 80 फीसदी से अधिक हिस्सेदारी रखता है। यह क्षेत्र लगभग 40 लाख लोगों को रोजगार देता है, जिनमें अधिकांश महिलाएं हैं, और सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में इसका योगदान करीब 10 फीसदी है। व्यापार विश्लेषकों का मानना है कि यह समझौता निर्यातकों के लिए बड़ी राहत है। समझौता ऐसे समय हुआ है जब बांग्लादेश में 12 फरवरी को आम चुनाव होने हैं। अमेरिकी शुल्क कटौती पर हाल ही में अमेरिका-भारत व्यापार समझौते का भी प्रभाव पड़ा हो सकता है। बांग्लादेश के मुख्य प्रतिस्पर्धी वियतनाम पर 20 फीसदी शुल्क, जबकि पाकिस्तान, कंबोडिया और इंडोनेशिया पर 19 फीसदी शुल्क लगाया गया है। बांग्लादेश ने अमेरिकी बोइंग से 25 विमान खरीदने की सहमति दी है, जिसकी अनुमानित लागत 30,000-35,000 करोड़ टका है। यह कदम अमेरिकी शुल्क में रियायत पाने के व्यापक प्रयासों का हिस्सा है।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 208 , निफ्टी 67 अंक ऊपर आया

मुंबई ।

भारतीय शेयर बाजार मंगलवार को बढ़त के साथ बंद हुआ। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन बाजार में ये तेजी दुनिया भर के बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीदारी हावी रहने से आई है। आज वाहन और धातु शेयरों में जमकर खरीदारी हुई जिससे बाजार को बल मिला। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स अंत में 208.17 अंक बढ़कर 84,273.92 और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 67.85 अंक उछलकर 25,935.15 पर बंद हुआ। आज निफ्टी ऑटो , निफ्टी मेटल , निफ्टी कंजप्शन, निफ्टी इंडिया डिफेंस , निफ्टी पीएसई और निफ्टी कमोडिटीज के शेयरों में तेजी रही जबकि फ्टी फार्मा, निफ्टी हेल्थकेयर और निफ्टी पीएसयू बैंक के शेयरों में गिरावट रही।

आज लार्जकैप के साथ मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में भी तेजी रही। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 294.75 अंक बढ़कर 60,735.90 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 65.30 अंक उछलकर 17,451.20 अंक पर बंद हुआ।

सेंसेक्स पैक में टाटा स्टील, एमएंडएम, पावर ग्रिड, टेक महिंद्रा, एनटीपीसी, एलएंडटी, टीसीएस, मारुति सुजुकी, एक्सिस बैंक, एचयूएल, आईसीआईसीआई बैंक, ट्रेंट, टाइटन, सन फार्मा और बजाज फिनसर्व के शेयरों को लाभ हुआ जबकि एचसीएल टेक, बजाज फाइनेंस, भारती एयरटेल, एशियन पेंट्स, एचडीएफसी बैंक, अल्ट्राटेक सीमेंट, आईटीसी, एसबीआई, इंडिगो और बीईएल के शेयर गिरे।

इससे पहले आज सुबह बाजार की मजबूती के साथ शुरुआत हुई। सुबह बीएसई सेंसेक्स अपने पिछले बंद स्तर से करीब 144 अंकों की तेजी के साथ 84,210 के स्तर पर खुला और शुरुआती कारोबार में 84,270 के आसपास पहुंच गया। वहीं निफ्टी 50 भी करीब 57 अंकों की बढ़त के साथ 25,922.65 के स्तर पर कारोबार शुरू किया। सुबह शुरुआत के बाद सेंसेक्स 200 से ज्यादा अंकों की मजबूती के साथ 84,270 के ऊपर ट्रेड करता दिखा। निफ्टी भी 56 अंकों की तेजी के साथ 25,924 के आसपास बना रहा। आजएशियाई बाजारों में जापान का निक्केई, दक्षिण कोरिया का कोस्पी और ऑस्ट्रेलिया के शेयर बाजार हरे निशान में कारोबार करते नजर आए।

क्रिस्टल क्रॉप प्रोटेक्शन गुजरात में लगाएगी नया कृषि-रसायन संयंत्र

- कंपनी ने गुजरात में 31 एकड़ भूमि खरीदी, कृषि-रसायन संयंत्र में करेगी 100 करोड़ का निवेश

नई दिल्ली । कृषि-रसायन क्षेत्र की कंपनी क्रिस्टल क्रॉप प्रोटेक्शन ने गुजरात के झगड़िया में 31.06 एकड़ भूमि खरीदी है। कंपनी अगले तीन वर्षों में इस स्थान पर स्वचालित विनिर्माण संयंत्र स्थापित करने के लिए 100 करोड़ रुपये निवेश करेगी। संयंत्र की प्रारंभिक उत्पादन क्षमता सालाना 50,000 टन होगी। बढ़ती मांग को देखते हुए इसे 1,20,000 टन तक बढ़ाया जा सकेगा। संयंत्र में आधुनिक तकनीक का उपयोग किया जाएगा। संयंत्र में खरपतवारनाशी, फफूंदनाशी और कीटनाशी तैयार किए जाएंगे। प्रमुख उत्पादों में टॉपर, टिल्ट, प्रोक्लेम, मिसाइल और एसीएम-9 शामिल हैं। कंपनी का लक्ष्य घरेलू बाजार के साथ एशिया और अफ्रीका में निर्यात बढ़ाना है। गुजरात को चयनित करने के पीछे कारण हैं किफायती लागत, नियामकीय स्थिरता और मजबूत आपूर्ति श्रृंखला। झगड़िया संयंत्र को दहेज, हजीरा और जेएनपीटी बंदरगाहों तक आसान पहुंच भी मिलेगी। क्रिस्टल क्रॉप प्रोटेक्शन के एक अधिकारी ने कहा कि यह संयंत्र कंपनी की वैश्विक प्रतिबद्धता और उत्पादन क्षमता को और मजबूत करेगा।

हैप्पिएस्ट माइंड्स मुनाफा 19.6 प्रतिशत घटकर 40.3 करोड़ हुआ

नई दिल्ली । सूचना प्रौद्योगिकी कंपनी हैप्पिएस्ट माइंड्स टेक्नोलॉजीज का अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में एकीकृत शुद्ध लाभ 19.56 प्रतिशत घटकर 40.3 करोड़ रुपये रह गया। पिछली वित्त वर्ष (2024-25) की समान तिमाही में यह 50.1 करोड़ रुपये था। कंपनी के अनुसार यह गिरावट मुख्य रूप से नए श्रम संहिता के लागू होने से जुड़े एकमुश्त प्रभाव (22.03 करोड़ रुपये) के कारण आई। समीक्षाधीन तिमाही में कंपनी की परिचालन आय 10.69 प्रतिशत बढ़कर 587.56 करोड़ रुपये रही, जबकि पिछली तिमाही में यह 530.81 करोड़ रुपये थी। तिमाही आधार पर आय में 2.43 प्रतिशत की वृद्धि हुई। कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि मजबूत नकदी प्रवाह और एआई फर्स्ट दृष्टिकोण के साथ दीर्घकालिक मूल्य सृजन पर ध्यान जारी है। कंपनी एआई और जेन एआई में निवेश बढ़ाएगी और वित्त वर्ष 2026-27 तक 1000 से अधिक लोगों का समर्पित दल बनाने की योजना रखती है।

मोटर वाहन बिक्री में जोरदार उछाल, ग्रामीण बाजार में मांग बढ़ी

- जनवरी में यात्री वाहन बिक्री 5,13,475 इकाई रही, एक साल पहले 4,78,915 से 7 प्रतिशत अधिक

नई दिल्ली ।

देश में जनवरी 2026 में मोटर वाहनों की खुदरा बिक्री में सालाना आधार पर लगभग 18 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई। वाहन डीलर निकाय फाडा के अनुसार कुल बिक्री 27,22,558 इकाई रही, जो जनवरी 2025 की 23,14,940 इकाई की तुलना में 17.61 प्रतिशत अधिक है। यह वृद्धि ग्रामीण क्षेत्रों में बेहतर नकदी प्रवाह, जीएसटी में बदलाव के बाद नीति स्थिरता और मालवाहन मांग में स्पष्टता से जुड़ी है। जनवरी में यात्री वाहन बिक्री 5,13,475 इकाई रही, जो एक साल पहले की 4,78,915 इकाई से 7 प्रतिशत अधिक है। फाडा के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि ग्रामीण क्षेत्रों में सालाना आधार पर बिक्री 14.43 प्रतिशत बढ़ी, जबकि शहरी क्षेत्र में सिर्फ 2.75 प्रतिशत की वृद्धि हुई। इस वृद्धि में एसयूवी/कॉम्पैक्ट एसयूवी की लोकप्रियता, छोटी कारों की वापसी और उत्पाद उपलब्धता का योगदान रहा। दो-पहिया वाहनों की खुदरा बिक्री में सालाना 21 प्रतिशत की वृद्धि हुई और यह 18,52,870 इकाई तक पहुंच गई। ट्रैक्टर की बिक्री भी 23 प्रतिशत बढ़कर 1,14,759 इकाई हो गई। विग्नेश्वर ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में त्योहारों, शादी के मौसम और बेहतर वहनीयता से मांग में इजाफा हुआ है। तीन-पहिया वाहनों की बिक्री में 19 प्रतिशत और वाणिज्यिक वाहनों में 15 प्रतिशत की बढ़ोतरी देखी गई। इन आंकड़ों से मालवाहन और छोटे व्यवसायों में मांग की स्थिरता का संकेत मिलता है। फाडा के सर्वेक्षण के अनुसार, 79.7 प्रतिशत डीलर आगामी तीन महीनों में बिक्री वृद्धि की उम्मीद कर रहे हैं, जबकि केवल 1.88 प्रतिशत ने गिरावट की आशंका जताई। जीएसटी में बदलाव, कृषि और बुनियादी ढांचा पर जोर देने वाला बजट, और ब्याज दरों की स्थिरता से वाहन खरीद में उत्साह बढ़ा है।

एक्मे सोलर को मध्य प्रदेश में 220 मेगावाट की सौर परियोजना मिली

नई दिल्ली । एक्मे सोलर होल्डिंग्स को मध्य प्रदेश के मुरैना सोलर पार्क में 220 मेगावाट की सौर परियोजना मिली है। इस परियोजना में बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली (बीईएसएस) भी शामिल होगी। यह परियोजना रीवा अल्ट्रा मेगा सोलर लिमिटेड द्वारा जारी 440 मेगावाट की निविदा का हिस्सा है। परियोजना के लिए निविदा दर-आधारित प्रतिस्पर्धी प्रक्रिया के तहत जारी की गई थी। नीलामी सितंबर 2025 में इलेक्ट्रॉनिक रिवर्स तरीके से आयोजित की गई। परियोजना का अधिकतम वार्षिक क्षमता उपयोग कारक 35 प्रतिशत है। सुबह और शाम दो-दो घंटे, कुल चार घंटे की उच्चतम मांग आपूर्ति सुनिश्चित करनी होगी। इस दौरान बिजली की सालाना 95 प्रतिशत उपलब्धता अनिवार्य है। परियोजना 25 साल की विद्युत खरीद संधि (पीपीए) के तहत संचालित होगी। इसमें सौर ऊर्जा और बैटरी भंडारण तकनीक का संयोजन होगा। विद्युत खरीद संधि मध्य प्रदेश पावर मैनेजमेंट कंपनी लिमिटेड और रीवा अल्ट्रा मेगा सोलर लिमिटेड के साथ होगी।

टी20 विश्वकप में परिवार को साथ नहीं रख पायेंगे भारतीय खिलाड़ी

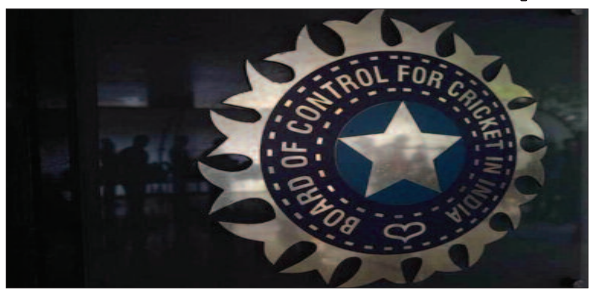

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने कहा है कि टी20 विश्वकप के दौरान खिलाड़ी अपने परिवारों को साथ नहीं रख पायेंगे। विश्वकप में भारतीय टीम ग्रुप स्तर के तीन मुकाबले अपनी ही धरती पर खेलेगी। बीसीसीआई ने ऑस्ट्रेलिया दौरे में खराब प्रदर्शन के बाद ये नियम बना दिया था कि 45 दिनों से ज्यादा चलने वाली सीरीज या टूर्नामेंट में ही परिवार के सदस्य खिलाड़ियों के साथ 14 दिनों तक रह सकते हैं। वहीं छोटे दौरे के लिए यह सीमा घटाकर केवल सात दिन कर दी गई है। टीम प्रबंधन ने क्रिकेटरों के परिवारों को उनके साथ रहने की इजाजत देने के बारे में बीसीसीआई से अनुमति मामंगी थी पर बोर्ड ने जवाब दिया कि खिलाड़ी परिवार के साथ नहीं रह सकेंगे। रहेंगे पर अगर वे चाहें तो परिवार अलग से रह सकता है।

टीम तीन चरण में खेलगी उसे तीन मैच घर पर और एक मैच कोलंबो में खेलेगा। यह मैच भारत पाकिस्तान के खिलाफ होगा। खिलाड़ियों के साथ पत्नियों और परिवारों को टूर पर जाने से रोकने का फैसला पिछले जनवरी में फिर से लागू किया गया था। इसे कोविड-19 महामारी के दौरान रद्द कर दिया गया था।

टीम के 2024-25 के ऑस्ट्रेलिया दौरे में खराब प्रदर्शन के बाद कहा गया था कि परिवार के साथ रहने से खिलाड़ी का ध्यान बंटता है और वह अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नहीं कर पाता। इसके अलावा, बीसीसीआई ने एक नियम और बनाया है जिसके तहत कहा गया था कि खिलाड़ियों को हर समय टीम के साथ यात्रा करनी होगी।

टी20 विश्वकप : डि लीडे के हरफनमौला प्रदर्शन से नीदरलैंड ने नामीबिया को सात विकेट से हराया

नई दिल्ली (एजेंसी)। मंगलवार को दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में खेले गए आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप 2026 के 10वें मैच में, बास डी लीडे के शानदार ऑलराउंड प्रदर्शन की बदौलत नीदरलैंड्स ने नामीबिया पर सात विकेट से जीत दर्ज की। पाकिस्तान से पहले मैच में मिली करीबी हार के बाद, नीदरलैंड्स ने नामीबिया पर शानदार जीत के साथ टी20 विश्व कप में अपनी उम्मीदों पर फिर से सवार हो गया। इस जीत के सूत्रधार बास डी लीडे रहे, जो नीदरलैंड्स के लिए बल्ले और गेंद दोनों से सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी साबित हुए। उन्होंने गेंद से नामीबिया को ध्वस्त कर दिया (3 ओवर में 2/20) और फिर पांच चौकों और चार छक्कों सहित 48 गेंदों पर शानदार नाबाद 72 रनों की पारी खेलकर नीदरलैंड्स को लक्ष्य के करीब पहुंचाया।

पहले फील्डिंग करने का विकल्प चुनते हुए, डच गेंदबाजों को तुरंत सफलता मिली क्योंकि आर्यन दत्त (3 ओवर में 1/13) ने नामीबिया के सलामी बल्लेबाज लॉरेन स्टीनकैंप को जल्दी आउट कर दिया। पावरप्ले में नामीबिया को लय हासिल करने में काफी संघर्ष करना पड़ा और 6 ओवर के बाद उसका स्कोर मात्र 40/1 रहा। जान निकोल लॉफ्टी-ईटन (38 गेंदों में 42 रन) और जान फ्रायलिंक (26 गेंदों में 30 रन) ने पारी को संभालने का प्रयास किया, लेकिन नीदरलैंड की अनुशासित गेंदबाजी ने रन रेट को नियंत्रण में रखा।

मध्य ओवर बास डी लीड और लोगान वैन बीक (3 ओवर में 2/13) के नाम रहे, जिन्होंने मिलकर चार विकेट लिए। डी लीड ने खतरनाक गेरहार्ड इरास्मस और जेजे स्मिट को आउट किया। नामीबिया अंततः 20 ओवर में 156/8 के प्रतिस्पर्धी लेकिन कम स्कोर पर समाप्त हुआ। मैक्स ओ'डॉउड के बर्नार्ड स्कोल्ट्ज़ के हाथों जल्दी आउट होने के बावजूद, डच टीम ने लक्ष्य का पीछा करते हुए अच्छी शुरुआत की। माइकल लेविट (15 गेंदों में 28 रन) ने जल्दी बल्लेबाजी करते हुए आउट हो गए, जिससे नीदरलैंड्स का स्कोर छह ओवरों में 50/2 हो गया।

इसके बाद, बास डी लीड का जलवा रहा। कॉलिन एकरमैन (28 गेंदों में 32 रन) के साथ साझेदारी करते हुए, डी लीड ने संयम से पारी को संभाला और फिर तेजी से रन बनाने लगे। उन्होंने मात्र 38 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया। हालांकि एकरमैन लॉफ्टी-ईटन के हाथों आउट हो गए, लेकिन परिणाम को लेकर कोई संदेह नहीं था। डी लीड (48 गेंदों में 72*) और कप्तान स्कॉट एडवर्ड्स (9 गेंदों में 18*) ने 12 गेंद शेष रहते लक्ष्य हासिल कर लिया और एक शानदार चौके के साथ मैच समाप्त किया।

सिफर्ट और एलन की ताबड़तोड़ पारी, न्यूजीलैंड ने यूएई को 10 विकेट से रौंदा

चेन्नई। टिम सिफर्ट (नाबाद 89) और फिन एलन (नाबाद 84) की आक्रामक पारियों और दोनों के बीच पहले विकेट के लिए 92 गेंद में 175 रन की रिकॉर्ड साझेदारी ने न्यूजीलैंड ने आईसीसी टी20 विश्व कप मैच में मंगलवार को यहां 28 गेंद शेष रहते संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) को 10 विकेट से शिकस्त देकर लगातार दूसरी जीत दर्ज की। यूएई को छह विकेट पर 173 रन पर रोकने के बाद न्यूजीलैंड ने महज 15.2 ओवर में बिना किसी नुकसान के 175 रन बनाकर एकतरफा जीत दर्ज की। न्यूजीलैंड की यह लगातार दूसरी जीत है। टीम ने इससे पहले अफगानिस्तान को हराया था। 'प्लेयर ऑफ द मैच' सिफर्ट ने 42 गेंद की नाबाद पारी में 12 चौके और तीन छक्के लगाये। एलन ने 50 गेंद की नाबाद पारी में पांच छक्के और इतने ही चौके लगाये, इसके साथ उन्होंने टी20 अंतरराष्ट्रीय में 100 छक्के पूरे किए। इस जोड़ी ने पारी की शुरुआत से ही आक्रामक रूख अपनाते हुए यूएई के गेंदबाजों को कोई मौका नहीं दिया। दोनों की 175 रन की साझेदारी टी20 विश्व कप में किसी भी विकेट के लिए सर्वश्रेष्ठ साझेदारी है। कप्तान मोहम्मद वसीम (नाबाद 66) और अलीशाह शराफू (55) की अर्धशतकीय पारियों और दोनों के बीच दूसरे विकेट के लिए 107 रन की साझेदारी से संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने छह विकेट पर 173 रन बनाए।

टी20 वर्ल्ड कप के बीच श्रीलंका के लिए बुरी खबर, स्टार खिलाड़ी वानिंदु हसरंगा गंभीर चोट के कारण बाहर

नई दिल्ली। श्रीलंका को बड़ा झटका लगा है। स्टार ऑलराउंडर वानिंदु हसरंगा आयरलैंड के खिलाफ टूर्नामेंट के पहले मैच में लगी हैमस्ट्रिंग की चोट के कारण टी20 विश्व कप 2026 के शेष मैचों से बाहर हो गए हैं। एमआरआई स्कैन में उनकी बाईं हैमस्ट्रिंग में गंभीर चोट का पता चलने के बाद हसरंगा अब टूर्नामेंट से बाहर हो जाएंगे। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि एमआरआई रिपोर्ट को यूके के एक विशेषज्ञ ने पहले ही देख लिया था। फिलहाल, श्रीलंका टूर्नामेंट में उनकी जगह दुशान हेमंथा को शामिल कर सकता है। हसरंगा अपनी हैमस्ट्रिंग की चोट से जूझते हुए भी गेंद से शानदार प्रदर्शन करते हुए आयरलैंड के खिलाफ श्रीलंका की 20 रन की करीबी जीत में अपने चार ओवरों में 25 रन देकर तीन विकेट लिए। मैच की दूसरी गेंद फेंकने के तुरंत बाद ही हैमस्ट्रिंग की समस्या से जूझते हुए हैसरंगा को परेशानी होने लगी और इस वजह से उनकी गेंदबाजी में भी दिक्कत आ रही थी। हालांकि, उन्होंने जबरदस्त प्रभाव छोड़ा और श्रीलंका की पारी में अहम भूमिका निभाई, जिससे आयरलैंड 164 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए आखिरी कुछ ओवरों में ढेर हो गया। उन्होंने रॉस एडायर, हैरी टेक्टर और कर्टिस कैम्फर जैसे खिलाड़ियों को आउट किया और गेंद से बेहतरीन प्रदर्शन किया।

पीएम मोदी से मिलने के बाद रवींद्र जडेजा की पहली प्रतिक्रिया आई सामने

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा, अपनी पत्नी रीवाबा जडेजा और गुजरात की ट्राइबल डेवलपमेंट, प्राइमरी, सेकेंडरी और एडल्ट एजुकेशन मिनिस्टर के साथ मंगलवार को नई दिल्ली में पार्लियामेंट हाउस में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिले। जडेजा ने अपनी मीटिंग की तस्वीरें पोस्ट करते हुए X पर लिखा, 'माननीय पीएम श्री नरेंद्र मोदी सर से मिलना और बातचीत करना बहुत गर्व और सम्मान की बात है। उनके विचारों की स्पष्टता, उत्साह और बेहतरीन काम के लिए कमिटमेंट बहुत प्रेरणा देने वाला है। ऐसी लीडरशिप से सीखना गर्व की बात है।'

यह मीटिंग ऐसे समय में हुई जब जडेजा भारतीय क्रिकेट के सीनियर खिलाड़ियों में से एक हैं, जिन्हें सोमवार को घोषित BCCI की सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट लिस्ट की एलीट A कैटेगरी में रखा गया है। वह टेस्ट और वनडे कप्तान शुभमन गिल और जसप्रीत बुमराह के साथ यह दर्जा पाने वाले केवल तीन खिलाड़ियों में से एक थे। टी20 वर्ल्ड कप 2024 के बाद रोहित शर्मा और विराट कोहली के 20 ओवर के खेल से रिटायरमेंट के बाद जडेजा ने टी20 इंटरनेशनल मैचों से दूरी बना ली है और सबसे छोटे फॉर्मेट में अपने करियर को अलविदा कह दिया है। इस वजह से वह भारत और श्रीलंका की को-होस्टिंग में चल रहे ICC टी20 वर्ल्ड कप 2026 में भारत की टीम का हिस्सा नहीं हैं।

टी20 वर्ल्ड कप: पाकिस्तान सरकार का यू-टर्न!

15 फरवरी को खेला जाएगा भारत-पाक के बीच हाई वोल्टेज मैच

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान सरकार ने पुरुष क्रिकेट टीम को आईसीसी मेंस टी20 वर्ल्ड कप में भारत के खिलाफ अपना तय मैच खेलने की इजाजत दे दी है। यह मुकाबला 15 फरवरी को कोलंबो के आर प्रेमदासा स्टेडियम में खेला जाना है।

उल्लेखनीय है कि बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने आईसीसी से अपने मुकाबले भारत के बजाय किसी अन्य वेन्यू पर शिफ्ट करने की अपील की थी, लेकिन आईसीसी ने बीसीबी की अपील को ठुकरा दिया, जिसके बाद बांग्लादेश के स्थान पर स्कॉटलैंड को टी20 वर्ल्ड कप 2026 में शामिल किया गया।

इसके बाद पाकिस्तान सरकार ने पहले टीम से कहा था कि भारत के खिलाफ मैच न खेले, ताकि बांग्लादेश को समर्थन दिखाया जा सके, लेकिन आईसीसी की ओर से भारत के मैच का बहिष्कार करने की पाकिस्तान की धमकी पर कड़ा रुख अपनाने और बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) और श्रीलंका सरकार की ओर से पाकिस्तान से अपने फैसले पर फिर से विचार करने के अनुरोध के बाद, प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने पाकिस्तान पुरुष टीम को मैच खेलने की इजाजत दे दी है।

पाकिस्तान सरकार ने कहा कि उसने बांग्लादेश और श्रीलंका के अनुरोधों के कारण अपनी टीम को 15 फरवरी का मैच खेलने की अनुमति दी है।

पाकिस्तान सरकार ने कहा, 'पाकिस्तान सरकार ने बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड द्वारा पीसीबी को भेजे गए औपचारिक अनुरोधों के साथ-साथ श्रीलंका, संयुक्त अरब अमीरात और अन्य सदस्य देशों के समर्थन संदेशों की समीक्षा की है। इन संदेशों में हाल की चुनौतियों का एक समाधान खोजने में पाकिस्तान के नेतृत्व की मांग की गई थी। सरकार ने बीसीबी अध्यक्ष अमीनुल इस्लाम के बयान पर भी गौर किया। हमारे भाईचारे वाले देश की ओर से व्यक्त की गई गहरी कृतज्ञता को बहुत गर्मजोशी से स्वीकार किया गया। पाकिस्तान इस बात की पुष्टि करता है कि वह बांग्लादेश के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा है।

बयान में कहा गया है, 'रविवार शाम, प्रधानमंत्री ने श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके से टेलीफोन पर बात की। अपनी गर्मजोशी भरी और मैत्रीपूर्ण बातचीत के दौरान, उन्होंने याद किया कि पाकिस्तान और श्रीलंका हमेशा कंधे से कंधा मिलाकर खड़े रहे हैं, खासकर चुनौतीपूर्ण समय में। श्रीलंका के राष्ट्रपति ने प्रधानमंत्री से मौजूदा गतिरोध को सौहार्दपूर्ण ढंग से हल करने पर गंभीरता से विचार करने का अनुरोध किया।'

सोमवार रात को पाकिस्तान सरकार की ओर से जारी एक बयान में कहा गया, 'बहुपक्षीय चर्चा के नतीजों और मित्र देशों के अनुरोध को देखते हुए, पाकिस्तान सरकार पाकिस्तान नेशनल क्रिकेट टीम को आईसीसी मेंस टी20 वर्ल्ड कप में अपने तय मैच के लिए 15 फरवरी 2026 को मैदान में उतरने का निर्देश देती है।'

यूएफा महिला चैंपियंस लीग खेलने वाली पहली भारतीय महिला फुटबॉलर हैं मनीषा, एलियांजा लीमा क्लब से खेलेंगी

लीमा। भारतीय महिला फुटबॉलर मनीषा कल्याण मनीषा यूएफा महिला चैंपियंस लीग में खेलने वाली पहली भारतीय फुटबॉलर हैं। इसके बाद से ही उन्हें विदेशी लीग से प्रस्ताव मिलने शुरु हुए। अब मनीषा पेरु के क्लब एलियांजा लीमा से खेलती हुई नजर आयेंगी। मिडफील्डर मनीषा ने हाल ही में इस क्लब से करार किया है। मनीषा के अनुसार इससे उन्हें काफी कुछ सीखने का अवसर मिलेगा। मनीष के अनुसार वह इस टीम की ओर से सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन का प्रयास करेंगी। उन्होंने कहा, ''मैं इस क्लब में आकर बहुत खुश हूं। मुझे उनका खेलने का अंदाज काफी अच्छा लगता है ।मैं अब इस नई चुनौती को लेकर बेहद उत्साहित हूं। वहीं क्लब एलियांजा ने कहा, ''मनीषा के साथ करार से हमें खुशी हुई है। उनके आने से हैं टीम को मजबूत मिलेगी। उन्होंने यूरोपीय फुटबॉल के शीर्ष स्तर पर खेला है जिसका लाभ क्लब को मिलेगा।''साथ ही कहा, ''कल्याण ने क्लब और राष्ट्रीय टीम दोनों स्तर पर शानदार प्रदर्शन किया है। उनके पेशेवर करियर में भारत, साइप्रस और यूनान की लीग में खेलने का अनुभव शामिल है।''वहीं मनीषा ने कहा कि उसका प्रयास क्लब के लिए बेहतर प्रदर्शन करना रहेगा। उनका ध्यान अपना सौ फीसदी देने पर रहेगा।

कतर ओपन : झेंग की दमदार वापसी, एंड्रीएवा अंतिम–16 में

दोहा। ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता झेंग किनवेन ने चोट से वापसी करते हुए कतर ओपन टेनिस टूर्नामेंट में शानदार जीत दर्ज की। झेंग ने सोमवार को खेले गए मुकाबले में 2020 ऑस्ट्रेलियन ओपन विजेता सोफिया केनिन को तीन सेटों के संघर्षपूर्ण मैच में 4–6, 6–1, 6–2 से हराकर दूसरे दौर में प्रवेश किया। अब उनका सामना एलिसिया पार्क्स से होगा। सितंबर पिछले साल के बाद पहली बार प्रतिस्पर्धी टेनिस में उतरीं झेंग इस समय विश्व रैंकिंग में 26वें स्थान पर हैं। सीजन के अपने पहले ही मैच में उन्होंने 20 ऐस जमाकर जोरदार संदेश दिया। मैच के बाद झेंग ने कहा, 'चोट के बाद वापसी कभी पूरी तरह दर्द–मुक्त नहीं होती। लेकिन मुझे लगता है कि मेरी कोहनी सही दिशा में ठीक हो रही है। मैं अच्छी स्थिति में हूं और दो घंटे तक सर्व करते हुए खेल जारी रख सकती हूं।' उधर, पांचवीं वरीयता प्राप्त मिर्रा एंड्रीएवा ने राउंड ऑफ 64 में बाई मिलने के बाद अपने अभियान की शुरुआत जीत के साथ की। उन्होंने मग्दा लिनेट को 7–6 (7/0), 6–1 से हराकर अंतिम–16 में जगह बनाई। दिन के मुकाबलों में कुछ बड़े उलटफेर भी देखने को मिले। तीसरी वरीयता प्राप्त अमांडा एनिसिमोवा करोलिना प्लिस्कोवा के खिलाफ तीसरे सेट में पिछड़ते हुए मुकाबले से हट गईं। वहीं, पूर्व यूएस ओपन चैंपियन एमा राडुकानू को भी कैमिला ओसोरियो के खिलाफ निर्णायक सेट में रिटायर होना पड़ा। मंगलवार को शीर्ष दो वरीयता प्राप्त इगा स्वियातेक और एलेना रयबाकिना राउंड ऑफ 32 में अपने–अपने अभियान की शुरुआत करेंगी। चौथी वरीयता कोको गॉफ भी सिंगल्स में अपना पहला मुकाबला खेलेंगी। गॉफ को सोमवार को उभरती स्टार विक्टोरिया म्बोको के साथ डबल्स में हार का सामना करना पड़ा था।

डी कॉक ने धोनी के एक विश्व रिकार्ड की बराबरी की

नई दिल्ली। दक्षिण अफ्रीका के विकेटकीपर बल्लेबाज क्विंटन डी कॉक कनाडा के खिलाफ हुए टी20 विश्वकप क्रिकेट मैच में बल्लेबाजी में तो असफल रहे पर उन्होंने इस मैच में भारतीय टीम के पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी के एक विश्व रिकार्ड की जरुर बराबरी कर ली। डी कॉक ने कनाडा के खिलाफ हुए मुकाबले में दो कैच पकड़े। इसी के साथ उन्होंने धोनी के टी20 विश्वकप में विकेटकीपर के तौर पर सबसे अधिक 32 खिलाड़ियों को आउट करने के रिकार्ड की बराबरी कर ली। अब डी कॉक के पास अगले मैच में धोनी का रिकार्ड तोड़ने का अच्छा अवसर है।

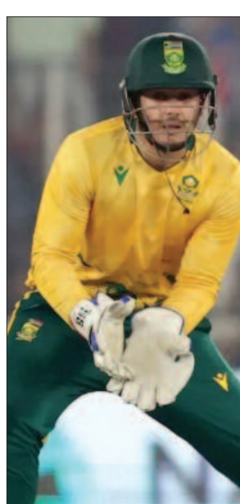

टी20 विश्वकप में विकेटकीपर के तौर पर सबसे ज्यादा आउट करने वाले खिलाड़ियों में तीसरे नंबर पर पाकिस्तान के विकेटकीपर बल्लेबाज कामरान अकमल हैं। कामरान ने विकेट के पीछे 30 शिकार किये हैं। वहीं वेस्टइंडीज के दिनेश रामदीन चौथे 27 और श्रीलंके के पूर्व कप्तान कुमार संगाकारा 26 शिकार के साथ ही पांचवें पायदान पर हैं। मैच की बात करें तो दक्षिण अफ्रीका ने कप्तान एडन मार्करम के 59 रनों की पारी से निर्धारित 20 ओवर में 4 विकेट के नुकसान पर 213 रन बनाए। वहीं कनाडा की ओर से अंश पटेल ने 31 रन देकर 3 विकेट लिए। इसके बाद जीत के लिए मिले 214 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए कनाडा की टीम 20 ओवर में 8 विकेट के नुकसान पर 156 रन पर ही आउट हो गयी। केवल नवनीत धालीवाल ही 64 बना पाये। वहीं बाकि बल्लेबाज असफल रहे।

टी20 विश्वकप : वेस्टइंडीज के खिलाफ जीत के इरादे से उतरेगी इंग्लैंड

मुंबई (एजेंसी)। इंग्लैंड की टीम बुधवार को ग्रुप सी के अपने दूसरे मैच में वेस्टइंडीज के खिलाफ बड़ी जीत के इरादे से उतरेगी। इंग्लैंड को पहले मैच में नेपाल जैसी कमजोर टीम के खिलाफ कड़ा संघर्ष करने के बाद भी केवल 4 रनों से ही जीत मिली थी। ऐसे में उसका लक्ष्य वेस्टइंडीज के खिलाफ मैच में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना रहेगा। उसके लिए ये इतना भी कठिन नहीं है क्योंकि वेस्टइंडीज टीम भी काफी कमजोर है और उसके खिलाड़ी लय में नहीं हैं।

टी20 में हालांकि किसी भी टीम को कम नहीं आंका जा सकता है। हैरी ब्रुक की कप्तानी वाली इंग्लैंड टीम के पास सैम करन जैसे अच्छा गेंदबाज है। नेपाल के खिलाफ सैम ने अंतिम ओवर में केवल 5 रन ही देकर अपनी टीम को जीत दिलायी थी। उन्होंने अंतिम ओवर में लाइन और लेंथ से नेपाल के बल्लेबाजों को रन बनाने का कोई अवसर नहीं दिया। इंग्लैंड के बल्लेबाजों ने हालांकि मैच में अच्छा प्रदर्शन किया था पर उसके स्पिनर आदिल राशिद और तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर प्रभावित नहीं कर पाये। इससे नेपाल के बल्लेबाज मैच को अंत तक ले जाने में सफल रहे। मैच में कप्तान हैरी और युवा जैकब बेथेल ने अर्धशतक लगाए। इसके अलावा अन्य बल्लेबाजों ने भी अच्छा प्रदर्शन किया। इंग्लैंड की टीम इस मैच में अपना रन औसत भी बेहतर करना चाहेगी। नेपाल के खिलाफ जीत के बाद भी उसका औसत 0.200 है और वह तीसरे स्थान पर हैं जबकि स्कॉटलैंड दो अंकों और 0.950 के नेट रन औसल के साथ दूसरे स्थान पर है। वहीं वेस्टइंडीज के भी दो अंक हैं और उसका नेट रन औसत 1.750 है। दूसरी ओर वेस्टइंडीज जानता है कि इस मैच में उसे हर हाल में जीतना होगा।

वानखेड़े स्टेडियम में छोटी बाउंड्री से भी इस मैच में रनों को बनाना आसान रहेगा। वेस्टइंडीज ने अपने पहले मैच में शिमरोन हेटमायर के अर्धशतक 64 रनों के अलावा रोमारियो शेफर्ड के पांच विकेटों की सहायता से स्कॉटलैंड को हराया था पर उसे इसके लिए काफी संघर्ष करना पड़ा था। ऐसे में अगर उसे इस मैच में जीतना है तो सभी खिलाड़ियों को अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा।

सूर्यकुमार ने कप्तान के तौर पर अपने को साबित किया : गंभीर

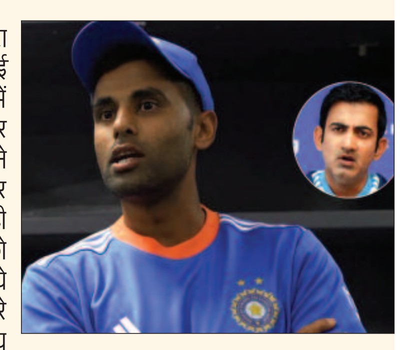

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने कप्तान सूर्यकुमार यादव की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि वह मेरा काम आसान कर देते हैं। गंभीर ने कहा कि टी20 प्रारुप में कप्तान बनाये जाने के बाद से ही सूर्या ने अपनी जिम्मेदारी काफी अच्छे से निभाई है। वह हर प्रकार से सफल रहे है। दबाव के बीच भी उनकी नेतृत्व क्षमता को सभी ने देखा है। एक वीडियो में गंभीर ने कहा कि टीम में सूर्यकुमार जैसे आक्रामक बल्लेबाज से भारतीय टीम को काफी लाभ होता है। टीम के लिए ये खुशी की बात है कि उसे ऐसा कप्तान और बल्लेबाज मिला है जो संयमित रहते हुए सभी का सही उपयोग करता है। इससे कोच के तौर पर मेरा काम भी आसान हो गया है। गंभीर ने कहा, 'सूर्यकुमार ने इस प्रारूप में मेरा काम कर कर दिया है। वह लोगों के लिए एक बेहतरीन कप्तान हैं, यह केवल नहीं कि वह मैदान पर क्या करते हैं, या बल्लेबाज के रूप में कैसे हैं, या उनके शॉट्स इस प्रारूप में किस प्रकार के हैं।' कोच के तौर पर दिमाग में कई बातें चल रही होती हैं पर सूर्यकुमार माहौल को शांत बनाए रखते है, जो हर कोच चाहता है।' सूर्यकुमार ने पहले ही मैच में अमेरिका के खिलाफ पारी को संभालकर टीम को जीत दिलायी। उन्होंने एक छोर से विकेटों के गिरने के बची भी 49 गेंदों में नाबाद 84 रन बनाकर टीम को मैच में बनाये रखा। गंभीर ने कहा, 'मेरे लिए खिलाड़ी सूर्यकुमार को अलग रखा जा सकता है पर कप्तान सूर्यकुमार के तौर पर वह हर परीक्षा खरे उतरे हैं। इससे मुझे भी काफी आराम मिल गया है क्यों मेरा काफी काम वहीं कर देते हैं। वह वास्तव में एक शानदार नेतृत्वकर्ता हैं।' यह सौभाग्य की बात है कि देश का नेतृत्व उनके जैसे खिलाड़ी के हाथ में है, क्योंकि उनका दिल सही जगह पर है और दबाव में वह सही फैसला लेते हैं।' गौरतलब है कि रोहित शर्मा के टी20 से संन्यास के बाद गंभीर ने ही सूर्या को कप्तानी देने की मांग की थी।

पाकिस्तान के यू-टर्न के बाद सौरव गांगुली का बड़ा बयान, टी20 वर्ल्ड कप में भारत से जीतना मुश्किल

मुम्बई (एजेंसी)। भारत के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली ने 15 फरवरी को कोलंबो में अपने कट्टर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान के खिलाफ होने वाले बहुप्रतीक्षित मुकाबले के लिए अपनी उत्सुकता व्यक्त की और भारतीय टीम के अपने पसंदीदा खिलाड़ियों के नाम भी बताए। पाकिस्तान के खिलाफ ग्रुप ए के मैच पर प्रतिक्रिया देते हुए गांगुली ने कहा कि यह विश्व कप का एक बड़ा मुकाबला होगा। मैच 15 फरवरी को है, पाकिस्तान के लिए भारत को हराना आसान नहीं होगा। भारत एक बहुत अच्छी टीम है।

बीसीसीआई के पूर्व अध्यक्ष की यह टिप्पणी पाकिस्तान सरकार द्वारा सोमवार को दिए गए निर्देश के बाद आई है, जिसमें उन्होंने अपनी राष्ट्रीय क्रिकेट टीम को आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप में मौजूदा चैंपियन भारत के खिलाफ 15 फरवरी को होने वाले मैच के लिए मैदान में उतरने का निर्देश दिया था। पाकिस्तान सरकार द्वारा जारी एक बयान के अनुसार, पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ को पीसीबी, अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) और बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) के बीच हुई उच्च स्तरीय वार्ता के परिणामों से अवगत कराया, जिसके बाद यह निर्णय लिया गया।

गौरतलब है कि पाकिस्तान ने पहले बांग्लादेश के समर्थन में अपने कट्टर प्रतिद्वंद्वी भारत के खिलाफ समूह चरण के विश्व कप मैच का बहिष्कार करने का फैसला किया था। बांग्लादेश को आईसीसी द्वारा सुरक्षा चिंताओं के कारण भारत से बाहर मैच आयोजित करने के अनुरोध को अस्वीकार करने के बाद टूर्नामेंट से बाहर कर दिया गया था। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री ने श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके से भी चुनौतीपूर्ण समय में देश के समर्थन पर चर्चा की। आईसीसी और अन्य देशों के साथ चर्चा के बाद, पाकिस्तान सरकार ने अपनी क्रिकेट टीम को भारत के खिलाफ टी20 विश्व कप मैच खेलने का निर्देश दिया है।

आईसीसी ने रविवार को लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम में पीसीबी और बीसीबी के साथ बैठक की, जिसमें कोलंबो में भारत के खिलाफ टी20 विश्व कप 2026 मैच के पाकिस्तान के बहिष्कार के फैसले पर चर्चा की गई। इसके बाद, बीसीबी अध्यक्ष अमीनुल इस्लाम बुलबुल ने सोमवार को पाकिस्तान से 15 फरवरी को भारत के खिलाफ आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप मैच खेलने का आग्रह किया।

ड्रोन तकनीक से रोजगार के नए विकल्प मिले

तकनीक के इस आधुनिक युग में ड्रोन अब केवल मनोरंजन या वीडियो शूटिंग का साधन नहीं रह गया है। यह अब कई महत्वपूर्ण क्षेत्रों में क्रांतिकारी बदलाव लाने का माध्यम बन चुका है। भारत में ड्रोन तकनीक के तेजी से विस्तार ने युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर खोले हैं। सरकार की 'ड्रोन शक्ति योजना' और 'मेक इन इंडिया' पहल ने इस क्षेत्र में निवेश और नवाचार दोनों को प्रोत्साहित किया है। आज देश के कई उद्योग ड्रोन विशेषज्ञों और प्रशिक्षित पायलटों की तलाश में हैं, जिससे युवाओं के लिए हजारों नौकरियों के द्वार खुल रहे हैं।

ड्रोन का सबसे अधिक उपयोग कृषि क्षेत्र में देखने को मिल रहा है। किसान अब खेतों की निगरानी, फसलों की सेहत का विश्लेषण, कीटनाशक छिड़काव और सिंचाई प्रबंधन के लिए ड्रोन का उपयोग कर रहे हैं। सरकार भी 'कृषि ड्रोन योजना' के तहत युवाओं को सब्सिडी और प्रशिक्षण प्रदान कर रही है ताकि वे ड्रोन ऑपरेटर के रूप में काम कर सकें। यह न केवल किसानों की उत्पादकता बढ़ा रहा है, बल्कि ग्रामीण युवाओं के लिए रोजगार का नया साधन बन रहा है।

ड्रोन तकनीक का दूसरा बड़ा उपयोग सर्वेक्षण और मैपिंग में हो रहा है। सड़क, रेलवे, रियल एस्टेट, खनन और शहरी विकास परियोजनाओं में ड्रोन की मदद से सटीक डेटा और 3डी मैपिंग तैयार की जाती है। इससे इंजीनियरिंग और सर्वे एजेंसियों को विशेषज्ञ ड्रोन ऑपरेटरों की जरूरत पड़ती है। इसी तरह, आपदा प्रबंधन और राहत कार्यों में भी ड्रोन महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। बाढ़, भूकंप या आग जैसी स्थिति में ड्रोन की मदद से प्रभावित इलाकों की रीयल-टाइम जानकारी मिलती है, जिससे राहत दलों को समय पर कार्रवाई करने में मदद मिलती है।

फिल्म और मीडिया उद्योग में भी ड्रोन ने नई दिशा दी है। अब फिल्मों, विज्ञापनों, और लाइव इवेंट्स की हवाई शूटिंग के लिए प्रशिक्षित ड्रोन कैमरा ऑपरेटरों की मांग बढ़ गई है। इसके अलावा, सुरक्षा एजेंसियां, पुलिस विभाग और रक्षा संगठन सीमाओं, भीड़भाड़ वाले इलाकों और बड़े आयोजनों की निगरानी के लिए ड्रोन का उपयोग कर रहे हैं, जिससे युवाओं को टेक्निकल सपोर्ट और सर्विलांस ऑपरेटर के रूप में नौकरी मिल रही है।

ई-कॉमर्स और लॉजिस्टिक्स कंपनियां भी ड्रोन डिलीवरी सेवाओं पर प्रयोग कर रही हैं। आने वाले वर्षों में दवाओं, दस्तावेजों और छोटे सामानों की डिलीवरी ड्रोन के जरिए की जाएगी, जिससे ड्रोन पायलट, मेंटेनेंस इंजीनियर और रूट मैनेजर जैसे नए पद सृजित होंगे। विशेषज्ञों का मानना है कि भारत में 2030 तक ड्रोन उद्योग एक लाख से अधिक नौकरियां पैदा कर सकता है।

क्लाउड कंप्यूटिंग में कुशल पेशेवरों की बढ़ रही मांग

सूचना तकनीक के इस दौर में क्लाउड कंप्यूटिंग में कुशल पेशेवरों की सबसे ज्यादा जरूरत स्टार्टअप से लेकर बड़े व्यवसायों तक को होती है। यह पेशेवरों क्लाउड कंप्यूटिंग सिस्टम और सेवाओं को डिजाइन करने और अच्छे से प्रबंधित करना आता है। क्लाउड कंप्यूटिंग में कुशल पेशेवरों की सबसे ज्यादा जरूरत स्टार्टअप से लेकर बड़े व्यवसायों तक को होती है। यह पेशेवरों क्लाउड कंप्यूटिंग सिस्टम और सेवाओं को डिजाइन करने और अच्छे से प्रबंधित करना आता है। यही वजह है कि इन पेशेवरों की मांग बढ़ती जा रही है। ऐसे में अगर आप भी क्लाउड कंप्यूटिंग में बेहतर करियर बना सकते हैं। इसमें कौशल बढ़ाने के लिए आप पढ़ाई के साथ-साथ विभिन्न क्लाउड आधारित कोर्स कर सकते हैं। इन कोर्स को करने से आपको जेमिनी, जेनरेटिव एआई को समझने और स्ट्रीमलिट के साथ एप्लीकेशन बनाने का मौका मिलेगा।

क्या है क्लाउड कंप्यूटिंग

डेटा और प्रोग्रामिंग को दूरस्थ रूप से संग्रहीत और एक्सेस करने का एक तरीका है जो आपके कंप्यूटर की हार्ड ड्राइव पर जानकारी होस्ट करने के बजाय इंटरनेट का उपयोग करता है। संक्षेप में, क्लाउड कंप्यूटिंग को डेवलपर्स और गैर-डेवलपर्स दोनों के लिए प्रक्रियाओं को सरल बनाने के लिए डिजाइन किया गया है, जिसका अंतिम लक्ष्य क्लाउड और ऑन-प्रिमाइसेस डेटा को कनेक्ट और साझा करना है। क्लाउड कंप्यूटिंग को मूल रूप से एक डिलीवरी पद्धति के रूप में सोचें। एस प्रकार से यह डेटा स्टोरेज भी है।

इंट्रोडक्शन टू लार्ज लैंग्वेज मॉडल

शुरूआती स्तर पर यह माइक्रो-लर्निंग कोर्स आपको लार्ज लैंग्वेज मॉडल की छोटी-छोटी बारीकियों के बारे में बताएगा। इस कोर्स में एलएलएम के उपयोग और इसके प्रदर्शन को अच्छा बनाने के लिए आपको प्रॉम्प्ट ट्यूनिंग का इस्तेमाल करना सिखाया जाता है। इस कोर्स में ऐसे गूगल टूल्स भी शामिल किए गए हैं। जिनकी मदद से आप खुद का जेनरेटिव एप बना सकेंगे।

प्रॉम्प्ट डिजाइन इन वर्टेक्स एआई

प्रॉम्प्ट डिजाइन इन वर्टेक्स एआई कोर्स में जेनरेटिव एआई आउटपुट कंट्रोल करने, प्रॉम्प्ट तैयार करने और वास्तविक दुनिया के मार्केटिंग परिदृश्यों में जेमिनी मॉडल लागू करने के विभिन्न तरीकों के बारे में सिखाया जाता है।

जेन एआई एप विथ जेमिनी और स्ट्रीमलिट

जेन एआई एप विथ जेमिनी और स्ट्रीमलिट आपको पायथन एसडीके, टेक्स्ट जेनरेशन और जेमिनी एपीआई के साथ कार्यात्मक निर्णय लेने और क्लाउड रन के साथ स्ट्रीमलिट एप्लिकेशन बनाने का तरीका सीखाएगा।

इमेज जेनरेशन

पिछले कुछ सालों में अनुसंधान और उद्योग और दोनों ही क्षेत्रों में डिफ्यूजन मॉडल कॉफी लोकप्रिया हो रहा है। इस कोर्स के जरिए आपको डिफ्यूजन मॉडल के सिद्धांतों को वर्टेक्स एआई के साथ जोड़कर सीखने से कौशल निखरेंगे।

मशीन लर्निंग सॉल्यूशंस ऑन वर्टेक्स : इसमें आपको मशीन लर्निंग के समाधान के बारे में सीखने का अवसर मिलेगा।

बीबीए या बीसीए के साथ लॉ करें

समय के साथ ही करियर विकल्प भी बदलते जा रहे हैं। अब छात्रों के पास एक ही फील्ड में कई करियर विकल्प होते हैं। आजकल इंटीग्रेटेड कोर्सेस का चलन बढ़ा है। इन कोर्सेस में दो अलग-अलग डिग्रियों की पढ़ाई एक साथ होती है। कोर्स खत्म होने के बाद स्टूडेंट को दोनों की मिलाकर एक डिग्री दी जाती है। अगर आप बीबीए या बीसीए के साथ लॉ की पढ़ाई करना चाहते हैं तो जानिए कुछ बेस्ट ऑप्शन.

बीबीए, बीसीए लॉ इंटीग्रेटेड कोर्स (पांच साल)

बीबीए एलएलबी : इस इंटीग्रेटेड कोर्स में बिजनेस मैनेजमेंट और लॉ की पढ़ाई एक साथ होती है। इसमें बिजनेस से जुड़े विषयों (मार्केटिंग, फाइनेंस, एचआर) के साथ-साथ कानून के मूल सिद्धांत (कॉन्स्टिट्यूशनल लॉ, कॉन्ट्रैक्ट लॉ) पढ़ाए जाते हैं।

बीबीए और बीसीए के बाद लॉ (3 साल का एलएलबी)

बीबीए या बीसीए कोर्स पूरा करने के बाद भी 3 साल का एलएलबी कोर्स कर सकते हैं। यह उन लोगों के लिए अच्छा है, जो पहले बिजनेस या टेक्नोलॉजी में बेस बनाना चाहते हैं और फिर कानून की पढ़ाई करना चाहते हैं।

बीबीए के बाद: कॉर्पोरेट लॉ या बिजनेस लॉ में विशेषज्ञता ले सकते हैं।

बीसीए के बाद: साइबर लॉ, डेटा प्राइवेसी लॉ या इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी लॉ में करियर बना सकते हैं।

स्पेशलाइज्ड डिप्लोमा या सर्टिफिकेट कोर्स

बीबीए/बीसीए के साथ या बाद में आप लॉ से जुड़े शॉर्ट-टर्म कोर्स कर सकते हैं, जैसे:

1- साइबर लॉ (बीसीए के लिए)

2- कॉर्पोरेट लॉ (बीबीए के लिए)

3- इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी राइट्स (आईपीआर)

यह कोर्स 6 महीने से 1 साल के हो सकते हैं और ऑनलाइन/ऑफलाइन मोड में उपलब्ध हैं.

लॉ इंटीग्रेटेड कोर्स में एडमिशन इस प्रकार मिलेगा

बीबीए एलएलबी के लिए

एलिजिबिलिटी: 12वीं पास (किसी भी स्ट्रीम से), कम से कम 45-50 फीसदी अंकों के साथ. कुछ कॉलेज में मैथ्स होना अनिवार्य हो सकता है.

प्रवेश परीक्षा

कलेट टॉप नेशनल लॉ यूनिवर्सिटीज़ के लिए.

एआई एलईटी

एलऐट प्राइवेट लॉ कॉलेज के लिए.

एमसी सीईटी महाराष्ट्र के कॉलेज के लिए.

प्रवेश परीक्षा पास करने के बाद ही कालेजों में प्रवेश मिलेगा।

जनरल मेडिसिन की ओर बढ़ा रुझान

मेडिकल क्षेत्र में पिछले कुछ साल में बड़ा बदलाव देखने को मिला है। मेडिकल ग्रेजुएट्स अब सर्जरी की जगह पर एमडी जनरल मेडिसिन कारना चाहते है। मास्टर इन सर्जरी के (एमएस) में प्रवेश में जबरदस्त गिरावट देखी गई है। टॉप 100 में से सिर्फ तीन उम्मीदवारों ने ही एमएस को चुना है जबकि 2021 में कम से कम 11 उम्मीदवारों ने एमएस कोर्स चुना।

एआई का डर

इसी तरह रेडियोलॉजी और डर्मेटोलॉजी में एमडी, जो कभी टॉप रैंकर्स के बीच सबसे ज्यादा पसंद किए जाने वाले कोर्स थे, उनमें दिलचस्पी में भारी गिरावट देखी गई है। कैंडिडेट्स आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के आने को लेकर परेशान हैं, जिसके रेडियोलॉजी में डॉक्टरों की जगह लेने का डर है। डर्मेटोलॉजी में आर्टिफिशियल कॉस्मेटिक ट्रीटमेंट में हालिया बढ़ोतरी ने मेडिकल ग्रेजुएट्स की दिलचस्पी बदल दी है। जनरल सर्जरी, कार्डियोथोरेसिक सर्जरी और न्यूरोसर्जरी जैसी सर्जिकल ब्रांच में दिलचस्पी बहुत ज्यादा सीखने पढ़ने, काम के बोझ, मेडिको-लीगल रिस्क, इमरजेंसी अधिक होना और वर्क-लाइफ बैलेंस की कमी की वजह से कम हुई है।

मेडिसिन सबसे बड़ी वरीयता

पिछले पांच सालों में टॉप रैंक वाले उम्मीदवारों के बीच सीट प्रेफरेंस पैटर्न में काफी बदलाव आया है। लगभग 44-47 फीसदी ग्रेजुएट्स मेडिसिन और 40-43 फीसदी रेडियोलॉजी चुन रहे हैं।

एक रिपोर्ट के मुताबिक सर्जरी में काम के लंबे घंटे होते हैं। डॉक्टर अपने क्लिनिक खोल सकते हैं, इंडिपेंडेंट प्रैक्टिस बहुत कम होती है क्योंकि ज्यादातर सर्जिकल काम के लिए हॉस्पिटल से अटैचमेंट की जरूरत होती है। सर्जरी सेक्टर सीमित है क्योंकि सीनियर स्पेशलिस्ट के रिटायर होने तक नए लोगों के लिए कम जगह बची है। जब तक वे रिटायर नहीं होते, नए डॉक्टरों के लिए मौके कम होते हैं।और पूरे कोर्स के दौरान हैंड्स-ऑन एक्सपीरियंस पर निर्भर करती है।

ह्यूमन रिसॉर्स मैनेजमेंट में अच्छे अवसर

निजी क्षेत्र में आजकल सेल्स, ब्रैंड मैनेजमेंट या मार्केट रिसर्च में काफी संभावनाएं हैं हालांकि इसके लिए आपकी कम्यूनिकेशन स्किल्स (संवाद शैली) काफी बेहतर होनी चाहिए। मैनेजमेंट के क्षेत्र में ये विकल्प मौजूद हैं

ह्यूमन रिसॉर्स मैनेजमेंट में काम करने वाले लोगों पर पूरे ऑफिस के लोगों का मैनेजमेंट होता है। इसके लिए आपके पास अच्छा व्यक्तित्व, अच्छी तरह बात करने की क्षमता और रिश्ते बनाने की कला का होना बेहद जरूरी है।

स्पेशलाइज्ड एमबीए

कुछ इंस्टिट्यूस प्लेसमेंट्स को ध्यान में रखकर कोर्स ऑफर कर रहे हैं, जिनमें रूरल मैनेजमेंट, रिटेल मैनेजमेंट, टेलिकॉम मैनेजमेंट, इंश्योरेंस मैनेजमेंट, फॉरिन ट्रेड हैं।

इस तरह के हैं कोर्स में एमबीए में दो साल की डिग्री के अलावा, एक साल का फुल टाइम प्रोग्राम, पार्ट टाइम एमबीए, डिस्टेंस लर्निंग एमबीए जैसे विकल्प हैं हालांकि हर विषय की अपनी-अपनी खूबी और खामियां हैं।

ऑपरेशंस मैनेजमेंट

अगर आप विपरीत परिस्थितियों को आसानी से हैंडल कर लेते हैं और तकनीक में आपकी रुचि है, तो आप यह स्पेशलाइजेशन कर सकते हैं। यह क्वॉलिटी कंट्रोल और प्रॉडक्टिविटी इंप्रूवमेंट में अहम भूमिका निभाता है।

फाइनैंस

ये लोग बैक एंड पर काम करते हैं और इंवेस्टमेंट बैंकिंग, मर्चेंट बैंकिंग, कॉरपोरेट फाइनेंस वगैरह की रीढ़ की हड्डी होते हैं।

सिस्टम मैनेजमेंट

यह स्पेशलाइजेशन आईटी से ताल्लुक रखता है और अच्छी टेक्निकल व बिजनेस समझ रखने वालों के लिए यह बेहतर रहता है। इसके बाद आपको सिस्टम कंसल्टेंसी, अकाउंट या प्रॉजेक्ट मैनेजमेंट वगैरह में प्लेसमेंट मिल सकता है।

क्या दो हिस्सों में रिलीज होगी 'वाराणसी'? राजामौली ने अटकलों पर लगाया विराम

एसएस राजामौली इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म 'वाराणसी' की शूटिंग में बिजी हैं। यह प्राचीन पौराणिक कथाओं पर आधारित है और रामायण से जुड़ी है। जिस दिन से इसका एलान हुआ है, तभी से कयास लगाए जा रहे हैं कि यह फिल्म दो हिस्सों में बनेगी। अब राजामौली ने बताया है कि इस फिल्म का पार्ट 2 आएगा या नहीं।

राजामौली ने फिल्म 'बाहुबली' को दो हिस्सों में बनाया था, इसलिए 'वाराणसी' को लेकर भी अटकलें लगाई जा रही थीं कि यह दो हिस्सों में बनेगी। हालांकि एसएस राजामौली ने लंबे समय से चल रहे इस सस्पेंस को आखिरकार खत्म कर दिया है। मीडिया से राजामौली की बातचीत सामने आई है। इसमें उन्होंने इस मामले पर अपनी बात रखी है।

क्या दो हिस्सों में बनेगी 'वाराणसी'?

नवंबर 2025 में हैदराबाद में 'वाराणसी' की झलक लॉन्च के दौरान न्यूज एजेंसी स्क्रीन रेंट से बात करते हुए राजामौली ने साफ किया कि 'वाराणसी' एक सिंगल-पार्ट फिल्म होगी। इसका रनटाइम लगभग तीन घंटे होगा। उन्होंने बताया कि टीम ने शुरू में इसे दो हिस्सों में बनाने का विचार किया था, लेकिन प्रोडक्शन शुरू होने के कुछ ही समय बाद यह प्लान बदल गया। उन्होंने बताया कि उन्हें भरोसा है कि अगर दर्शक कहानी में खो जाते हैं और उसमें दिलचस्पी लेते हैं, तो रन टाइम ज्यादा लंबा नहीं लगेगा।

'वाराणसी' की स्टारकास्ट

फिल्म 'वाराणसी' साल 2027 में रिलीज होने वाली है। इसमें प्रियंका चोपड़ा के साथ महेश बाबू और पृथ्वीराज सुकुमारन अहम किरदारों में होंगे। रिलीज से काफी पहले फिल्म दुनिया भर में चर्चा बटोर रही है। नवंबर 2025 में 'वाराणसी' की एक झलक दिखाई गई थी। इसे दर्शकों ने काफी पसंद किया था।

वाराणसी के अलावा इस भारतीय फिल्म से जुड़ रही प्रियंका चोपड़ा

लंबे समय से हिंदी फिल्मों से दूर प्रियंका चोपड़ा अब सुर्खियों में आने लगी हैं। खबरें हैं कि प्रियंका चोपड़ा ऋतिक रोशन के साथ 'कृष 4' में लीड रोल में नजर आने वाली हैं। फैंस के लिए यह अच्छी खबर है। प्रियंका चोपड़ा 'कृष' फ्रेंचाइजी की दो फिल्मों में लीड एक्ट्रेस रही हैं।

'कृष 4' का हिस्सा होंगी प्रियंका?

फैंस लंबे समय से इस बात को लेकर कशमकश में थे कि 'कृष 4' में फीमेल लीड के तौर पर कौन होगा। अब बॉलीवुड हंगामा ने यह खबर दी है कि फिल्म में प्रियंका चोपड़ा लीड रोल में होंगी। इस खबर से फैंस उत्साहित हैं।

दो फिल्मों में निभाया लीड रोल

प्रियंका चोपड़ा 'कृष' से काफी पहले से जुड़ी रही हैं। दो फिल्मों में उन्होंने ऋतिक रोशन के साथ अहम किरदार निभाया है। दर्शकों ने फिल्म में उनकी और ऋतिक की केमिस्ट्री को पसंद किया है। ऐसे में लगता है कि वह फिल्म में वापसी कर सकती हैं।

कौन होगा निर्देशक?

ऋतिक रोशन न सिर्फ 'कृष 4' में अभिनय करेंगे बल्कि वह इसका निर्देशन भी करेंगे। उनके निर्देशन में बनने वाली यह पहली फिल्म होगी। फैंस इस बात को लेकर उत्साहित हैं कि ऋतिक कैसे कैमरे के पीछे से चीजें संभालेंगे।

प्रियंका का वर्कफ्रंट

आपको बता दें कि प्रियंका चोपड़ा आखिरी बार फिल्म 'द स्काइ इज पिंक' में नजर आई थीं। इसमें उनके साथ फरहान अख्तर और जायरा वसीम थीं। इसके बाद उन्होंने विदेशी फिल्मों में काम किया। वह जल्द ही फिल्म 'वाराणसी' से भारतीय सिनेमा में वापसी कर रही हैं।

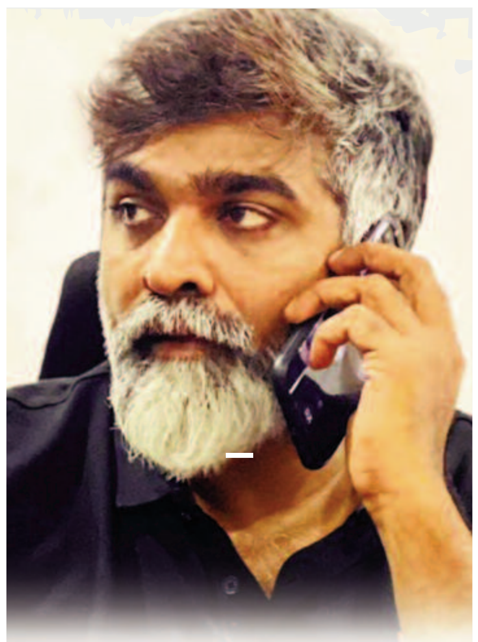

नितेश तिवारी की 'रामायण' में विभीषण के रोल में दिखाई देंगे विजय सेतुपति

फिल्म 'रामायण' को नितेश तिवारी निर्देशित कर रहे हैं। इसका पहला पार्ट इस साल दिवाली पर रिलीज होगा, वहीं दूसरा पार्ट अगले साल की दिवाली पर रिलीज किया जाएगा। हाल ही में फिल्म को लेकर नया अपडेट सामने आया है। फिल्म में रणबीर कपूर जहां राम भगवान का किरदार निभा रहे हैं। वहीं साउथ एक्टर यश, रावण के किरदार में नजर आएंगे। हाल ही में एक यह खबर सामने आई है कि फिल्में विजय सेतुपति भी होंगे।

रिपोर्ट के अनुसार फिल्म 'रामायण' में विजय सेतुपति रावण के रोल भाई का रोल करेंगे वह विभीषण के रोल में दिखाई देंगे। फिल्म में यह किरदार अच्छाई का प्रतीक है। फिल्म में विजय सेतुपति यह किरदार निभाएंगे, इसे लेकर मेकर्स ने अभी तक कोई ऑफिशियल अनाउंसमेंट नहीं की है। फिल्म 'रामायण' में रणबीर कपूर, यश के अलावा सनी देओल, रवि दुबे और साई पल्लवी जैसे एक्टर्स भी नजर आंएगे। फिल्म को मेकर्स पैन इंडिया रिलीज करने वाले हैं। फिल्म का म्यूजिक एआर रहमान और हॉलीवुड कंपोजर हंस जिमर बना रहे हैं।

खाकी पहनकर 'कर्तव्य' निभाने निकले सैफ! 'गांधारी' बनीं तापसी 'टोस्टर' में उलझे राजकुमार

नेटफ्लिक्स साल 2026 में भारतीय दर्शकों मनोरंजन के लिए क्या खास पेश करने वाला है? आज मंगलवार को एक इवेंट में इसका एलान कर दिया गया है। इस बार नेटफ्लिक्स के पिटारे में काफी कुछ खास है। इसने आज करीब 21 फिल्मों और सीरीज से पर्दा उठाया है। कुछ फिल्मों के टीजर जारी किए हैं, कुछ के ट्रेलर तो कुछ का एलान अनाउंसमेंट वीडियो के साथ किया गया है। इसके अलावा कुछ ऐसे प्रोजेक्ट हैं, जिनके फर्स्ट लुक पोस्टर रिलीज हुए हैं।

'कर्तव्य' में खाकी पहने दिखे सैफ अली खान

नेटफ्लिक्स ने आज सैफ अली खान अभिनीत दो फिल्मों का एलान किया है। पहली फिल्म है 'हम हिंदुस्तानी'। इसका टीजर रिलीज हुआ है। सच्ची कहानी से प्रेरित इस फिल्म में भारत के पहले चुनाव की कहानी दिखाई जाएगी। वहीं, एक अन्य फिल्म है, 'कर्तव्य'। इस फिल्म में सैफ अली खान खाकी पहनकर कर्तव्य अदा करते दिखाई देंगे। नेटफ्लिक्स पर जारी पोस्टर में कैप्शन में लिखा है, 'धर्म और कर्म के युद्ध में, क्या कर्तव्य जीत पाएगा?' यह नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी। इसमें रसिका दुग्गल और संजय मिश्रा भी नजर आएंगे। सैफ अली खान की इस फिल्म के साथ एक जर्नलिस्ट अपनी एक्टिंग की पारी शुरू करने जा रहे हैं।

'गांधारी' के पोस्टर में तापसी की झलक

तापसी पन्नू की आगामी फिल्म 'गांधारी' भी नेटफ्लिक्स पर इस साल रिलीज होगी। इसका आधिकारिक एलान कर दिया गया है और साथ ही पोस्टर जारी किए गए हैं। इनमें तापसी पन्नू का खौफनाक अंदाज देखने को मिल रहा है। 'गांधारी' के पोस्टर के साथ कैप्शन लिखा है, 'आपने एक मां का प्यार देखा है। अब उसके गुस्से से मिलिए'। इस फिल्म में इश्वाक सिंह भी नजर आएंगे।

'टोस्टर' का पोस्टर जारी

राजकुमार राव और सान्या मल्होत्रा की फिल्म 'टोस्टर' का पोस्टर भी रिलीज किया गया है। यह नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी। इस कॉमेडी ड्रामा फिल्म में अभिनेता कंजूस व्यक्ति का किरदार निभा रहे हैं। इस फिल्म में राजकुमार और सान्या के अलावा फराह खान, अर्चना पूरन सिंह और अभिषेक बनर्जी भी नजर आने वाले हैं। सभी की झलक दिखाई दी है।

अपने आप से लड़कर मैंने खुद को पाया है

फिल्मी दुनिया में कई कलाकार ऐसे होते हैं, जो कैमरे के सामने तो मजबूत दिखाई देते हैं, लेकिन उनके भीतर एक लड़ाई चल रही होती है। हाल ही में रिलीज हुई फिल्म 'बॉर्डर 2' के जरिए चर्चा में आई अभिनेत्री मेधा राणा भी उन्हीं कलाकारों में से एक हैं, जिन्होंने अपने अंदर चल रहे सवालों, असमंजस और आत्मसंदेह की जंग को जीतकर अपने ऊपर भरोसा करना सीखा और इस मुकाम तक का सफर तय किया। उन्होंने खास बातचीत के दौरान अपने जीवन में आए बदलावों पर बात की। आईएएनएस से बात करते हुए मेधा राणा ने कहा, ''साल 2022 से लेकर अब तक उनके भीतर सबसे बड़ा बदलाव आत्मस्वीकृति और आत्मविश्वास का रहा है। शुरुआत में मैं खुद को लेकर बहुत उलझन में रहती थीं। मुझे अक्सर लगता था कि शायद मैं इस इंडस्ट्री के लिए बनी ही नहीं हूं। ऐसे विचार मुझे भीतर से कमजोर बनाते थे और आगे बढ़ने में बाधा भी बनते थे।'' उन्होंने कहा, ''जब मैंने मनोरंजन जगत में काम करना शुरू किया, तो शुरुआती दिन बेहद कठिन थे। मैं लगातार खुद पर शक करती थी और अपने फैसलों को लेकर आश्वस्त नहीं थी। इस असमंजस से बाहर निकलने में मुझे काफी समय लगा। इंडस्ट्री को समझना, अपने आप को पहचानना और हालात को स्वीकार करना एक लंबी सीख की प्रक्रिया रही।''

जब उनसे पूछा कि 2022 से अब तक उनके जीवन में सबसे बड़ा निजी बदलाव क्या रहा है, तो मेधा ने कहा, ''मैंने अपने आप से लड़कर खुद को पाया है। अब मैं खुद को पहले से ज्यादा स्वीकार करने लगी हूं। मैं अपनी कमियों और खूबियों दोनों को समझती हूं और उन्हें लेकर सहज हूं। यही स्वीकार्यता मेरे आत्मविश्वास की सबसे बड़ी वजह बनी है।'' मेधा राणा ने कहा, ''फिल्म 'बॉर्डर 2' मेरे करियर का एक अहम मोड़ साबित हुई है। इस फिल्म का हिस्सा बनने के बाद और दर्शकों से मिली प्रतिक्रिया ने मेरे भीतर एक नया भरोसा पैदा किया। जब किसी कलाकार को उसके काम के लिए सराहना मिलती है, तो वह खुद पर यकीन करने लगता है। 'बॉर्डर 2' के अनुभव ने मुझे यह एहसास दिलाया कि मैं अपने हुनर में सक्षम हूं और मेहनत रंग ला सकती है।'' उन्होंने कहा, ''अब मैं खुद को लेकर ज्यादा आश्वस्त महसूस करती हूं। अपने अभिनय कौशल और फैसलों पर मेरा भरोसा बढ़ा है। यह आत्मविश्वास मेरे जीवन की अब तक की सबसे बड़ी ग्रोथ है, जो मुझे आगे और बेहतर काम करने की प्रेरणा देता है।''

अच्छा इंसान मिल जाए तो झटपट शादी कर लूं

छोटे पर्दे से अपने करियर की शुरुआत करने वाली मृणाल ठाकुर ने अपने छोटे से करियर में लंबा सफर तय किया है। मराठी फिल्म में काम कर चुकी मृणाल हिंदी फिल्म इंडस्ट्री के अलावा तेलुगू इंडस्ट्री में भी काफी एक्टिव हैं। इन दिनों वह चर्चा में हैं अपनी नई फिल्म 'दो दीवाने शहर में' को लेकर। इस खास मुलाकात में मृणाल प्यार-मोहब्बत, शादी और जीवनसाथी पर खुल कर बात करती हैं।

ऋतिक, शाहिद और जॉन को लेकर थी पागल

अपने बचपन और ग्रोइंग इयर्स के अट्रैक्शन के बारे में वे हंसते हुए वे कहती हैं, 'वो इनफैचुएशन नहीं बल्कि ऑब्सेशन था और वो था तीन हीरोज के प्रति। मेरी किताबों में इन हीरोज के कटआउट्स हुआ करते थे। उन फोटो के कटआउट्स को मैं छिपा-छिपा कर रखती थी और वो हीरो थे, ऋतिक रोशन, शाहिद कपूर और जॉन अब्राहम। आपको हंसी आएगी सुनकर, मगर जो साड़ी के बॉक्स आते थे, उस पर मैं और मेरी बहन इन हीरोज के फोटो काट कर चिपका देते और उन्हें बुकमार्क के रूप में संजो कर रखते थे। पापा को पता चलता कि हम लोग हीरोज के पिक्स काट-काट कर लगाते हैं, तो बहुत डांट पड़ती थी कि हम पढ़ाई के बजाय ये क्या कर रहे हैं? तकदीर देखिए, इन तीनों हीरोज के साथ मुझे काम करने का मौका मिला। रितिक के साथ मैंने सुपर 30 की, शाहिद कपूर के साथ जर्सी तो जॉन अब्राहम संग बाटला हाउस। मैं और मेरी बहन कई बार एक -दूसरे को देख कर बातें करते, हम लोग कहां से आए और आज कहां पहुंच गए। वाकई कई बार चूंटी काटने को दिल करता कि क्या ये सच है। सच में रितिक, जॉन और शाहिद के साथ काम करते हुए कई बार मंत्रमुग्ध भी हुई हूं। जॉन को हम जोनेमन बुलाते हैं। वो अक्सर मेरी बहन का हाल-चाल पूछने के लिए मुझे कॉल करते हैं। शाहिद को मैं एक एक्टर के रूप में बहुत पसंद करती हूं, तो कई बार मैं इतनी खो जाती कि अपने डायलॉग्स भूल जाया करती थी। शाहिद के साथ शूटिंग के पहले ही दिन मुझे थप्पड़ मारना था, मेरा तो कल्याण ही हो गया था। मैं बहुत नर्वस थी। वाकई बहुत ही अविश्वसनीय है ये जर्नी। मेरी बहन मेरा मेकअप भी करती है, तो आज ही सुबह वो रो पड़ी थी, ये सोचा कर कि हम जिस इंडस्ट्री में यहीं, हमने उसके बारे में सोचा ही नहीं था।'

झगड़े के बाद भी वो मुझे गले लगाए

अपने भावी साथी को लेकर भी मृणाल ने हमसे बात की। उन्होंने कहा, 'मुझे एक अच्छा इंसान मिल जाए, जिससे मेरा दिल भी मिले, हमारे बीच कंपैटिबलिटी हो और मुझे सारी चीजें आसान लगे, तो मैं बेशक झटपट कर लूंगी शादी। आज कल डिवोर्स रेट बढ़ गए हैं और शादियां करने से लोग कतराने लगे हैं। तो मुझे बेमेल शादी करके वो गलती नहीं करनी। मेरा तो बचपन से ख्वाब रहा है शादी करने का। मुझे लगता है शादी हर लड़की का ख्वाब होता है, मगर बस जरूरत होती है एक ऐसे इंसान की, जिसे देखकर लगे हां, यही है वो। मैं जीवनसाथी के रूप में एक ऐसा लड़का चाहती हूं, जो मेरे मामले में हार न माने। मैं जानती हूं कि कई बार मैं जरूरत से ज्यादा इमोशनल हो जाती हूं। हर किसी में नेगेटिव ट्रेट्स होते हैं, मगर मुझे लगता है कि एक ऐसा इंसान हो जो भयंकर झगड़े के बावजूद मुझे गले लगाए। मृणाल रिलेशनशिप की अहमियत को समझाते हुए कहती हैं, 'मेरे लिए तो रिलेशनशिप में सबसे अच्छी बड़ी बात ये है कि मैं जैसी हूं, मुझे उसी रूप में स्वीकार करें और तुम जैसे हो, मेरे लिए काफी हो। तुम्हारी खामियां मेरे लिए मायने नहीं रखती। मेरे लिए अहम है कि मैं तुम्हारे साथ खुश रहूंगी। रिलेशनशिप में एक-दूसरे का उत्थान करके अगर हम बेहतर इंसान बन पाएं, प्रोग्रेस और ग्रो करें।'

सही समय पर शादी होना जरूरी है

मृणाल ठाकुर ने शादी के बारे में अपने विचार शेयर करते हुए उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है, चाहे वे मेरे पैरंट्स हों या किसी और के शादी के बारे में जो कहते हैं, गलत नहीं कहते। शादी समय पर होना जरूरी है। मैं पहले इस बात को नहीं समझती थी, मगर अब समझती हूं। जैसे हमारी हथेली की पांचों उंगलियां एक जैसी नहीं हो सकती, वैसे ही जिंदगी में सब कुछ एक समान नहीं हो सकता। पहले मैं सोचती थी कि करियर सेटल कर लूं तब शादी करूं, मगर अब ऐसा नहीं सोचती। हमारी इंडस्ट्री में कई हीरोइन ऐसी हैं, जिनकी शादी भी हो गई, करियर भी अच्छा चल रहा है और बच्चे भी हो गए हैं, क्योंकि आप अभी नहीं करेंगे, तो कब शादी करेंगे? मगर मैंने अपने माता-पिता को एक बात समझाई कि मुझे करने के लिए नहीं करनी शादी।'

अरुणाचल और सिक्किम में लगे भूकंप के झटके, सो रहे लोगों में मचा हड़कंप

-तीव्रता 3.1 मापी गई, भूकंप का केंद्र जमीन से 10 किलोमीटर नीचे था

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्वोत्तर भारत के दो राज्यों, अरुणाचल प्रदेश और सिक्किम में भूकंप के झटके महसूस किए गए हैं। जब लोग रात की गहरी नींद में थे तब जमीन हिलने से हड़कंप मच गया। हालांकि राहत की बात यह है कि अभी तक जान-माल के किसी बड़े नुकसान की खबर नहीं मिली है। नेशनल सेंटर फॉर सिस्मोलॉजी के मुताबिक अरुणाचल प्रदेश के पश्चिमी कामेंग जिले में देर रात करीब 1 बजे भूकंप के झटके महसूस किए गए। रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 3.1 मापी गई। भूकंप का केंद्र जमीन से 10 किलोमीटर नीचे दर्ज किया गया। अरुणाचल के कुछ घंटों बाद ही सिक्किम के नामची में भी भूकंप के झटके महसूस किए गए। सुबह 5 बजकर 38 मिनट पर लोग धरती हिलने से जाग गए। यहां भूकंप का केंद्र जमीन के अंदर केवल 5 किमी की गहराई पर था। बता दें धरती के नीचे होने वाली हलचल ही भूकंप का मुख्य कारण है। हमारी धरती चार परतों से बनी है, जिनके ऊपर टैक्टोनिक प्लेट्स होती हैं। ये प्लेट्स हर साल अपनी जगह से 4-5 मिमी खिसकती हैं। खिसकने के दौरान जब ये प्लेट्स आपस में टकराती हैं तो उससे पैदा होने वाली ऊर्जा ही भूकंप के रूप में सतह को हिला देती है। बता दें भूकंप के झटके महसूस होते ही तुरंत घर से बाहर किसी खुले मैदान में निकल जाएं। यदि बाहर निकलना मुमकिन न हो तो किसी मजबूत मेज या बेड के नीचे छिप जाएं। ऊंची इमारतों में रहने वाले लोग सीढ़ियों का प्रयोग करें लिफ्ट का इस्तेमाल जानलेवा हो सकता है। बिजली के खंभों, पेड़ों और कांच की खिड़कियों से दूर खड़े हों।

देहरादून में आईएमए के पास विवादित जमीन पर सियासी तकरार तेज

देहरादून (एजेंसी)। देहरादून के धौलास इलाके में इंडियन मिलिट्री एकेडमी (आईएमए) के पास करीब 20 एकड़ जमीन को लेकर नया विवाद उभरा है। इस जमीन को कथित तौर पर एक इस्लामिक एजुकेशनल इंस्टीट्यूशन के लिए आवंटित किया गया था। अब बताया जा रहा है कि यह जमीन छोटे-छोटे रिहायशी प्लॉट में बांटी जा रही है, जिससे सुरक्षा की दृष्टि से खतरा पैदा हो सकता है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि सरकार इस मामले में सख्त कार्रवाई करेगी। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस अगर सत्ता में होती तो मुस्लिम यूनिवर्सिटी बनाने की दिशा में काम करती। वहीं कांग्रेस नेता और पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने कहा कि मामला 2004 का है, जब नारायण दत्त तिवारी मुख्यमंत्री थे। उनका तर्क है कि इसके बाद भाजपा कई बार सत्ता में रही और इसे रोक सकती थी। भाजपा विधायक विनोद चमोली ने कहा कि यह मामला कांग्रेस की खतरनाक साज़िश को उजागर करता है। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या तिवारी सरकार के दौरान दी गई जमीन हरीश रावत की देख-रेख में मुस्लिम यूनिवर्सिटी के लिए आवंटित थी। चमोली ने यह भी कहा कि अब जमीन पर लैंड माफिया कब्ज़ा कर रहे हैं। विकासनगर सब-डिविजनल मजिस्ट्रेट विनोद कुमार की शुरुआती जांच में पाया गया कि जमीन को रिहायशी प्लॉट में बदलने से आईएमए की सुरक्षा पर असर पड़ सकता है। जमीन विवाद राजनीतिक और प्रशासनिक दोनों स्तरों पर गरमा गया है। सरकार ने सख्त कार्रवाई का संकेत दिया है, जबकि कांग्रेस इसे पुराना मामला बताते हुए अपनी जिम्मेदारी कम करती दिख रही है।

रामपुर में अवैध प्लाटिंग पर प्रशासन का बुलडोजर, पुलिस फोर्स तैनात

रामपुर (एजेंसी)। शहजादनगर के तहसील सदर क्षेत्र में कृषि भूमि गाटा संख्या 198 पर अवैध रूप से की जा रही प्लाटिंग को प्रशासन ने बुलडोजर से ध्वस्त कर दिया। इस भूमि के काश्तकारों और कुछ प्लाटिंग एजेंटों ने भूमि को आकर्षक घोषित किए बिना अवैध निर्माण शुरू कर दिया था। भूमि को आकर्षक घोषित करने के लिए उप जिलाधिकारी न्यायालय में शक्कन खां आदि बनाम सरकार के अंतर्गत मामला दायर किया गया था, जिसे तीन नवंबर 2021 को निरस्त कर दिया गया। इसके बावजूद भूमि पर अवैध प्लाटिंग की जा रही थी। सिविल लाइंस निवासी इमरान खां ने जिलाधिकारी को प्रार्थना पत्र देकर अवैध निर्माण की शिकायत की। जांच के बाद प्रशासन ने कार्रवाई करते हुए अवैध प्लाटिंग को बुलडोजर से ध्वस्त किया। कार्रवाई के दौरान भीड़ जमा हो गई। शहजादनगर थाने की पुलिस ने मौके पर तैनाती कर नियंत्रण किया।

गड्ढे में गिरे युवक के मुंह और नाक में भर गई मिट्टी, दम घुटने से गई जान?

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिमी दिल्ली के जनकपुरी इलाके में गड्ढे में गिरने से युवक की मौत के मामले में बड़ा खुलासा हुआ है। सूत्रों के मुताबिक पोस्टमॉर्टम से जुड़े शुरुआती निष्कर्ष में युवक कमल ध्यानी की मौत का कारण ट्रॉमेटिक एस्फिक्सिया बताया गया है। हालांकि पुलिस सूत्रों ने बताया कि मौत की असल वजह की पुष्टि आधिकारिक पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद ही हो सकेगी। मीडिया रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि कमल ध्यानी बाइक लेकर गड्ढे में गिर गया था। गड्ढे में मौजूद मिट्टी उसके मुंह और नाक में चली गई, जिससे उसे सांस लेने में दिक्कत हुई और दम घुट गया। इसके अलावा, छाती पर भारी दबाव के संकेत भी मिले हैं। आशंका जताई जा रही है कि किसी भारी वाहन या वस्तु के गिरने से यह दबाव पड़ा हो सकता है। पोस्टमॉर्टम में मृतक की दाहिनी जांघ पर जलने के निशान भी पाए गए हैं। डॉक्टरों का अनुमान है कि यह निशान बाइक के साइलेंसर के साथ लंबे समय तक संपर्क में रहने के कारण बने होंगे। डॉक्टरों का कहना है कि यह मामला दुर्घटनावश मौत का प्रतीत होता है, लेकिन मौत के समय और तरीके को लेकर अंतिम राय गहन जांच के बाद ही दी जाएगी। इस बीच, जांच में यह भी सामने आया है कि दिल्ली जल बोर्ड की तरफ से सीवर लाइन बिछाने का ठेका पाने वाली निजी कंपनी के मैनेजर को हादसे की जानकारी थी, लेकिन उसने भी पुलिस या अन्य सरकारी एजेंसियों को इसकी सूचना नहीं दी। जांच से जुड़े अधिकारियों के मुताबिक वह इस मामले में हादसे की जानकारी रखने वाला छठा व्यक्ति था। पुलिस पहले ही ठेकेदार हिमांशु गुप्ता, सब-कॉन्ट्रैक्टर राजेश कुमार प्रजापति, मजदूर योगेश, सुरक्षा गार्ड देशराज और राहगीर विपिन सिंह की भूमिका की पहचान कर चुकी है। पुलिस के मुताबिक एक फोन कॉल में प्रजापति ने कंपनी के डायरेक्टर हिमांशु और प्रोजेक्ट मैनेजर को हादसे की जानकारी दी थी, लेकिन इसके बावजूद पुलिस को सूचना नहीं दी गई। इस मामले में राजेश कुमार, प्रजापति और योगेश को गिरफ्तार किया जा चुका है।

वीर सावरकर को यदि दिया गया भारत रत्न तो इससे सम्मान की गरिमा होगी कम : भाई जगताप

-संघ प्रमुख के बयान को लेकर सरकार पर साधा निशाना

नई दिल्ली (एजेंसी)। संघ प्रमुख द्वारा वीर सावरकर को भारत रत्न देने की मांग के बाद राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई है। इस मुद्दे पर कांग्रेस नेता भाई जगताप ने कड़ा विरोध जताते हुए कहा, कि जिन व्यक्तियों पर गंभीर आरोप रहे हों, उन्हें देश का सर्वोच्च सम्मान देना भारत रत्न की गरिमा को ठेस पहुंचाने जैसा होगा।

भाई जगताप ने कहा कि भारत रत्न केवल एक पुरस्कार नहीं, बल्कि 140 करोड़ देशवासियों की भावनाओं से जुड़ा सम्मान है। उन्होंने कहा कि अब तक यह सम्मान उन्हीं महान व्यक्तित्वों को दिया गया है, जिन्होंने अपना संपूर्ण जीवन राष्ट्र या किसी बड़े सामाजिक उद्देश्य के लिए समर्पित किया। ऐसे में विवादित नामों को इस श्रेणी में शामिल करना समझ से परे है। उन्होंने कहा कि भारत रत्न से बड़ा कोई सम्मान नहीं हो सकता। संघ प्रमुख किसी संगठन के प्रमुख हैं, पूरे देश के नहीं। वीर सावरकर को लेकर समाज में मतभेद और गंभीर आरोप मौजूद हैं, ऐसे में उन्हें यह सम्मान देना पूरे देश में बहस और सवाल खड़े करेगा। भाई जगताप ने कहा कि यदि इस तरह के नामों को भारत रत्न दिया जाता है, तो सम्मान की प्रतिष्ठा पर असर पड़ेगा और देश इसका मूल्यांकन करेगा।

मौजूदा सरकार में कई दागी मंत्री

केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कांग्रेस नेता ने कहा कि मौजूदा सरकार में ऐसे कई मंत्री हैं, जिन पर दाग होने की बातें सामने आती रही हैं। ऐसे माहौल में भारत रत्न जैसे सर्वोच्च सम्मान पर फैसला लेना बेहद संवेदनशील मामला है। उन्होंने कहा कि वह इस मुद्दे को बेवजह हवा नहीं देना चाहते, लेकिन अंतिम निर्णय सरकार को लेना होगा और जनता अपना जवाब जरूर देगी।

संघ प्रमुख के एक कार्यक्रम में अभिनेता की मौजूदगी पर प्रतिक्रिया देते हुए भाई जगताप ने कहा कि खेल और कला को राजनीति से अलग रखा जाना चाहिए। उन्होंने देश की कानून-व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए कहा कि आज कलाकारों को धमकियां मिल रही हैं और संगठित अपराधियों में कानून का डर नजर नहीं आता। 90 के दशक में अंडरवर्ल्ड पर काबू पाया गया था, लेकिन मौजूदा हालात फिर चिंता पैदा कर रहे हैं।

तीन बच्चों वाला बयान हास्यास्पद

संघ प्रमुख के तीन बच्चों वाले बयान को लेकर भाई जगताप ने इसे हास्यास्पद करार दिया। उन्होंने कहा कि जब भारत दुनिया में सबसे अधिक जनसंख्या वाला देश है, तब इस तरह की सलाह देना गैर-जिम्मेदाराना है। आज महिलाएं पहले से ज्यादा असुरक्षित हैं और युवा खुद यह तय करने में सक्षम हैं कि उन्हें कब और किससे विवाह करना है।

संसद में चर्चा नहीं होना दुर्भाग्यपूर्ण

अन्य राजनीतिक मुद्दों पर बोलते हुए भाई जगताप ने कहा कि केवल आरोप लगाने से कुछ नहीं होता, यदि कोई मामला है तो उस पर कार्रवाई होनी चाहिए। उन्होंने संसद के कामकाज पर भी सवाल उठाए और कहा कि संसद देश का पवित्र मंदिर है, लेकिन विपक्ष को अपनी बात रखने का पूरा अवसर नहीं दिया जाता। चीन जैसे गंभीर मुद्दों पर चर्चा न होना दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में सवाल पूछना विपक्ष का अधिकार है और सरकार को इन सवालों का जवाब देना चाहिए, न कि उन्हें दबाने का प्रयास करना चाहिए।

मनी लॉन्ड्रिंग मामला : एसआईटी ने तेज की जांच टीना अंबानी को जल्द मिलेगा ईडी का नया समन

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) उद्योगपति अनिल अंबानी की पत्नी टीना अंबानी को मनी लॉन्ड्रिंग से जुड़ी जांच में शामिल होने के लिए जल्द ही नया समन जारी करने की तैयारी कर रहा है। इससे पहले सोमवार को उन्हें पूछताछ के लिए बुलाया गया था, लेकिन वह जांच एजेंसी के समक्ष पेश नहीं हुईं। सूत्रों के अनुसार, अब उन्हें दोबारा बुलाने के लिए कानूनी प्रक्रिया शुरू की जा रही है। यह पूरी कार्रवाई अनिल अंबानी और उनके व्यापारिक समूह से जुड़े 40,000 करोड़ रुपये के कथित बैंकिंग और कॉर्पोरेट धोखाधड़ी के मामले से संबंधित है। मामले की गंभीरता को देखते हुए, हाल ही में सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर एक विशेष जांच टीम का गठन किया गया है। यह एसआईटी फेडरल जांच एजेंसी की हेडक्वार्टर इन्वेस्टिगेशन यूनिट के तहत काम कर रही है, जिसका नेतृत्व एडिशनल डायरेक्टर रैंक के एक अधिकारी कर रहे हैं। इस टीम में लगभग आधा दर्जन अनुभवी जांचकर्ता शामिल किए गए हैं। सुप्रीम कोर्ट ने पिछले हफ्ते अनिल अंबानी समूह के खिलाफ चल रहे मामलों की समीक्षा के बाद यह निर्देश दिया था कि एक निष्पक्ष, स्वतंत्र और त्वरित जांच सुनिश्चित करने के लिए विशेष टीम बनाई जाए। जांच एजेंसी पिछले एक साल से इस समूह की गतिविधियों पर नजर रखे हुए है। अब तक प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट के तहत तीन प्रवर्तन मामला सूचना रिपोर्ट दर्ज की जा चुकी हैं, जो पुलिस की प्राथमिकी के समान होती हैं। अब तक की कार्रवाई में जांच एजेंसी ने लगभग 12,000 करोड़ रुपये की संपत्ति भी अटैच की है। सूत्रों का कहना है कि नवनियुक्त एसआईटी आने वाले दिनों में समूह की कंपनियों और उनके अधिकारियों द्वारा किए गए संदिग्ध वित्तीय लेनदेन की गहराई से पड़ताल करेगी। इस दौरान कई अन्य नई रिपोर्ट दर्ज होने की भी संभावना है, जिससे अंबानी परिवार और उनके सहयोगियों की मुश्किलें बढ़ सकती हैं।

पक्षियों को दाना खिलाना पड़ा महंगा, बुजुर्ग महिला पर लगा 2.27 लाख का जुर्माना

मुंबई (एजेंसी)। सोशल मीडिया पर इन दिनों एक ऐसी खबर तेजी से सुर्खियां बटोर रही है, जिसने पशु-पक्षियों के प्रति प्रेम और देश के कड़े कानूनों के बीच एक नई बहस छेड़ दी है। मामला सिंगापुर का है, जहां एक 71 साल की बुजुर्ग महिला को बार-बार जंगली पक्षियों, विशेषकर कबूतरों को दाना खिलाने के कारण भारी-भरकम आर्थिक दंड भुगतना पड़ा है। यह खबर जैसे ही सार्वजनिक हुई, इंटरनेट पर लोगों की मिली-जुली प्रतिक्रियाएं आने लगीं। जहां कुछ लोग इसे कानून की अति मान रहे हैं, वहीं कई लोग सार्वजनिक स्वच्छता और नियमों के पालन के पक्ष में खड़े नजर आ रहे हैं।

पूरा मामला सिंगापुर की निवासी सन्मुगमनाथन शमला से जुड़ा है।

अदालत ने उन पर 3,200 सिंगापुर डॉलर, जो भारतीय मुद्रा में लगभग 2 लाख 27 हजार रुपये होते हैं, का जुर्माना लगाया है। महिला पर यह कार्रवाई वाइल्डलाइफ एक्ट के उल्लंघन के तहत की गई है। रिपोर्टों के अनुसार, महिला ने अदालत में अपने ऊपर लगे चार आरोपों को स्वीकार कर लिया, जबकि इसी तरह की पांच अन्य घटनाओं को भी न्यायिक प्रक्रिया के दौरान संज्ञान में लिया गया। प्रशासन का तर्क है कि जंगली पक्षियों को इस तरह दाना खिलाने से न केवल इलाके में गंदगी फैलती है, बल्कि इससे पारिस्थितिक संतुलन भी बिगड़ता है और पक्षियों की आबादी अनियंत्रित रूप से बढ़ सकती है। हैरानी की बात यह है कि यह महिला के खिलाफ की गई पहली कार्रवाई नहीं थी। इससे पहले मई 2025 में भी उन्हें इसी कृत्य के लिए 1,200 सिंगापुर डॉलर का जुर्माना भरना पड़ा था। उस दौरान महिला ने अदालत में भविष्य में ऐसा न करने का लिखित वादा भी किया था। लेकिन सरकारी रिकॉर्ड और सबूतों के अनुसार, उन्होंने अपने वादे को दरकिनार करते हुए महज एक महीने के भीतर फिर से पक्षियों को दाना खिलाना शुरू कर दिया।

ओवैसी ही बीजेपी के असली लाइफलाइन, भगवान राम से ज्यादा ओवैसी का नाम लेते हैं

तेलंगाना के सीएम रेवंत रेड्डी ने बीजेपी पर बोला तीखा हमला

हैदराबाद (एजेंसी)। तेलंगाना के सीएम रेवंत रेड्डी ने बीजेपी पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा है कि बीजेपी एआईएमआईएम चीफ असदुद्दीन ओवैसी को भगवान राम से भी ज्यादा अहमियत देती है और चुनाव जीतने के लिए ओवैसी का इस्तेमाल करती है। उन्होंने कहा है कि ओवैसी ही बीजेपी के असली लाइफलाइन हैं। रेड्डी ने कहा कि यह बीजेपी का इतिहास है। अगर आप इसे एनालाइज करें, तो उनके लिए सिर्फ एक ही भगवान हैं, असदुद्दीन ओवैसी। वे यूं ही भगवान राम का नाम लेते हैं, लेकिन वे हर दिन जिसके आगे झुकते हैं, वह असदुद्दीन ओवैसी हैं। उनकी लाइफलाइन असदुद्दीन ओवैसी हैं। देखिए वे कितनी बार राम को याद करते हैं और कितनी बार ओवैसी का नाम लेते हैं। इसकी पड़ताल होनी चाहिए।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सीएम रेवंत रेड्डी ने कहा कि बीजेपी ओवैसी को अलादीन के चिराग की तरह इस्तेमाल कर रही है। उन्होंने कहा कि हर बार वे ओवैसी को अलादीन का जादुई चिराग बनाकर वोट मांगते हैं। आखिर सरकार तो आपकी ही है ना? अगर ओवैसी इतने विलेन हैं, तो आप उन्हें कंट्रोल क्यों नहीं कर पा रहे हैं? रेड्डी ने एआईएमआईएम की निंदा के लिए भी बीजेपी की आलोचना की। उन्होंने कहा कि डेमोक्रेसी में एआईएमआईएम भी एक पॉलिटिकल पार्टी है जो चुनाव लड़ती है। जहां वे जीतते हैं, जीतते हैं। जहां वे हारते हैं, हारते हैं। उन्होंने गुजरात, उत्तर प्रदेश, बिहार और यहां तक ??कि पश्चिम बंगाल में भी चुनाव लड़ा, जहां उन्होंने पांच सीटें जीतीं हैं। वे भी एक पॉलिटिकल ऑर्गनाइजेशन हैं, एक पॉलिटिकल पार्टी हैं, लेकिन आप कब तक उनके नाम पर वोट मांगते रहेंगे? धार्मिक नफरत भड़काकर, कुछ पॉलिटिकल पार्टियों के नेताओं को राक्षस बताकर और उसके जरिए पॉलिटिकल रूप से जिंदा रहने की कोशिश करना आइडियोलॉजिकल गरीबी की हद है। तेलंगाना के लोगों को सोच समझ कर वोट देना चाहिए।

एसआईआर के दौरान हिंसा पर सुप्रीम कोर्ट सख्त, डीजीपी से मांगा व्यक्तिगत हलफनामा

-पश्चिम बंगाल में चुनाव आयोग के अधिकारियों को धमकियों का मामला

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) ड्यूटी के दौरान चुनाव आयोग के अधिकारियों के साथ कथित हिंसा और धमकियों के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने कड़ा रुख अपनाया है। मुख्य न्यायाधीश की अध्यक्षता वाली पीठ ने राज्य के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) को व्यक्तिगत रूप से हलफनामा दाखिल करने का निर्देश दिया है। इसके साथ ही, चुनाव आयोग द्वारा दाखिल हलफनामे पर जवाब न देने को लेकर डीजीपी को कारण बताओ नोटिस भी जारी किया गया है।

अदालत ने यह निर्देश उस समय दिया, जब केंद्र की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल ने पीठ का ध्यान चुनाव आयोग के हलफनामे की ओर दिलाया। इस हलफनामे में पश्चिम बंगाल में एसआईआर प्रक्रिया के दौरान गंभीर अनियमितताओं, धमकियों और हिंसा के आरोप लगाए गए हैं। आयोग ने दावा किया है कि राज्य में अन्य राज्यों की तुलना में भय और दबाव का माहौल कहीं अधिक है, जिससे चुनावी प्रक्रिया की निष्पक्षता प्रभावित हो रही है। सुनवाई के

दौरान सॉलिसिटर जनरल ने अदालत को बताया कि चुनाव आयोग के अनुसार राज्य में डराने-धमकाने, बाधा डालने और भ्रामक सूचनाएं फैलाने की घटनाएं सामने आई हैं। हलफनामे में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर भी भड़काऊ भाषण देने और भय का वातावरण बनाने के आरोप लगाए गए हैं। आयोग का कहना है कि इस तरह के बयानों से जमीनी स्तर पर काम कर रहे चुनाव अधिकारियों की सुरक्षा खतरे में पड़ गई है।

चुनाव आयोग ने अपनी शिकायत में यह भी उल्लेख किया है कि पश्चिम बंगाल के कई इलाकों में बड़ी संख्या में फॉर्म-7 जलाए गए। इसके अलावा, पंचायत भवनों में सुनवाई के लिए पहुंचे बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) के साथ हिंसा की घटनाएं हुईं। आयोग के अनुसार, कई अधिकारियों को लोकतांत्रिक दायित्व निभाते समय अपनी जान का खतरा महसूस हुआ, जिससे वे भय के साए में काम करने को मजबूर हुए। सुप्रीम कोर्ट ने इन आरोपों को गंभीर मानते हुए राज्य पुलिस की भूमिका पर सवाल उठाए। अदालत ने कहा कि चुनाव जैसी संवैधानिक प्रक्रिया में लगे अधिकारियों की सुरक्षा सुनिश्चित करना राज्य का दायित्व है। यदि इस दायित्व में चूक हुई है, तो इसकी जवाबदेही तय की जानी चाहिए।

पीठ ने स्पष्ट किया कि डीजीपी को व्यक्तिगत रूप से यह बताना होगा कि चुनाव आयोग के आरोपों पर अब तक क्या कार्रवाई की गई और अधिकारियों की सुरक्षा के लिए क्या कदम उठाए गए। अदालत ने संकेत दिए कि मामले की गंभीरता को देखते हुए आगे और सख्त निर्देश भी दिए जा सकते हैं। अब इस मामले में राज्य सरकार और पुलिस प्रशासन के जवाब पर सबकी नजर टिकी हुई है।

सुकमा में भारी मात्रा में विस्फोटक बरामद, 51 नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण

सुकमा (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित सुकमा जिले में सुरक्षाबलों को एक बड़ी दोहरी सफलता हाथ लगी है। सोमवार को एक विशेष अभियान के दौरान सुरक्षाबलों ने न केवल नक्सलियों के एक गुप्त ठिकाने का भंडाफोड़ किया, बल्कि भारी मात्रा में विस्फोटक सामग्री भी जब्त की। पुलिस अधिकारियों से मिली जानकारी के अनुसार, रायगुडेम गांव के पास स्थित पहाड़ी जंगलों में नक्सलियों की मौजूदगी की पुख्ता सूचना मिली थी। इसके बाद केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) और स्थानीय पुलिस की एक संयुक्त टीम ने तलाशी अभियान शुरू किया। इस कार्रवाई के दौरान सुरक्षाबलों ने 65 बैरल ग्रेनेड लॉन्चर (बीजीएल) सेल और कमर पर बांधी जाने वाली दो विशेष थैली बरामद कीं। इतनी बड़ी संख्या में बीजीएल सेल की बरामदगी को सुरक्षाबल नक्सलियों की किसी बड़ी और घातक साजिश की विफलता के रूप में देख रहे हैं।

इस सैन्य सफलता के साथ-साथ बस्तर संभाग में एक ऐतिहासिक रणनीतिक कामयाबी भी देखने को मिली है। सुकमा और बीजापुर जिलों में कुल 51 सक्रिय नक्सलियों ने हिंसा का रास्ता त्याग कर समाज की मुख्यधारा में लौटने का फैसला किया है। आत्मसमर्पण करने वाले इन नक्सलियों पर सामूहिक रूप से 1.61 करोड़ रुपये का इनाम घोषित था। यह घटनाक्रम इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि केंद्र सरकार ने मार्च 2026 तक देश से नक्सलवाद को पूरी तरह जड़ से समाप्त करने का लक्ष्य निर्धारित किया है।

अधिकारियों का मानना है कि नक्सलियों के इस सामूहिक आत्मसमर्पण के पीछे हाल ही में शीर्ष नक्सली नेता एल. प्रभाकर राव का खात्मा एक बड़ा कारण रहा है। अबूझमाड़ के जंगलों में हुई मुठभेड़ में प्रभाकर राव और उसके छह साथियों के मारे जाने के बाद नक्सलियों का मनोबल बुरी तरह टूट गया है। राव को एक खतरनाक एंबुश रणनीतिकार माना जाता था, जिसकी मौत ने नक्सली संगठन के ढांचे को कमजोर कर दिया है। बस्तर रेंज के वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के अनुसार, पिछले दो वर्षों में 2,400 से अधिक नक्सली हथियार डाल चुके हैं। सरकार की पूना मारगेम (नई राह) और नियद नेल्लानार (आपका अच्छा गांव) जैसी पुनर्वास योजनाओं का जमीनी स्तर पर सकारात्मक प्रभाव दिख रहा है। इन पहलों के माध्यम से प्रशासन अब उन दुर्गम इलाकों तक सीधी पहुंच बना रहा है, जहाँ कभी नक्सलियों का दबदबा हुआ करता था। फिलहाल, सुरक्षाबलों ने इलाके में चौकसी और अधिक बढ़ा दी है और आसपास के जंगलों में गहन तलाशी अभियान जारी है ताकि बचे हुए नक्सलियों पर दबाव बनाया जा सके।

12 फरवरी को 35 साल बाद बांग्लादेश को नया प्रधानमंत्री मिलेगा... भारत की पैनी नजर

नई दिल्ली (एजेंसी)। बांग्लादेश में 12 फरवरी 2026 को संसदीय चुनाव होने वाले हैं। पूर्व पीएम शेख हसीना के देश छोड़ने और खालिदा जिया के निधन के बाद यह पहला चुनाव है। 1991 से 2024 तक बांग्लादेश की राजनीति में इन दो नेताओं का दबदबा रहा। इसके बाद 35 साल बाद देश को नया प्रधानमंत्री मिलेगा। शेख हसीना की पार्टी अवामी लीग को चुनाव में हिस्सा लेने की इजाजत नहीं है। चुनाव आयोग का कहना है कि 2024 में हुए छात्र आंदोलन के दौरान हुई हिंसा में पार्टी की भूमिका की वजह से यह फैसला लिया गया है।

रिपोर्ट के मुताबिक एक्सपर्ट्स का कहना है कि बांग्लादेश के ये चुनाव सिर्फ देश की राजनीति ही नहीं, बल्कि पूरे साउथ एशिया की डिप्लोमेसी और पावर बैलेंस को बदल सकते हैं। इसलिए भारत, पाकिस्तान और चीन भी इन चुनाव पर नजर बनाए हुए हैं। राजनीतिक जानकारों के मुताबिक, हसीना के सत्ता से हटने के बाद बांग्लादेश की विदेश नीति में बड़ा बदलाव आया है। भारत के साथ रिश्ते अब अपने सबसे निचले स्तर पर पहुंच चुके हैं, जबकि पाकिस्तान के साथ संबंध बेहतर हुए हैं और चीन के साथ रणनीतिक रिश्ते और मजबूत हुए हैं। इस दौरान बांग्लादेश में हिंदुओं पर हमले, मंदिर तोड़ने और हिंसा की खबरें आने लगीं, जिस पर भारत ने चिंता जाहिर है। बांग्लादेशी सोशल मीडिया पर ग्रेटर बांग्लादेश के नक्शे और भारत के पूर्वोत्तर राज्यों को लेकर भड़काऊ बातें फैलीं।

भारत और बांग्लादेश की बॉर्डर पर बीएसएफ और बीजीबी के बीच तनाव बढ़ा, तस्करी और बाड़ को लेकर बहस हुई। छात्र नेता शरीफ उस्मान हादी की गोली मारकर हत्या कर दी गई, जिसके बाद हिंसा फैली और भारत के खिलाफ माहौल बना। दोनों देशों के बड़े नेताओं और अधिकारियों ने आपस में सीधे बात करना शुरू किया, इससे पुराने तनाव धीरे-धीरे कम होने लगे। 2025 में कराची और चटगांव के बीच कॉर्गो जहाज फिर से चलने लगे, जिससे समुद्री व्यापार आसान हुआ। 2026 की शुरुआत में ढाका और कराची के बीच कई साल बाद सीधी फ्लाइट्स शुरू हुईं। पाकिस्तान और बांग्लादेश ने वीजा के नियम आसान करने पर बात की, खासकर सरकारी काम से आने-जाने वालों के लिए। अंतरराष्ट्रीय बैठकों में पाकिस्तान और बांग्लादेश कई मुद्दों पर एक-दूसरे के साथ खड़े नजर आए, जिससे तालमेल बढ़ा।

चीन से और करीबी बढ़ी

2025 में बांग्लादेश के नेताओं और चीन के राष्ट्रपति की मुलाकात हुई, जिसमें रिश्तों को और आगे बढ़ाने पर खुलकर बात हुई। दोनों देशों ने व्यापार बढ़ाने के लिए फ्री ट्रेड एग्रीमेंट और निवेश से जुड़े समझौतों पर बातचीत शुरू करने का फैसला किया। चीन ने बांग्लादेश से आने वाले ज्यादातर सामान पर टैक्स नहीं लगाने की सुविधा आगे भी जारी रखने की बात कही। रक्षा के मामले में भी दोनों देश करीब आए और ड्रोन व दूसरी सैन्य तकनीक से जुड़े समझौते किए गए। बांग्लादेश का आम चुनाव तय करेगा कि देश आगे भारत के करीब रहेगा या पाकिस्तान और चीन की तरफ झुकेगा। इससे साउथ एशिया का पावर बैलेंस बदल सकता है। इसी वजह से इस चुनाव को बेहद अहम माना जा रहा है। बांग्लादेश, भारत के पूर्वोत्तर राज्यों को लगभग चारों तरफ से घेरता है। भारत का नॉर्थ-ईस्ट सिलीगुड़ी कॉरिडोर के जरिए भारत से कनेक्ट होता है। इसके बाद बांग्लादेश की भूमिका भारत के लिए कनेक्टिविटी, सुरक्षा और सप्लाई लाइनों के लिहाज से बेहद संवेदनशील हो जाती है।

दूसरी बड़ी वजह है भारत-चीन की रणनीतिक खींचतान। चीन पिछले कुछ सालों में बांग्लादेश में बंदरगाह, सड़क, बिजली और इंफ्रास्ट्रक्चर में भारी निवेश कर चुका है। बांग्लादेश अगर चीन के ज्यादा करीब जाता है, तब यह भारत के लिए सीधा रणनीतिक झटका होता है, खासकर बंगाल की खाड़ी और इंडियन ओशन रीजन में। बांग्लादेश की समुद्री सीमा इस इलाके को रणनीतिक रूप से बहुत अहम बना देती है। यह इलाका ग्लोबल शिपिंग, एनर्जी रूट्स और नौसैनिक गतिविधियों के लिए बेहद संवेदनशील है।

स्वामी, प्रकाशक, अनीता शर्मा द्वारा मुद्रक, रजनी कुमारी- मैसर्स साई प्रिंटिंग प्रेस D-85 सेक्टर-6 नोएडा, गौतमबुद्धनगर से मुद्रित एवं जी-271 एचआईजी, प्रताप विहार, सेक्टर-11, गाजियाबाद (उ०प्र०) से प्रकाशित। संपादक -अतुल शर्मा *
ईमेल-rashtriyashikhar@gmail.com (समस्त विवादों का क्षेत्र गाजियाबाद न्यायालय रहेगा) (* इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन तथा कानूनी मामलों हेतु उत्तरदायी)
समाचार संपादक-आरव शर्मा (एडवोकेट) 9310230557, 9625163807
(PRGI No. - UPHIN/25/A0086)